केजरीवाल का नारा- बीजेपी... 02

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

जब मैने शुरूआत की थी तब... 11

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

वर्ष - 02, अंक - 125 | गाजियाबाद / शुक्रवार 07 अगस्त 2026 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ -12, मूल्य - 04 रुपए

झारखंड में प्रदर्शनकारी छात्र सरकार से बातचीत को तैयार

● शर्त रखी-मुख्यमंत्री मीडिया के सामने खुद आकर बात करें

परीक्षा कराने वाली कंपनी का अकाउंटेंट गिरफ्तार

रांची (एजेंसी)। झारखंड में जेपीएसएससी समेत अन्य भर्ती परीक्षाओं में गड़बड़ी का विरोध कर रहे छात्रों को सरकार ने बातचीत का प्रस्ताव दिया है। छात्र इसके लिए तैयार हो गए। सरकार से बातचीत के लिए 11 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल जाएगा। इसमें 8 छात्र, 2 पत्रकार और 1 वकील होंगे। बातचीत के दौरान सिर्फ छात्र प्रतिनिधि ही अपनी बात रखेंगे। जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम में धरना दे रहे छात्र नेता रविंद्र पासवान ने कहा कि बुधवार को सरकार का प्रस्ताव लेकर आए एसडीएम ने छात्र प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों के नाम मांगे हैं। इसके बाद बैठक की तारीख और समय तय होगा। हालांकि, छात्रों ने एक शर्त भी रखी है कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन खुद बात करें। इस दौरान कम से कम दो मीडिया प्रतिनिधि मौजूद रहें। सीएम हेमंत सोरेन ने बातचीत के लिए चार मंत्रियों की कमेटी बनाई है। देवेंद्र नाथ महतो समेत 6 छात्र अनशन पर हैं। वे मामले में सीबीआई जांच की मांग कर रहे हैं। रात छापेमारी कर टीडीपीएल के अकाउंटेंट को गिरफ्तार कर लिया।

ब्रिटेन से वापस आएगी मां वाग्देवी की प्रतिमा !

● भारत सरकार ने तेज किए राजनयिक प्रयास

भोपाल (एजेंसी)। धार की ऐतिहासिक भोजशाला से एक सदी पहले ब्रिटेन ले जाई गई 11वीं शताब्दी की देवी वाग्देवी की सफेद संगमरमर की प्रतिमा को वापस लाने के लिए भारत ने राजनयिक प्रयास तेज कर दिए हैं। केंद्र सरकार मध्य प्रदेश सरकार के अनुरोध और उच्च न्यायालय के निर्देशों के बाद लंदन संग्रहालय के साथ लगातार संपर्क में है, जिससे 2014 के बाद से 650 से अधिक प्राचीन कलाकृतियों को सफलतापूर्वक स्वदेश लाने वाले भारत के रिकॉर्ड में एक और बड़ा अध्याय जुड़ने की उम्मीद जगी है। धार की ऐतिहासिक भोजशाला का यह मामला है।

क्या लौट पाएगी वाग्देवी प्रतिमा

मध्य प्रदेश के लिए, व्यापक वैश्विक बहस का एक तात्कालिक और भावनात्मक रूप से आवेशित स्थानीय मुद्दा है। ऐसे में अब सवाल यह है कि क्या लंदन के ब्रिटिश संग्रहालय से देवी वाग्देवी के रूप में पूजी जाने वाली प्रतिमा अंतत: धार लौट पाएगी। केंद्रीय संस्कृति सचिव विवेक अग्रवाल ने कहा कि मध्य प्रदेश सरकार से अनुरोध प्राप्त होने के बाद केंद्र ने राजनयिक और संस्थागत चैनलों के माध्यम से लगातार संपर्क बनाए रखा है।

यूपी में माफिया अतीक अहमद के बेटे की मौत

● कार डिवाइडर से टकराई,आखिरी शब्द-मुझे बचा लो

झांसी की जेल में बंद भाई से मिलने जा रहा था अबान

प्रयागराज (एजेंसी)। माफिया अतीक अहमद के सबसे छोटे बेटे अबान (21) की सड़क हादसे में मौत हो गई। वह गुरुवार सुबह प्रयागराज से झांसी जेल में बंद बड़े भाई अली से मिलने जा रहा था। क्रेटा कार में अबान के साथ उसके 4 दोस्त थे। झांसी से 70 किमी पहले सुबह 10.30 बजे पूंछ थाना इलाके में तेज रफ्तार कार डिवाइडर से टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार 7 फीट हवा में उछल गई। 40 फीट तक कार के टुकड़े हाईवे पर बिखर गए। अगला हिस्सा चकनाचूर हो गया। अबान समेत सभी 5 लोग अंदर फंस गए। चीख-पुकार मच गई। पुलिस और राहगीरों ने जैसे-तैसे दरवाजा तोड़कर सभी को बाहर निकाला। आगे की सीट पर बैठे अबान और उसके दोस्त सोनू की मौके पर मौत हो गई। जबकि बाकी 3 घायल उमर अहमद, मोहम्मद जैद और असलम को मेडिकल कॉलेज भिजवाया गया। मरने से पहले अबान के आखिरी शब्द थे- मुझे बचा लो...।

संघ प्रमुख भागवत बोले- जेन-जी हमारी पीढ़ी से ज्यादा ईमानदार और देशभक्त

हमें उनकी बात समझनी चाहिए, उनसे बात नहीं हुई तभी तो आंदोलन हुआ

मुंबई (एजेंसी)। संघ प्रमुख मोहन भागवत का कहना है कि जेन-जी और जेन-अल्फा, पुरानी पीढ़ी से भी ज्यादा देशभक्त और ईमानदार है। उन्होंने कहा- हमें उनकी बात सुननी चाहिए। उनसे बातचीत में कमी थी, इसीलिए दिल्ली के जंतर-मंतर पर आंदोलन हुआ। भागवत मुंबई के नीता मुकेश अंबानी कल्चरल सेंटर में किए जा रहे एक कार्यक्रम में बोल रहे हैं। इसका आयोजन इंडिया इंटरनेशनल मूवमेंट टू यूनाइट नेशंस यानी IIMUN अपनी 15वीं वर्षगांठ पर किया है।

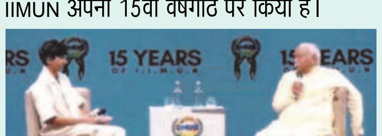

नीट पेपर लीक के खिलाफ देशभर में प्रदर्शनों के बाद इसे आरएसएस का युवाओं के साथ सबसे अहम संवाद माना जा रहा है। जंतर-मंतर पर 36 दिन चले आंदोलन के बाद केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को इस्तीफा देना पड़ा था।

24 जुलाई को भागवत ने कहा था- नई पीढ़ी को आदेश न दें, बातचीत करें : मोहन भागवत ने दिल्ली में 20 जुलाई को छात्रों के प्रदर्शन के 4 दिन बाद कहा था कि आज की नई पीढ़ी बहुत सारे सवाल पूछती है। हमें आदेश देने की बजाय उनसे बातचीत करनी चाहिए। हम मनमानी करेंगे, शक्ति से सबके मालिक बनेंगे, ऐसा नहीं हो सकता।

आंदोलन सिस्टम में सुधार के लिए होना चाहिए- भागवत ने कहा कि हम यह नहीं कहेंगे कि जेन जेड को आंदोलन नहीं करना चाहिए। संविधान लोकतांत्रिक तरीके से अपनी बात रखने और प्रदर्शन करने का अधिकार देता है। लेकिन यह भी देखना चाहिए कि आंदोलन कैसे किया जा रहा है हमें यह भी समझना होगा कि अगर जेन जेड आवाज उठा रही है, तो उसके पीछे कोई न कोई वास्तविक समस्या जरूर होगी।

गृह मंत्री गायब, पीएम आ नहीं रहे

● छात्र बर्बरता मामले में खरगे का तीखा सवाल ● बोले- क्या अब मुझे रिजिजू से सीखना पड़ेगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रेस वार्ता कर केंद्र सरकार के साथ-साथ पीएम मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा 15 दिन से सदन चल रहा है और गृह मंत्री गायब हैं, प्रधानमंत्री आ नहीं रहे हैं। इसके दो ही मतलब हो सकते हैं। एक या तो वे संसद को नजरअंदाज कर रहे हैं ये समझ रहे हैं कि संसद है ही नहीं। या तो वो डर के सदन में आकर उत्तर नहीं देना चाह रहे हैं। इस दौरान कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि हम चाहते हैं कि केंद्रीय गृह मंत्री सदन में आएं और देश को बताएं कि छात्रों पर लाठीचार्ज और पैलेट गन के इस्तेमाल का आदेश किसने दिया था। उन्होंने सरकार पर अहंकार दिखाने का आरोप लगाते हुए कहा कि या तो सरकार डर गई है या फिर वह संसद के वजूद को कोई महत्व नहीं दे रही है। खरगे ने बताया कि उन्होंने राज्यसभा में भी इस मुद्दे को उठाया और जवाब मांगा, लेकिन सरकार बयान देने के लिए तैयार नहीं हुई। विपक्षी सांसदों ने सभापति से मिलकर मांग की है कि प्रधानमंत्री इस पर माफी मांगें और गृह मंत्री सदन में आकर आधिकारिक बयान दें। सभापति ने भी संसदीय कार्य मंत्री को इस बात से अवगत करा दिया है कि पूरा सदन चाहता है कि गृह मंत्री आकर इस पर जवाब दें।

रिजिजू ने कहा-

नए सांसदों को भी मौका दें

इस पर रिजिजू ने कहा- कांग्रेस अध्यक्ष विपक्ष के नए सदस्यों को बोलने का मौका ही नहीं दे रहे हैं। एक ही मुद्दे पर बार-बार बोलकर समय बर्बाद कर रहे हैं। पवन खेड़ा कांग्रेस के नए सांसद है। संसदीय कार्य मंत्री के तौर पर मैं सदन में उन्हें सम्मानित करना चाहता हूं। लेकिन दिक्कत यह है खेड़ा को अब तक वेलकम स्पीच देने तक का मौका नहीं मिला। दोपहर 2 बजे गृह मंत्री अमित शाह भी संसद पहुंचे थे। विपक्ष 20 जुलाई से लगातार सदन में उनकी गैर मौजूदगी को लेकर सवाल उठा रहा था। विपक्ष संसद मार्च के दौरान छात्र प्रदर्शनकारियों पर पुलिस ऐक्शन को लेकर शाह से जवाब की मांग कर रहा है।

नई चीनी मिल लगाएं और 70 करोड़ की सब्सिडी पाएं

1 रुपए में जमीन भी, बिहार सरकार का पोर्टल हुआ लॉन्च

पटना (एजेंसी)। बिहार में कृषि आधारित उद्योगों को बढ़ावा देने और औद्योगिक निवेश को रफ्तार देने के लिए राज्य सरकार ने एक ऐतिहासिक कदम उठाया है। राज्य के गन्ना उद्योग मंत्री संजय कुमार ने आधिकारिक रूप से शुगरकेन इन्वेस्टमेंट प्रमोशन पोर्टल लॉन्च कर दिया। बिहार गन्ना उद्योग निवेश प्रोत्साहन नीति-2026 के तहत तैयार किया गया यह डिजिटल पोर्टल निवेशकों के लिए एक पारदर्शी सिंगल विंडो प्लेटफॉर्म के रूप में काम करेगा। मंत्री संजय कुमार ने बताया कि इस नई नीति के तहत बिहार में निवेश करने वाले निवेशकों और

उद्योगपतियों को वित्तीय छूट और सुविधाएं दी जा रही हैं। मंत्री ने बताया कि जो भी बिहार में चीनी मिल लगाएगा, उसे कुल खर्च में से 70 करोड़ की सब्सिडी मिलेगी। साथ ही स्टेट जीएसटी में भी 5 साल तक छूट मिलेगी।

बिहार सरकार का 25 नई मिलों का लक्ष्य- वर्तमान में बिहार में कुल 10 चालू चीनी मिलें हैं। हालांकि सम्राट चौधरी सरकार का लक्ष्य 25 और नई चीनी मिलें खोलने का है। मंत्री संजय कुमार ने बताया कि सरकार लंबे समय से बंद पड़ी चीनी मिलों जैसे सकरी, रैयाम को दोबारा शुरू करने की योजना पर काम जारी है। मंत्री संजय कुमार ने बताया कि इस पोर्टल के शुरू होने से निवेशकों को नीतिगत जानकारियों, जमीन की उपलब्धता या सब्सिडी क्लेम के लिए अलग-अलग सरकारी दफ्तरों के चक्कर नहीं काटने पड़ेंगे। निवेशक पोर्टल पर जिलेवार उपलब्ध जमीन का ब्योरा देख सकेंगे।

मेरी मां को राष्ट्र प्रमुख जैसा मिला सम्मान, पीएम मोदी ने दिया साथ

● शेख हसीना के बेटे के नए बयान से भड़केगी बांग्लादेश सरकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेश की पूर्व अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना ने 2024 में सत्ता से हटाए जाने के बाद बुधवार 5 अगस्त को अपनी पहली वर्चुअल प्रेस कॉन्फ्रेंस में भारत और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि भारत हमेशा मुश्किल के वक्त में बांग्लादेश के साथ खड़ा रहा है और आगे भी ऐसा ही करेगा। शेख हसीना ने भारत को बांग्लादेश का बहुत अच्छा दोस्त बताया। वहीं, उनके बेटे साजीब वाजेद जॉय ने कहा कि पीएम मोदी ने मेरी मां को एक राष्ट्र के प्रमुख के तौर पर सम्मान दिया।

पत्रकार तेजपाल को रेप केस में कोर्ट से 10 साल की सजा

पणजी (एजेंसी)। बॉम्बे हाईकोर्ट की गोवा बेंच ने गुरुवार को तहलका मैगजीन के पूर्व एडिटर-इन-चीफ तरुण तेजपाल को रेप केस में दोषी करार दिया। उन्हें 10 साल जेल की सजा सुनाई। कोर्ट ने कहा कि वे 2 हफ्ते में सरेंडर करें। इससे पहले मई 2021 में गोवा की ट्रायल कोर्ट ने सबूतों के अभाव में तेजपाल को बरी कर दिया था। इसके बाद मामला हाईकोर्ट पहुंचा था। मामला नवंबर 2013 का है। तहलका की महिला पत्रकार ने आरोप लगाया था कि गोवा में आयोजित थिंक फेस्ट के दौरान 7 और 8 नवंबर की रात होटल की लिफ्ट में तरुण तेजपाल ने दो बार उनका यौन उत्पीड़न किया।

उत्तराखंड में गंगा का रौद्र रूप, असम में 'जल' जला

● ऋषिकेश में वॉर्निंग लेवल पार, घाटों पर जाना रोका ● बद्रीनाथ हाईवे हुआ बंद, केदारनाथ में गाड़ियां फंसी

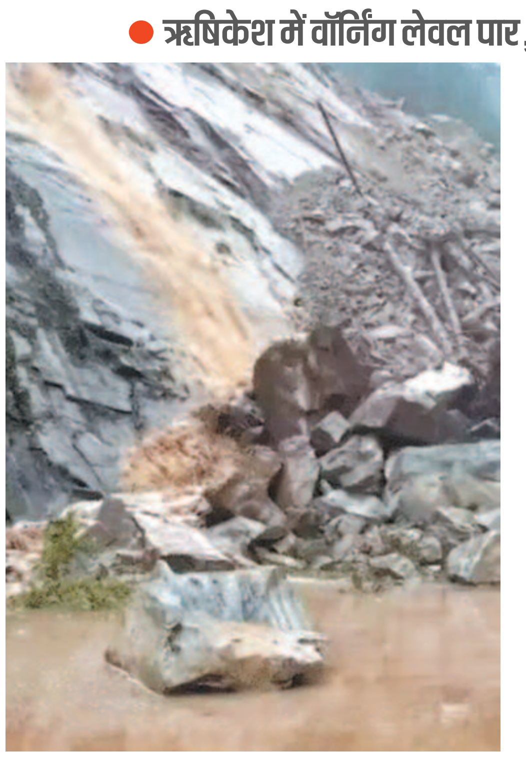

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर और पूर्वोत्तर भारत में मानसूनी बारिश आफत ला रही है। उत्तराखंड के ऋषिकेश में गंगा नदी वॉर्निंग लेवल के ऊपर बह रही है। लोगों को घाटों पर न जाने की चेतावनी दी गई है। चमोली में हेलंग के पास पहाड़ी से मलबा और पत्थर गिरने से बद्रीनाथ नेशनल हाईवे बंद है। वहीं, देहरादून, चमोली, बागेश्वर, रुद्रप्रयाग और पौड़ी गढ़वाल में आंगनवाड़ी केंद्रों के साथ 12वीं तक के सभी स्कूलों में छुट्टी कर दी गई है। रुद्रप्रयाग में तिलवाड़ा के पास पहाड़ से मलबा और पानी केदारनाथ हाईवे पर आ गया। इससे कई गाड़ियां कीचड़ और चट्टानों के मलबे में दब गईं। इधर, यूपी के फर्रुखाबाद के 33 गांवों और 40 सरकारी स्कूलों में गंगा का पानी घुस गया है। बलिया में एक हफ्ते में 27 घर सरयू नदी में समा चुके हैं। प्रतापगढ़ में लगातार बारिश के कारण 100 साल पुराना मकान ढह गया, जिसमें एक ही परिवार के 6 लोगों की मौत हो गई।

असम में बाढ़ की स्थिति बेहद गंभीर - उधर, असम में बाढ़ की स्थिति अब भी गंभीर बनी हुई है। पिछले 24 घंटे में 6 और लोगों की मौत हो गई, जिससे इस मानसून सीजन में मरने वालों की संख्या बढ़कर 95 हो गई है। धानसिरी नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है, जिसके चलते 14 जिलों में हाई अलर्ट जारी किया गया है। राज्य के 1.6 लाख से ज्यादा लोग बाढ़ से प्रभावित हैं। दिल्ली में गुरुवार सुबह कई इलाकों में झमाझम बारिश हुई। बारिश के बाद लोगों को उमस से राहत मिली। रोहतक रोड सहित कई सड़कों पर पानी भर गया। मौसम विभाग ने आज दिल्ली के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। विभाग के मुताबिक दिनभर गरज-चमक के साथ मध्यम से भारी बारिश हो सकती है। मौसम विभाग के अनुसार, दिल्ली का न्यूनतम तापमान 26.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 1.3 डिग्री कम है। वहीं, अधिकतम तापमान 32 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का अनुमान है। उत्तराखंड के चमोली जिले में लगातार बारिश के चलते हेलंग के पास बद्रीनाथ नेशनल हाईवे पर पहाड़ी से मलबा और पत्थर गिरने से सड़क बंद हो गई। ये रास्ता सीधे बद्रीनाथ जाता है।

भगवंत मान के खिलाफ चुनाव लड़ना चाहते हैं राजा वड़िंग

● पंजाब कांग्रेस चीफ ने बीच मीटिंग में भूपेश बघेल से कर दी बड़ी डिमांड

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वडिंग ने 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने साफ कहा कि यदि कांग्रेस उन्हें चुनाव लड़ाना चाहती है तो उन्हें मुख्यमंत्री भगवंत मान के खिलाफ मैदान में उतारा जाए। यहीं नहीं उन्हें यह तक कह दिया कि यदि उन्हें भगवंत मान के खिलाफ मैदान नहीं उतारा जाता तो उन्हें टिकट ही न दिया जाए। वडिंग ने ये बयान पंजाब कांग्रेस प्रभारी के सामने दिया। पंजाब कांग्रेस के हर बूथ कांग्रेस मजबूत अभियान के दौरान भूपेश बघेल की मौजूदगी में मंच से बोलते हुए वड़िंग ने कहा कि अंतिम फैसला कांग्रेस हाईकमान का होगा। राजा वडिंग ने आगे कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी और पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे तय करेंगे कि उन्हें किस विधानसभा सीट से चुनाव लड़ना है।

कांग्रेस में चरम पर जारी है गुटबाजी

पंजाब कांग्रेस इन दिनों दो गुटों में बंटी हुई दिखाई दे रही है। एक गुट राजा वडिंग का है तो दूसरी पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी का। चन्नी के समर्थक चाहते थे कांग्रेस हाईकमान पार्टी की कमान उनके नेता को सौंपे लेकिन हाईकमान ने चुनाव से पहले संगठन में किसी भी तरह के बदलाव करने से मना कर दिया था। पार्टी ने राजा वडिंग पर भी भरोसा जताते हुए उन्हें अध्यक्ष पर बने रहने के लिए कहा है।

पुंछ में एलओसी के पास हुआ लैंडमाइन विस्फोट, सेना के दो जवान घायल

श्रीनगर(एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा (एलओसी) के समीप बुधवार शाम लैंडमाइन विस्फोट में सेना के दो जवान घायल हो गए। अधिकारियों के अनुसार, मेंढर सेक्टर के कांगा गली क्षेत्र में सेना की गश्ती टीम को एक लैंडमाइन दिखाई दी थी, जिसके बाद उसे निष्क्रिय करने के लिए बम निरोधक विशेषज्ञों को बुलाया गया। डिफ्यूज करने की प्रक्रिया के दौरान अचानक विस्फोट हो गया, जिससे दो सैनिक घायल हो गए। दोनों को तुरंत सेना के अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका उपचार जारी है। अधिकारियों ने बताया कि क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था और तलाशी अभियान जारी है।

15 अगस्त से शुरू होगी विदेशी संपत्ति घोषणा योजना

गुरुग्राम (एजेंसी)। गुरुग्राम में लगातार बारिश हो रही है। मौसम विभाग ने आने वाले समय में भी बारिश का अलर्ट जारी किया है। इस बीच गुरुग्राम पुलिस ने सुरक्षा के मद्देनजर गुरुवार को सभी कॉर्पोरेट दफ्तरों और निजी प्रतिष्ठानों से अपने कर्मचारियों के लिए वर्क फ्रॉम होम की व्यवस्था करने का आग्रह किया है। भारी बारिश के कारण प्रमुख सड़कों और चौराहों पर जलभराव और गंभीर यातायात जाम की आशंका है, जिससे निपटने और आपातकालीन सेवाओं को सुचारू बनाए रखने के लिए सड़कों पर वाहनों का दबाव कम करना बेहद जरूरी है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक गुरुग्राम पुलिस ने एक्स पर लिखा कि अनावश्यक वाहनों की आवाजाही कम होने से यातायात सुचारू रहेगा और एम्बुलेंस, फायर ब्रिगेड व अन्य आपातकालीन सेवाओं को निर्बाध रूप से संचालित करने में मदद मिलेगी। बता दें दिल्ली-एनसीआर समेत उत्तर भारत के कई इलाकों में पिछले तीन दिनों से लगातार बारिश जारी है। ऑफिस आवर्स के दौरान कई इलाकों में तेज बारिश देखने को मिली है। सड़कों पर जलभराव के कारण ट्रैफिक की रफ्तार थम गई। जाम के कारण दफ्तर जाने वालों को परेशानी का सामना करना पड़ा। मौसम एजेंसी के मुताबिक ओडिशा, पश्चिम बंगाल, बिहार, झारखंड, उत्तर छत्तीसगढ़ और पूर्वी उत्तर प्रदेश में भारी बारिश की संभावना है। 7 से 9 अगस्त के बीच मौसम की सबसे ज्यादा सक्रियता ओडिशा, झारखंड, बिहार और छत्तीसगढ़ की सीमा से जुड़े इलाकों में हो सकती है।

मिड-डे मील के नाम बच्चों को पानी जैसी दाल और जली रोटियां दी जा रही थीं

सीतापुर (एजेंसी)। प्राथमिक विद्यालय छंगापुर में मिड-डे मील के नाम पर मासूम बच्चों की सेहत से खिलवाड़ का मामला सामने आया। स्कूल में बच्चों को पानी जैसी पतली सब्जी और जली हुई रोटियां परोसी जा रही थीं। इसका वीडियो इंटरनेट पर वायरल होते ही हड़कंप मच गया। मामले को गंभीरता से लेते हुए प्रशासन ने कार्रवाई की है। स्कूल की प्रधानाध्यापक को निलंबित कर दिया गया है, जबकि दोषी रसोइया की सेवा समाप्त कर दी है। मिली जानकारी के मुताबिक घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था, जिसके बाद जिलाधिकारी ने बेसिक शिक्षा अधिकारी को मौके पर जाकर जांच करने और सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए थे। बुधवार को बीएसए छंगापुर गांव स्थित प्राथमिक विद्यालय पहुंचे और वहां मौजूद विद्यार्थियों व उनके अभिभावकों के बयान दर्ज किए। बताया जा रहा है कि जांच में एमडीएम की गुणवत्ता को लेकर भारी लापरवाही की पुष्टि हुई। ग्रामीणों और बच्चों ने बताया कि स्कूल में अक्सर खराब गुणवत्ता की दाल-सब्जी बनती थी और बच्चों को तय मात्रा में दूध भी नहीं दिया जाता था। जांच रिपोर्ट के आधार पर बीएसए ने प्रधानाध्यापक कल्पना वर्मा को निलंबित कर दिया और रसोइया अनीता को बर्खास्त कर दिया। रिपोर्ट के मुताबिक लापरवाही की गाज केवल स्कूल स्टाफ तक ही सीमित नहीं रही। पर्यवेक्षण में शिथिलता बरतने के आरोप में खंड शिक्षा अधिकारी उदयमणि पटेल को प्रतिकूल प्रविष्टि दी गई है, जबकि एमडीएम के जिला समन्वयक बृज मोहन सिंह को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। पूरे प्रकरण की विस्तृत जांच बीईओ पहला पुष्पराज सिंह को सौंपी गई है, जिन्हें एक महीने के भीतर अपनी रिपोर्ट शासन को सौंपनी होगी।

गुरुग्राम में भारी बारीश का अलर्ट, कर्मचारियों को वर्क फ्रॉम होम करने की सलाह

गुरुग्राम(एजेंसी)। गुरुग्राम में लगातार बारिश हो रही है। मौसम विभाग ने आने वाले समय में भी बारिश का अलर्ट जारी किया है। इस बीच गुरुग्राम पुलिस ने सुरक्षा के मद्देनजर गुरुवार को सभी कॉर्पोरेट दफ्तरों और निजी प्रतिष्ठानों से अपने कर्मचारियों के लिए वर्क फ्रॉम होम की व्यवस्था करने का आग्रह किया है। भारी बारिश के कारण प्रमुख सड़कों और चौराहों पर जलभराव और गंभीर यातायात जाम की आशंका है, जिससे निपटने और आपातकालीन सेवाओं को सुचारू बनाए रखने के लिए सड़कों पर वाहनों का दबाव कम करना बेहद जरूरी है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक गुरुग्राम पुलिस ने एक्स पर लिखा कि अनावश्यक वाहनों की आवाजाही कम होने से यातायात सुचारू रहेगा और एम्बुलेंस, फायर ब्रिगेड व अन्य आपातकालीन सेवाओं को निर्बाध रूप से संचालित करने में मदद मिलेगी। बता दें दिल्ली-एनसीआर समेत उत्तर भारत के कई इलाकों में पिछले तीन दिनों से लगातार बारिश जारी है। ऑफिस आवर्स के दौरान कई इलाकों में तेज बारिश देखने को मिली है। सड़कों पर जलभराव के कारण ट्रैफिक की रफ्तार थम गई। जाम के कारण दफ्तर जाने वालों को परेशानी का सामना करना पड़ा। मौसम एजेंसी के मुताबिक ओडिशा, पश्चिम बंगाल, बिहार, झारखंड, उत्तर छत्तीसगढ़ और पूर्वी उत्तर प्रदेश में भारी बारिश की संभावना है। 7 से 9 अगस्त के बीच मौसम की सबसे ज्यादा सक्रियता ओडिशा, झारखंड, बिहार और छत्तीसगढ़ की सीमा से जुड़े इलाकों में हो सकती है।

अतीक अहमद के छोटे बेटे की सड़क हादसे में मौत, तीन गंभीर रुप से घायल

प्रयागराज (एजेंसी)। यूपी के बाहुबली और माफिया अतीक अहमद के छोटे बेटे अबान अहमद की सड़क हादसे में मौत हो गई। बताया जा रहा है कि अतीक का छोटा बेटा अपने दोस्तों के साथ कार में सवार होकर जेल में बंद अपने बड़े भाई से मिलकर लौट रहा था। झांसी के पूंछ थाना क्षेत्र में हाईवे पर कार डिवाइडर से टकरा गई। हादसे में तीन अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने हादसे की जांच शुरू कर दी है। कार में कुल पांच लोग थे बताया जा रहा है।

ई-20 पेट्रोल पर केंद्र कांग्रेस के निशाने पर, जल संकट और खाद्य सुरक्षा की अनदेखी का आरोप

-जयराम रमेश बोले- पर्यावरण संरक्षण नहीं, जल्दबाजी में लागू की जा रही है ई-20 नीति

नई दिल्ली(एजेंसी)। कांग्रेस ने केंद्र सरकार की ई-20 (20 प्रतिशत एथनॉल मिश्रित पेट्रोल) नीति को लेकर गंभीर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया है कि इसे जल्दबाजी में पूरे देश में लागू किया जा रहा है, जबकि इसके जल संसाधनों और खाद्य सुरक्षा पर पड़ने वाले प्रभावों की समुचित समीक्षा नहीं की गई है। पार्टी ने दावा किया कि सरकार पर्यावरण संरक्षण के नाम पर ऐसी नीति को बढ़ावा दे रही है, जिसके दूरगामी दुष्परिणाम सामने आ सकते हैं।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने बुधवार को कहा कि किसी भी वैकल्पिक ईंधन की पर्यावरणीय उपयोगिता का आंकलन केवल कार्बन उत्सर्जन के आधार पर नहीं किया जा सकता, बल्कि उसके उत्पादन में लगने वाले प्राकृतिक संसाधनों, विशेषकर जल और कृषि भूमि पर पड़ने वाले प्रभावों को भी ध्यान में रखना आवश्यक है।

उन्होंने कहा कि भारत में एथनॉल का उत्पादन मुख्य रूप से गन्ना, धान और मक्का जैसी अधिक पानी की खपत वाली फसलों से किया जाता है, जबकि कई अन्य देशों में कृषि अवशेषों और जैविक अपशिष्ट से एथनॉल तैयार किया जाता है। रमेश के अनुसार, गन्ना और धान देश के कुल सिंचाई जल का लगभग 70 प्रतिशत उपयोग करते हैं। उन्होंने दावा किया कि एक लीटर एथनॉल उत्पादन के लिए गन्ने से लगभग 3,630 लीटर, चावल से 10,790 लीटर और मक्के से करीब 4,670 लीटर पानी की आवश्यकता होती है। कांग्रेस नेता ने कहा कि ऐसे समय में, जब देश के अनेक हिस्सों में भूजल स्तर लगातार गिर रहा है, एथनॉल उत्पादन के लिए जल-गहन फसलों पर निर्भरता चिंता का विषय है। उन्होंने याद दिलाया कि नीति आयोग के वर्ष 2021 के एथनॉल संबंधी मार्गदर्शी दस्तावेज में अधिक टिकाऊ कच्चे माल के उपयोग की आवश्यकता स्वीकार की गई थी।

रमेश ने आरोप लगाया कि इसके बावजूद केंद्र सरकार एथनॉल उत्पादन के लिए चावल के उपयोग को प्रोत्साहित कर रही है। उन्होंने दावा किया कि सरकार ने संसद में स्वीकार किया है कि एथनॉल इकाइयों को औसत खरीद मूल्य से लगभग 40 प्रतिशत कम कीमत पर चावल उपलब्ध कराया जा रहा है। कांग्रेस ने कहा कि वास्तविक पर्यावरण हितैषी ईंधन नीति वही होगी, जो ईंधन उत्पादन के समग्र पर्यावरणीय प्रभाव, जल संसाधनों और खाद्य सुरक्षा पर पड़ने वाले असर का संतुलित आकलन करे। पार्टी ने आरोप लगाया कि ई-20 को बढ़ावा देने के पीछे पर्यावरण संरक्षण नहीं, बल्कि अन्य प्राथमिकताएं काम कर रही हैं। वहीं, इस संबंध में केंद्र सरकार की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

आगामी विधानसभा में कांग्रेस ने मैदान में उतारा तो सीएम मान के खिलाफ लडूंगा चुनाव : वड़िंग

चंडीगढ़ (एजेंसी)। कांग्रेस की पंजाब इकाई के अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग ने कहा कि अगर वह अगले साल की शुरुआत में होने वाले विधानसभा चुनाव लड़ते हैं तो वह राज्य के सीएम भगवंत मान के खिलाफ चुनाव लड़ना चाहेंगे। वड़िंग ने फरीदकोट में एक कार्यक्रम में पार्टी के एक नेता के उस सुझाव को खारिज कर दिया कि उन्हें शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल के खिलाफ चुनाव लड़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि अकाली नेता पहले ही ज्यादा सक्रिय नहीं हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक लुधियाना से सांसद वड़िंग ने कहा कि कौन कहां से चुनाव लड़ेगा, इसका फैसला पार्टी आलाकमान करेगा, लेकिन अगर उन्हें चुनाव मैदान में उतरने के लिए कहा गया तो वह सीएम मान का मुकाबला करना चाहेंगे। वड़िंग ने कहा कि मैं मान के खिलाफ चुनाव लड़ूंगा...।'' वड़िंग इससे पहले मुक्तसर जिले की गिद्दड़बाहा विधानसभा सीट का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। सीएम मान वर्तमान में संगरूर जिले की धुरी विधानसभा सीट से चुनाव लड़े थे और विधायक बने। वड़िंग की यह टिप्पणी ऐसे समय आई है, जब पूर्व सीएम और जालंधर से वर्तमान सांसद चरणजीत सिंह चन्नी के नेतृत्व में पार्टी नेताओं के एक वर्ग ने उन्हें कांग्रेस की पंजाब इकाई का अध्यक्ष बनाए रखने के आलाकमान के फैसले का विरोध करते हुए पद से हटाने की मांग की है। वड़िंग ने एक अन्य कार्यक्रम 'हर बूथ, कांग्रेस मजबूत' में लोगों से पंजाब की मान सरकार को सत्ता से उखाड़ने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि मान पंजाब के अब तक के सबसे खराब सीएम साबित हुए हैं। वड़िंग ने राज्य में कानून-व्यवस्था की बिगड़ती स्थिति का जिक्र करते हुए कहा कि गैंगस्टर संस्कृति और अराजकता चरम पर है और नशे की समस्या ने भयावह रूप ले लिया है।

केजरीवाल का नारा- बीजेपी भगाओ, गाड़ी बचाओ

ई-20 नीति के खिलाफ आप ने खोला मोर्चा और कहा- वाहनों को हो रहा नुकसान

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने केंद्र सरकार की ई-20 पेट्रोल नीति को लेकर एक बार फिर भाजपा पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट करते हुए नया राजनीतिक नारा दिया- बीजेपी भगाओ, गाड़ी बचाओ। यह नारा और टिप्पणी ऐसे समय में आई है, जबकि आम आदमी पार्टी देशभर में ई-20 ईंधन नीति के विरोध में अभियान चला रही है।

पूर्व सीएम केजरीवाल का आरोप है कि ई-20 पेट्रोल के इस्तेमाल से वाहनों का माइलेज कम हो रहा है और इंजन पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। उन्होंने मांग की कि पेट्रोल पंपों पर उपभोक्ताओं को ई-20 के साथ-साथ शुद्ध पेट्रोल अथवा अन्य ईंधन विकल्प उपलब्ध कराए जाएं, ताकि वाहन मालिक अपनी आवश्यकता के अनुसार ईंधन का चयन कर सकें।

ई-20 नीति के विरोध में आम आदमी पार्टी पिछले कुछ दिनों से लगातार अभियान चला रही है। इसी क्रम में अरविंद केजरीवाल ने प्रधानमंत्री आवास तक मार्च का नेतृत्व भी किया था। हालांकि, दिल्ली पुलिस ने मार्च को बीच रास्ते में रोक दिया, जिसके बाद पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने फिरोजशाह रोड पर धरना दिया था। आप का दावा है कि उसने ई-20 नीति के विरोध में लाखों लोगों के हस्ताक्षर भी एकत्र किए हैं। उधर, भारतीय जनता पार्टी ने केजरीवाल के आरोपों को खारिज करते हुए इसे राजनीतिक अभियान बताया है। भाजपा का कहना है कि ई-20 पेट्रोल से वाहनों को नुकसान पहुंचने के दावों की पुष्टि किसी मान्यता प्राप्त वैज्ञानिक अध्ययन या आधिकारिक रिपोर्ट से नहीं हुई है। पार्टी का आरोप है कि विपक्ष बिना ठोस साक्ष्यों के लोगों के बीच भ्रम फैलाने का प्रयास कर रहा है।

राम मंदिर दान मामले की जांच तेज, पुराने लेजर की हो रही पड़ताल

अयोध्या (एजेंसी)। राम मंदिर में दान से जुड़ी कथित चोरी और वित्तीय अनियमितताओं के मामले की जांच लगातार आगे बढ़ रही है। जांच एजेंसियों ने अब मंदिर के पुराने लेजर और वित्तीय रिकॉर्ड की गहन जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों का मानना है कि वर्षों से दर्ज चढ़ावे का पूरा लेखा-जोखा इन दस्तावेजों में मौजूद है और इन्हीं के आधार पर यह स्पष्ट हो सकेगा कि रिकॉर्ड में दर्ज रकम और वास्तविक जमा राशि के बीच कोई अंतर है या नहीं। मामले की जांच विशेष जांच दल (एसआईटी) की निगरानी में चल रही है, जबकि विवेचना का जिम्मा सीओ अयोध्या संभाल रहे हैं।

जांच के दौरान अब तक ट्रस्ट के पदाधिकारियों, मंदिर कर्मचारियों और बैंककर्मियों सहित 100 से अधिक लोगों को नोटिस जारी कर पूछताछ के लिए बुलाया जा चुका है।

कई लोगों के बयान दर्ज किए जा चुके हैं, जबकि आवश्यकता पड़ने पर कुछ लोगों को दोबारा भी तलब किया जा सकता है। जांच एजेंसियों का कहना है कि पूरे मामले की हर कड़ी को जोड़ने के लिए दस्तावेजों और बयानों का सावधानीपूर्वक मिलान किया जा रहा है। जांच का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा अब पुराने लेजर रिकॉर्ड बन गए हैं। इन दस्तावेजों में अलग-अलग तारीखों पर प्राप्त दान की राशि, उसके लेखांकन और जमा किए गए धन का पूरा विवरण दर्ज है। अधिकारी प्रत्येक पन्ने की बारीकी से जांच कर रहे हैं ताकि यह पता लगाया जा सके कि किसी तारीख पर दर्ज दान और बैंक में जमा रकम के बीच कोई विसंगति तो नहीं है। यदि कहीं कोई अंतर मिलता है तो उसे कथित वित्तीय अनियमितताओं के संभावित साक्ष्य के रूप में देखा जाएगा।

सूत्रों के अनुसार, लेजर में दर्ज प्रविष्टियों का बैंक रिकॉर्ड और अन्य वित्तीय दस्तावेजों से मिलान किया जा रहा है। जिन प्रविष्टियों पर संदेह है, उनसे जुड़े कर्मचारियों और संबंधित लोगों से अलग-अलग पूछताछ की जा रही है। जांच अधिकारी नियमित रूप से मंदिर पहुंचकर रिकॉर्ड का निरीक्षण कर रहे हैं और उपलब्ध दस्तावेजों की जांच कर रहे हैं। उनका प्रयास है कि पूरे वित्तीय लेनदेन की श्रृंखला को क्रमवार समझा जाए और यदि कहीं गड़बड़ी हुई है तो उसकी पुष्टि की जा सके। जांच एजेंसियों का कहना है कि फिलहाल किसी निष्कर्ष पर पहुंचना जल्दबाजी होगी। दस्तावेजों, बैंक रिकॉर्ड और संबंधित लोगों के बयानों का मिलान पूरा होने के बाद ही जांच की दिशा और आगे की कार्रवाई तय की जाएगी। फिलहाल सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या वर्षों से दर्ज लेजर रिकॉर्ड पूरी तरह सही हैं या उनमें ऐसी विसंगतियां मौजूद हैं जो कथित वित्तीय अनियमितताओं की ओर संकेत करती हैं। इसी पहलू को केंद्र में रखकर जांच आगे बढ़ाई जा रही है।

डांगावास हत्याकांड के सभी 40 आरोपी बरी, 11 साल बाद आया फैसला चिंताजनक : गहलोत

जयपुर (एजेंसी)।, राजस्थान के पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने नागौर डांगावास हत्याकांड में कोर्ट के फैसले को बेहद चिंताजनक बताया है। उन्होंने कहा कि 11 साल की लंबी कानूनी लड़ाई के बावजूद इंसाफ नहीं मिलना जांच और अभियोजन की गंभीर खामियों की ओर इशारा करता है। उल्लेखनीय है कि नागौर जिले के विशिष्ट न्यायालय ने डांगावास हत्याकांड के सभी 40 आरोपियों को बरी कर दिया है। बता दें साल 2015 में इस हत्याकांड में जमीन विवाद को लेकर पांच दलितों की हत्या कर दी गई थी। गहलोत ने कहा कि नागौर के डांगावास हत्याकांड में 11 साल बाद आया फैसला बेहद चिंताजनक है। 2015 में जमीन विवाद में पांच दलितों समेत छह लोगों की निर्मम हत्या हुई थी और अब एससी-एसटी विशेष कोर्ट ने सभी 40 आरोपियों को संदेह का लाभ देकर बरी कर दिया। पीड़ित परिवारों का सवाल जायज है, अगर 40 आरोपी बरी हो गए तो इन छह लोगों की हत्या आखिर किसने की?

गहलोत ने कहा कि 11 साल की लंबी कानूनी लड़ाई, सीबीआई से जांच और सुनवाई के बावजूद इंसाफ नहीं मिलना जांच और अभियोजन की गंभीर खामियों की ओर इशारा करता है। उन्होंने राज्य की बीजेपी सरकार पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि बीजेपी सरकार के शासन में 11 साल पहले ऐसी घटना होना और अब उन्हीं के शासन में प्रतिकूल फैसला आना यह दिखाता है कि बीजेपी न्याय के पक्ष में नहीं है। दलित समाज के साथ हुए इस अन्याय में जवाबदेही तय होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस हमेशा दलित समाज के सम्मान और अधिकारों के लिए खड़ी रही है। पीड़ित परिवारों को न्याय दिलाने के लिए इस फैसले के खिलाफ ऊपरी अदालत में अपील की प्रक्रिया मजबूती से आगे बढ़नी चाहिए, राज्य सरकार को इसमें सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए।

2036 ओलंपिक संकल्प कांवड़ यात्रा को संतों का आशीर्वाद, 10 अगस्त को हर की पैड़ी से निकलेगी यात्रा

हरिद्वार (शिखर समाचार)। वर्ष 2036 के ओलंपिक खेलों की मेजबानी भारत को दिलाने के संकल्प के साथ 10 अगस्त को आयोजित होने वाली विशेष कांवड़ यात्रा को संत समाज का आशीर्वाद मिल गया है। इस अभियान के तहत गुरुवार को कैबिनेट मंत्री रेखा आर्या ने हरिद्वार पहुंचकर श्री पंच दशनाम जूना अखाड़ा के राष्ट्रीय महामंत्री महंत हरि गिरि महाराज तथा अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत रवींद्र पुरी महाराज से भेंट कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान संतों ने भारत को वर्ष 2036 के ओलंपिक की मेजबानी मिलने की कामना करते हुए यात्रा की सफलता के लिए शुभकामनाएं दीं। रेखा आर्या ने बताया कि 10 अगस्त को हर की पैड़ी से गंगाजल लेकर ऋषिकेश स्थित वीरभद्र महादेव मंदिर तक संकल्प कांवड़ यात्रा निकाली जाएगी। इस यात्रा का उद्देश्य केवल धार्मिक आस्था का प्रदर्शन नहीं, बल्कि देशवासियों के बीच यह संदेश पहुंचाना है कि भारत वर्ष 2036 के ओलंपिक खेलों की मेजबानी के लिए पूरी तरह सक्षम है। उन्होंने कहा कि देवभूमि उत्तराखंड से उठने वाला यह संकल्प देश की खेल प्रतिभाओं, युवाओं और राष्ट्र के उज्ज्वल भविष्य की आकांक्षाओं का प्रतीक बनेगा। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि जब आस्था, राष्ट्रहित और खेल संस्कृति के विकास का भाव एक साथ जुड़ता है तो वह जनआंदोलन का स्वरूप ले लेता है। उन्होंने विश्वास जताया कि भगवान भोलेनाथ की कृपा और संत समाज के आशीर्वाद से भारत का यह सपना अवश्य साकार होगा। इस अवसर पर संतों ने "विजयी भव, संकल्प सिद्धिरस्तु" का आशीर्वचन देते हुए कहा कि राष्ट्रहित और लोककल्याण के लिए लिया गया संकल्प निश्चित रूप से सफल होता है।

भारी वर्षा के बीच नारसन बॉर्डर पहुंचे जिलाधिकारी और एसएसपी, कांवड़ यात्रा व्यवस्थाओं का लिया जायजा

हरिद्वार (शिखर समाचार)। कांवड़ यात्रा-2026 के दौरान लगातार हो रही भारी वर्षा के बीच श्रद्धालुओं की सुरक्षा और यात्रा व्यवस्थाओं का स्थलीय निरीक्षण करने के लिए जिलाधिकारी मयूर दीक्षित एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नवनीत सिंह भुल्लर गुरुवार को नारसन बॉर्डर पहुंचे। दोनों अधिकारियों ने सीमा पर सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्रबंधन, जांच चौकियों, मार्ग परिवर्तन व्यवस्था तथा विभिन्न सामाजिक संगठनों द्वारा संचालित सेवा शिविरों का निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कांवड़ यात्रियों की सुरक्षा, सुगम आवागमन और कानून व्यवस्था बनाए रखना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने कांवड़ यात्रियों से संवाद करते हुए प्रशासन द्वारा जारी दिशा निदेशों का पालन करने की अपील की। उन्होंने कहा कि श्रद्धालु निर्धारित मार्गों का ही उपयोग करें तथा यातायात नियमों का पालन कर प्रशासन का सहयोग करें। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि शासन द्वारा निर्धारित मानकों के अनुसार 10 फीट से अधिक चौड़ी और 12 फीट से अधिक ऊंची कांवड़ तथा निर्धारित मानकों के विपरीत संचालित ध्वनि विस्तारक यंत्रों से सुसज्जित वाहनों को जनपद की सीमा में प्रवेश नहीं दिया जा रहा है। ऐसे सभी वाहनों और कांवड़ों को नारसन बॉर्डर से वापस किया जा रहा है। सीमा पर तैनात पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों को प्रत्येक वाहन की सघन जांच कर नियमों का उल्लंघन मिलने पर तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। भारी वर्षा के कारण जलभराव वाले क्षेत्रों का भी निरीक्षण किया गया। जिलाधिकारी ने संबंधित विभागों को तत्काल जल निकासी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि कांवड़ यात्रियों और आम नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। इस अवसर पर संयुक्त मजिस्ट्रेट रुड़की दीपक रामचंद्र सेठ, तहसीलदार विकास अवस्थी, अपर तहसीलदार शुभांगिनी सहित पुलिस और प्रशासन के अधिकारी उपस्थित रहे।

भारत सीमा पर पाकिस्तान ने बढ़ाई चीनी एसएच-15 तोपों की तैनाती

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत-पाकिस्तान सीमा के निकट पाकिस्तान द्वारा चीन निर्मित एसएच-15 व्हील्ड सेल्फ-प्रोपेल्ड आर्टिलरी सिस्टम की तैनाती से भारतीय सुरक्षा हलकों में सामरिक चर्चा तेज हुई है। रिपोर्टों के अनुसार, पाकिस्तान ने भारत से सटे क्षेत्रों में बड़ी संख्या में इन लंबी दूरी की तोपों को तैनात किया है, जिससे उसकी आर्टिलरी क्षमता में वृद्धि हुई है। हालांकि, इन दावों की कोई स्वतंत्र आधिकारिक पुष्टि उपलब्ध नहीं है, लेकिन रक्षा विशेषज्ञ क्षेत्रीय सुरक्षा परिदृश्य के लिहाज से महत्वपूर्ण मान रहे हैं। बताया गया है कि पाकिस्तान ने गुजरांवाला, सियालकोट और जलालपुर जट्टन जैसे रणनीतिक क्षेत्रों में इन एसएच-15 तोपों को तैनात किया है। ये इलाके शकरगढ़ सेक्टर से संबंध रखते हैं, जिसका अतीत में भारत-पाकिस्तान संघर्षों के दौरान विशेष सामरिक महत्व रहा है। रिपोर्टों से संकेत मिलता है कि पाकिस्तान इन प्रणालियों के स्थानीय उत्पादन के लिए हैवी इंडस्ट्रीज टैक्सिला में प्रौद्योगिकी हस्तांतरण (ट्रांसफर ऑफ टेक्नोलॉजी) की दिशा में भी चीन के साथ काम कर रहा है।

रक्षा विश्लेषक लेफ्टिनेंट कर्नल (सेवानिवृत्त) जे.एस. सोढ़ी ने तैनाती को भारत की सुरक्षा के दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण बताया। उनके अनुसार, पाकिस्तान तेजी से चीनी हथियारों पर निर्भर होता जा रहा है, और चीन-पाकिस्तान के बीच बढ़ता रक्षा सहयोग भविष्य में क्षेत्रीय सामरिक संतुलन को गंभीर रूप से प्रभावित कर सकता है। लेफ्टिनेंट कर्नल सोढ़ी ने आशंका व्यक्त की कि दोनों देशों का बढ़ता सैन्य गठजोड़ भारत के लिए दीर्घकालिक सुरक्षा चुनौती बन सकता है। यह विश्लेषक का आकलन है, जिसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। तकनीकी दृष्टि से, एसएच-15 एक 155 मिमी, 52-कैलिबर सेल्फ-प्रोपेल्ड आर्टिलरी सिस्टम है, जिसकी मारक क्षमता गोला-बारूद के प्रकार के आधार पर लगभग 40 से 70 किलोमीटर तक बताई जाती है। पाकिस्तान ने वर्ष 2019 में इन प्रणालियों का ऑर्डर दिया था और बाद के वर्षों में इनकी आपूर्ति शुरू हुई। इस बीच, भारत के विदेश मंत्रालय ने सीमा पार सुरक्षा चुनौतियों पर अपनी नीति दोहराई है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने स्पष्ट किया कि भारत की सीमा पार आतंकवाद के प्रति नीति में कोई बदलाव नहीं आया है। उन्होंने कहा कि भारत अपने राष्ट्रीय हितों और सुरक्षा की रक्षा के लिए आवश्यक सभी कदम उठाने के लिए प्रतिबद्ध है, और सीमा पार से आतंकवाद पूरी तरह समाप्त होना चाहिए। विशेषज्ञ मानते हैं कि क्षेत्र में सैन्य गतिविधियों पर लगातार नजर रखना और सामरिक संतुलन बनाए रखना भारत की सुरक्षा नीति का महत्वपूर्ण हिस्सा बना रहेगा।

रात में भी सक्रिय नगर निगमः नगर आयुक्त ने कांवड़ मार्ग और शिविरों का किया निरीक्षण, व्यवस्थाओं का लिया जायजा

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। सावन माह में कांवड़ यात्रा को सुरक्षित, सुव्यवस्थित और सुविधाजनक बनाने के लिए गाजियाबाद नगर निगम पूरी मुस्तैदी के साथ कार्य कर रहा है। नगर निगम के सभी विभाग 24 घंटे व्यवस्थाओं को सुचारु बनाए रखने में जुटे हुए हैं। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने देर रात कांवड़ मार्ग, कंट्रोल रूम तथा साइ उपवन स्थित कांवड़ शिविर का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कांवड़ यात्रियों से संवाद कर उनकी समस्याओं और सुविधाओं की जानकारी भी ली।

नगर आयुक्त ने रात्रिकालीन भ्रमण के दौरान दुहाई से लेकर मेरठ रोड तक कांवड़ मार्ग पर की गई प्रकाश व्यवस्था का निरीक्षण किया। उन्होंने मार्ग पर लगाई गई हाईमास्ट और स्ट्रीट लाइटों की कार्यप्रणाली की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि कहीं भी प्रकाश व्यवस्था में कमी न रहने पाए। इसके बाद उन्होंने कंट्रोल रूम पहुंचकर कांवड़ मार्ग की निगरानी व्यवस्था का अवलोकन किया और सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से दूधेश्वर नाथ मठ मंदिर सहित पूरे कांवड़ मार्ग पर नजर रखी। निरीक्षण के दौरान नगर आयुक्त साइ उपवन स्थित कांवड़ शिविर भी पहुंचे, जहां

गाजियाबाद नगर निगम एवं साइ सेवा ट्रस्ट द्वारा श्रद्धालुओं के लिए विशेष शिविर संचालित किया जा रहा है। यहां उन्होंने विश्राम कर रहे कांवड़ यात्रियों से मुलाकात की और उनका हालचाल जाना। हरियाणा और दिल्ली से आए श्रद्धालुओं ने नगर निगम द्वारा उपलब्ध कराई गई सुविधाओं की सराहना करते हुए कहा कि शिविर में ठहरने, भोजन और सुरक्षा की उत्कृष्ट व्यवस्था की गई है। आयुक्त ने शिविर में संचालित रसोई का निरीक्षण कर भोजन की गुणवत्ता, स्वच्छता और साफ-सफाई की व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने स्नानघर, पेयजल, शौचालय, पंखों, प्रकाश व्यवस्था और अन्य मूलभूत सुविधाओं की भी समीक्षा की। साथ ही सुरक्षा व्यवस्था के तहत लगाए गए सीसीटीवी कैमरों की जानकारी लेते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि पूरे शिविर पर लगातार निगरानी रखी जाए, ताकि किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना की संभावना न रहे। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने कहा कि कांवड़ यात्रा के दौरान नगर निगम का पूरा अमला 24 घंटे सेवा में लगा हुआ है। दिन के साथ-साथ रात्रि में भी अधिकारी और कर्मचारी लगातार कांवड़ मार्ग तथा शिविरों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की निगरानी कर रहे हैं। उनका उद्देश्य है कि गाजियाबाद से गुजरने वाले प्रत्येक शिवभक्त को सुरक्षित, स्वच्छ और सुविधाजनक वातावरण उपलब्ध कराया जाए। निरीक्षण के दौरान अपर नगर आयुक्त अवनींद्र सहित नगर निगम के अन्य अधिकारी और कर्मचारी भी मौजूद रहे। अधिकारियों ने शिविर में मौजूद श्रद्धालुओं से संवाद कर उन्हें नगर निगम की सभी सुविधाओं का भरपूर लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया तथा किसी भी समस्या की स्थिति में तत्काल कंट्रोल रूम या शिविर प्रबंधन को सूचना देने की अपील की।

बीमा पॉलिसी के नाम पर करोड़ की साइबर ठगी करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह का पदार्फाश, 3 अभियुक्त गिरफ्तार

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। स्वाट/सर्विलांस टीम नगर जोन एवं थाना कोतवाली नगर पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए बीमा पॉलिसी बेचने के नाम पर लोगों से करोड़ों रुपये की साइबर ठगी करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह का पदार्फाश किया है। पुलिस ने गिरोह के 3 सदस्यों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 5 मोबाइल फोन, 1 लैपटॉप, 15 हजार रुपये नकद और 1 मारुति बलेनो कार बरामद की। इन्होंने करीब 2.5 करोड़ रुपये की साइबर ठगी को अंजाम दिया था। साथ ही चार राज्यों में दर्जनों साइबर ठगी की घटनाओं का भी पुलिस ने अनावरण किया है। गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान पंकज शर्मा, आदित्य यादव उर्फ मोनू और प्रमोद हरीश चंद्र छेबड़े के रूप में हुई है। 3 को थाना कोतवाली नगर क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया। पुलिस पूछताछ में अभियुक्तों ने बताया कि वह पहले नोएडा स्थित एक बीमा ब्रोकिंग कंपनी में कॉलिंग का कार्य करते थे। वहीं से उन्हें बीमा पॉलिसी धारकों का डाटा और ग्राहकों की जानकारी मिली, जिसका बाद में साइबर ठगी के लिए दुरुपयोग किया। वह लैप्स हो चुकी बीमा पॉलिसियों के ग्राहकों को फोन कर स्वयं को बीमा कंपनी का अधिकृत प्रतिनिधि बताते थे। इसके बाद पॉलिसी को दोबारा सक्रिय कराने या नई पॉलिसी देने का झांसा देकर उनसे विभिन्न बैंक खातों में धनराशि जमा करा लेते थे। लोगों का विश्वास जीतने के लिए आरोपी लैपटॉप में फोटो एडिटिंग एप्प की मदद से फर्जी रसीदें तैयार करते थे और इंटरनेट से बीमा कंपनियों के कर्मचारियों के पहचान पत्र डाउनलोड कर व्हाट्सएप के माध्यम से भेजते थे। गिरोह के सदस्य अलग-अलग फर्जी नामों से बीमा एजेंट बनकर

लोगों से संपर्क करते थे, जबकि बैंक खाते और अन्य संसाधन उन्हें उनके साथी उपलब्ध कराते थे। गिरोह ने उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, कर्नाटक सहित विभिन्न राज्यों के लोगों को अपना शिकार बनाया है। पुलिस को मिले दस्तावेजों से कई पीड़ितों के साथ लाखों रुपये की ठगी के प्रमाण मिले हैं। इनमें एक पीड़ित से 1.12 करोड़ रुपये, जबकि अन्य लोगों से 12.5 लाख, 8 लाख, 6.7 लाख और 2 लाख रुपये तक की ठगी की गई है। वहीं इनके पास से कई संदिग्ध दस्तावेज भी मिले हैं, जिनके आधार पर अन्य मामलों की जांच जारी है। डीसीपी धवल जायसवाल ने बताया कि इस गिरोह का नेटवर्क कई राज्यों में फैला हुआ है और मामले में फरार अन्य अभियुक्तों की तलाश की जा रही है। बरामद इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की फोरेंसिक जांच कर साइबर ठगी से जुड़े और मामलों का पता लगाया जा रहा है। उन्होंने आम नागरिकों से अपील कि किसी भी बीमा पॉलिसी से संबंधित कॉल आने पर उसकी पुष्टि संबंधित कंपनी के आधिकारिक माध्यमों से अवश्य करें और किसी भी अनजान व्यक्ति के कहने पर धनराशि जमा न करें।

कांवड़ यात्रा के नाम पर कटे तीन हरे पेड़, सूखे पेड़ों पर वन विभाग की चुप्पी से उठे सवाल

हापुड़ (शिखर समाचार)। कांवड़ यात्रा की तैयारियों के बीच दिल्ली रोड स्थित एक मॉल के बाहर खड़े तीन हरे पेड़ों को कटवाए जाने के बाद वन विभाग की कार्यशैली पर सवाल उठने लगे हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि एक व्यापारी को लाभ पहुंचाने के लिए हरे-भरे पेड़ों को काट दिया गया, जबकि इसी मार्ग पर दोनों ओर खड़े करीब एक दर्जन सूखे पेड़ आज भी हादसों को न्यौता दे रहे हैं। जानकारी के अनुसार प्रत्येक वर्ष कांवड़ यात्रा शुरू होने से पहले शासन और जिला प्रशासन के निर्देश पर यात्रा मार्ग में बाधा बनने वाली पेड़ों की शाखाओं की छंटाई कराई जाती है। लेकिन इस बार दिल्ली रोड स्थित एक मॉल के बाहर खड़े तीन हरे पेड़ों को पूरी तरह जड़ से कटवा दिया गया।

स्थानीय लोगों का कहना है कि गढ़-दिल्ली रोड पर कई सूखे पेड़ लंबे समय से खड़े हैं, जो कभी भी गिरकर बड़ा हादसा कर सकते हैं। इसके बावजूद वन विभाग ने उन पर कोई कार्रवाई नहीं की, जिससे विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं।

व्यापारी को लाभ पहुंचाने की चचार्एं तेज

शहर में चर्चा है कि वन विभाग ने निजी हितों को ध्यान में रखते हुए हरे पेड़ों को कटवाया है। लोगों का कहना है कि यदि कांवड़ यात्रा के दौरान अवरोध हटाना ही उद्देश्य था तो केवल शाखाओं की छंटाई भी की जा सकती थी।

पहले भी लगे थे पेड़ कटान के आरोप

स्थानीय लोगों के अनुसार दिल्ली रोड स्थित बालाजी मंदिर के निकट निमार्णाधीन मॉल की भूमि से पहले भी बड़ी संख्या में हरे पेड़ काटे गए थे। इसकी सूचना वन विभाग को दी गई थी, लेकिन कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई।

डीएफओ ने बताया कारण

डीएफओ गौतम सिंह ने बताया कि कांवड़ यात्रा की सुरक्षा और हाईटेंशन विद्युत लाइन को ध्यान में रखते हुए दिल्ली रोड स्थित मॉल के बाहर खड़े तीन पेड़ों को कटवाया गया है।

श्रीराम मंदिर से जुड़े मामलों की निष्पक्ष जांच की मांग, एमएलसी ने सदन में उठाया मुद्दा

शामली (शिखर समाचार)। समाजवादी पार्टी के विधान परिषद सदस्य किरण पाल कश्यप ने विधान परिषद में अयोध्या स्थित श्रीराम मंदिर से जुड़े विभिन्न मामलों की निष्पक्ष एवं उच्चस्तरीय जांच कराने की मांग उठाई। उन्होंने कहा कि यदि मंदिर निर्माण अथवा उससे संबंधित किसी भी कार्य में किसी प्रकार की अनियमितता हुई है तो उसकी निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध कानून के अनुसार सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। उनका कहना था कि करोड़ों लोगों की आस्था से जुड़े इस विषय में पारदर्शिता और जवाबदेही सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए।

सदन में अपनी बात रखते हुए किरण पाल कश्यप ने कहा कि श्रीराम मंदिर देश के करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था और विश्वास का केंद्र है। इसलिए निर्माण कार्य, भूमि खरीद और अन्य व्यवस्थाओं को लेकर समय-समय पर सामने

आने वाले आरोपों की स्वतंत्र एवं निष्पक्ष जांच कर वास्तविक स्थिति देश के सामने लाई जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि इससे लोगों का विश्वास और अधिक मजबूत होगा तथा किसी भी प्रकार की आशंका का समाधान हो सकेगा।

एमएलसी ने भगवान श्रीराम के जीवन का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्होंने निषादराज, केवट और माता शबरी सहित समाज के प्रत्येक वर्ग को सम्मान देकर सामाजिक समरसता और समानता का संदेश दिया था। इसलिए श्रीराम मंदिर से जुड़े किसी भी विषय को राजनीतिक दृष्टि से नहीं, बल्कि आस्था और पारदर्शिता के दृष्टिकोण से देखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि मंदिर आंदोलन में देशभर के लाखों लोगों ने अपना योगदान दिया है, इसलिए यदि किसी भी स्तर पर अनियमितता के आरोप हैं तो उनकी निष्पक्ष जांच कर सच्चाई जनता के सामने लाई जानी चाहिए।

गंगा का बढ़ता जलस्तरः डीएम कविता मीना और एसपी कुंवर ज्ञानंजय सिंह ने ब्रजघाट का किया निरीक्षण, कांवड़ियों से जाना व्यवस्थाओं का हाल

गढ़मुक्तेश्वर (शिखर समाचार)। सावन माह में गंगा नदी के लगातार बढ़ते जलस्तर को देखते हुए जिलाधिकारी कविता मीना एवं पुलिस अधीक्षक कुंवर ज्ञानंजय सिंह ने गुरुवार को ब्रजघाट का स्थलीय निरीक्षण कर सुरक्षा एवं व्यवस्थाओं का जायजा लिया। अधिकारियों ने घाट पर कांवड़ियों के लिए की गई सुरक्षा, बैरिकेडिंग, आवागमन और अन्य आवश्यक सुविधाओं का बारीकी से निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने गंगा स्नान कर रहे कांवड़ियों से सीधे संवाद कर उपलब्ध सुविधाओं एवं व्यवस्थाओं की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि बढ़ते जलस्तर को देखते हुए किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए तथा प्रत्येक श्रद्धालु की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए।

जिलाधिकारी कविता मीना ने कहा कि गंगा का जलस्तर बढ़ने के मद्देनजर प्रशासन पूरी तरह सतर्क और मुस्तैद है। कांवड़ यात्रा के दौरान आने वाले प्रत्येक श्रद्धालु की सुरक्षा प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा सभी आवश्यक इंतजाम किए गए हैं। इस दौरान अपर पुलिस अधीक्षक विनीत भटनागर, एसडीएम श्रीराम यादव, क्षेत्राधिकारी राहुल यादव, गढ़ कोतवाली प्रभारी देवेंद्र बिष्ट सहित पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे।

कांवड़ यात्राः डीसीपी धवल जायसवाल ने मधुबन बापूधाम क्षेत्र में व्यवस्थाओं का लिया जायजा, अधिकारियों को दिए आवश्यक निर्देश

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। कांवड़ यात्रा-2026 के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाए रखने के उद्देश्य से पुलिस प्रशासन लगातार सक्रिय है। इसी क्रम में गुरुवार को पुलिस उपायुक्त नगर/ट्रांसहिंडन धवल जायसवाल ने थाना मधुबन बापूधाम क्षेत्र के अंतर्गत कांवड़ मार्ग एवं विभिन्न कांवड़ शिविरों का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने सुरक्षा व्यवस्थाओं, यातायात संचालन, प्रकाश व्यवस्था तथा सीसीटीवी निगरानी प्रणाली का गहनता से जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान डीसीपी ने कांवड़ मार्ग पर स्थापित सीसीटीवी कैमरों की कार्यप्रणाली की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि सभी कैमरे पूरी तरह सक्रिय रहें और कंट्रोल रूम से उनकी लगातार निगरानी की जाए। किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर

तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, ताकि यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराया जा सके। धवल जायसवाल ने कांवड़ मार्ग पर लगाए गए शिविरों का भी निरीक्षण किया। उन्होंने शिविर संचालकों से बातचीत कर श्रद्धालुओं को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की जानकारी ली। साथ ही पुलिस अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिविरों के आसपास सुरक्षा व्यवस्था मजबूत रखी जाए तथा किसी भी प्रकार की अव्यवस्था या भीड़भाड़ की स्थिति उत्पन्न होने पर तुरंत प्रभावी कदम उठाए जाएं। यातायात व्यवस्था का निरीक्षण करते हुए डीसीपी ने मुख्य कांवड़ मार्ग के साथ-साथ आम नागरिकों की सुविधा के लिए बनाए गए वैकल्पिक मार्गों की भी समीक्षा की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि वैकल्पिक मार्गों पर यातायात का सुचारू संचालन सुनिश्चित किया जाए, ताकि कांवड़ यात्रा के कारण शहर के अन्य हिस्सों में अनावश्यक जाम की स्थिति न बने। इसके साथ ही आवश्यक स्थानों पर पुलिस बल की तैनाती और ट्रैफिक डायवर्जन का प्रभावी पालन कराने के निर्देश भी दिए गए। निरीक्षण के दौरान सड़क किनारे प्रकाश व्यवस्था की भी जांच की गई। डीसीपी ने कहा कि रात्रि के समय श्रद्धालुओं की आवाजाही अधिक रहती है, इसलिए कांवड़ मार्ग पर पर्याप्त रोशनी रहना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने संबंधित विभागों को निर्देशित किया कि जहां भी प्रकाश व्यवस्था में कमी हो, उसे तत्काल दुरुस्त कराया जाए। उन्होंने मौके पर मौजूद अधिकारियों से कहा कि कांवड़ यात्रा के दौरान सुरक्षा व्यवस्था में किसी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। सभी पुलिसकर्मी पूरी सतर्कता और जिम्मेदारी के साथ अपनी ड्यूटी निभाएं तथा श्रद्धालुओं के साथ विनम्र व्यवहार करें। पुलिस का उद्देश्य कांवड़ यात्रा को सुरक्षित, शांतिपूर्ण और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराना है। श्रद्धालुओं की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और यात्रा के दौरान हर स्थिति पर पैनी नजर रखी जा रही है, ताकि कांवड़ियों के साथ-साथ आम नागरिकों को भी किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

एसडीएम और नगर पंचायत अध्यक्ष ने किया कांवड़ सेवा शिविर का शुभारंभ

बुढ़ाना/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। नगर पंचायत परिसर में सावन माह और कांवड़ यात्रा के अवसर पर शिवभक्तों की सुविधा के लिए लगाए गए कांवड़ सेवा शिविर का गुरुवार को विधिवत शुभारंभ किया गया। नगर पंचायत अध्यक्ष उमा त्यागी एवं उपजिलाधिकारी सतेंद्र सिंह ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर शिविर का उद्घाटन किया। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पंडित विवेकमणि शर्मा ने विधि-विधान से पूजन कर शिविर का शुभारंभ कराया।

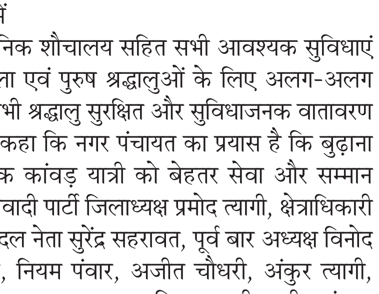

इस अवसर पर नगर पंचायत अध्यक्ष के प्रतिनिधि सुबोध त्यागी ने बताया कि कांवड़ यात्रा के दौरान शिवभक्तों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए शिविर में भोजन, पेयजल, पंखे, आधुनिक शौचालय सहित सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। महिला एवं पुरुष श्रद्धालुओं के लिए अलग-अलग व्यवस्थाएं की गई हैं, ताकि सभी श्रद्धालु सुरक्षित और सुविधाजनक वातावरण में विश्राम कर सकें। उन्होंने कहा कि नगर पंचायत का प्रयास है कि बुढ़ाना से होकर गुजरने वाले प्रत्येक कांवड़ यात्री को बेहतर सेवा और सम्मान मिले। कार्यक्रम में पूर्व समाजवादी पार्टी जिलाध्यक्ष प्रमोद त्यागी, क्षेत्राधिकारी गजेंद्रपाल सिंह, राष्ट्रीय लोकदल नेता सुरेंद्र सहरावत, पूर्व बार अध्यक्ष विनोद त्यागी, सभासद नितिन शर्मा, नियम पंवार, अजीत चौधरी, अंकुर त्यागी, व्यापारी नेता राजेश संगल, शकुल सहरावत, अभिनव त्यागी, सतीश पंवार, सुमित शर्मा सहित अनेक जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक एवं नगर पंचायत के कर्मचारी उपस्थित रहे।

एसबीआई के पूर्व चीफ मैनेजर टीसी गर्ग बने श्री पंचायती गोशाला के नए कोषाध्यक्ष, सर्वसम्मति से हुआ चयन

हापुड़ (शिखर समाचार)। श्री पंचायती गोशाला प्रबंध समिति में चल रहे संगठनात्मक बदलाव के क्रम में नए कोषाध्यक्ष का चयन कर लिया गया। समिति की बैठक में एसबीआई के पूर्व चीफ मैनेजर एवं गौभक्त टीसी गर्ग को सर्वसम्मति से नया कोषाध्यक्ष चुना गया। चयन के बाद समिति के सदस्यों ने फूलमाला पहनाकर उनका स्वागत किया और शुभकामनाएं दीं। गौरतलब है कि पिछले रविवार को आयोजित प्रबंध समिति की बैठक में मंत्री सचिन गोयल तथा कोषाध्यक्ष संजीव कृष्णा के इस्तीफे स्वीकार कर लिए गए थे। उसी बैठक में पूर्व चेयरमैन मनोज कुमार अग्रवाल को नया मंत्री चुना गया था, जबकि कोषाध्यक्ष पद पर सहमति नहीं बनने के कारण निर्णय स्थगित कर दिया गया था। गुरुवार को आयोजित बैठक में सदस्यों के बीच विस्तृत चर्चा के बाद टीसी गर्ग के नाम पर सर्वसम्मति बनी और उन्हें नए कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई। गोशाला के प्रधान सुरेश गुप्ता ने बताया कि समिति की सहमति से टीसी गर्ग को नया कोषाध्यक्ष चुना गया है। नई टीम गोशाला के संचालन को और अधिक व्यवस्थित बनाने तथा विकास कार्यों को गति देने के लिए सक्रिय रूप से कार्य करेगी।

सोशल मीडिया पर धार्मिक टिप्पणी करने वाला युवक गिरफ्तार, सिम्भावली पुलिस की त्वरित कार्रवाई

गढ़मुक्तेश्वर (शिखर समाचार)। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर धार्मिक टिप्पणी/पोस्ट करने के मामले में सिम्भावली पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक युवक को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध दर्ज मुकदमे में वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार थाना सिम्भावली में दर्ज मु.अ.सं. 211/26 के अंतर्गत धारा 353(2) बीएनएसएस में अभियुक्त नाजिम पुत्र वाहिद, निवासी ग्राम सिखेड़ा, थाना सिम्भावली, जनपद हापुड़ को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने बताया कि आरोपी के विरुद्ध आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है। गिरफ्तारी करने वाली टीम में उपनिरीक्षक यतेन्द्रपाल सिंह एवं हेड कांस्टेबल देवेंद्र सिंह शामिल रहे।

बुढ़ाना पुलिस ने नकली नोटों के अंतरराज्यीय गिरोह का किया पदार्फाश, तीन आरोपी गिरफ्तार

बुढ़ाना/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। बुढ़ाना पुलिस ने पश्चिमी उत्तर प्रदेश के बाजारों में नकली नोट खपाने वाले एक अंतरराज्यीय गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 500 रुपये के कुल एक लाख रुपये के नकली नोट, एक कार और तीन मोबाइल फोन बरामद किए हैं। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि गिरोह बेंगलुरु से फर्जी नाम-पते पर कूरियर के माध्यम से नकली नोट मंगाकर उन्हें पश्चिमी उत्तर प्रदेश के विभिन्न बाजारों में चलाता था। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजय कुमार वर्मा ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर कोतवाली प्रभारी सुभाष अत्री के नेतृत्व में पुलिस टीम ने चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान खतौली की ओर से आ रही एक वैगनआर कार को रोकने का प्रयास किया गया, लेकिन चालक ने भागने की कोशिश की। घेराबंदी कर पुलिस ने कार सवार जीशान निवासी जौला तथा सालिम और माजिद निवासी कैली, थाना दौराला, जनपद मेरठ को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे मवाना निवासी साहिल और शाहनवाज के माध्यम से 40 हजार रुपये देकर एक लाख रुपये के नकली नोट प्राप्त करते थे और उन्हें बाजार में खपाते थे। जांच में यह भी सामने आया कि बेंगलुरु निवासी माइकल फनार्डीज से कूरियर के जरिए नकली नोट मंगाए जाते थे। भुगतान क्यूआर कोड के माध्यम से ऑनलाइन किया जाता था, जबकि कुछ राशि नकद दी जाती थी। पुलिस अब गिरोह के फरार सदस्यों की तलाश में जुटी है और गिरफ्तार आरोपियों के आपराधिक इतिहास की भी जांच की जा रही है।

120 लीटर गंगाजल लाने के लिए शिवभक्तों का जत्था हरिद्वार रवाना, भक्तिमय माहौल में दी गई विदाई

नगीना/बिजनौर (शिखर समाचार)। सावन मास में भगवान शिव के प्रति आस्था और श्रद्धा का उत्साह चरम पर है। इसी क्रम में नगीना के मोहल्ला सरायवीर से सभासद बृजमोहन बिश्नोई के पुत्र लवी बिश्नोई के नेतृत्व में शिवभक्तों का एक जत्था गुरुवार को हरिद्वार के लिए रवाना हुआ। यह जत्था हरिद्वार से कांवड़ में 120 लीटर पवित्र गंगाजल लेकर लौटेगा, जिससे नगीना में भगवान शिव का विधि-विधान के साथ जलाभिषेक किया जाएगा। शिवभक्तों के प्रस्थान के अवसर पर क्षेत्र में धार्मिक उल्लास का माहौल देखने को मिला। ढोल-नगाड़ों और भक्तिमय संगीत की धुनों पर श्रद्धालु झूमते नजर आए। सैकड़ों की संख्या में मौजूद लोगों ने शिवभक्तों पर पुष्पवर्षा कर उनका स्वागत किया और मालाएं पहनाकर मंगलमय यात्रा की शुभकामनाएं दीं। पूरा क्षेत्र "हर-हर महादेव" और "बोल बम" के जयघोष से गूंज उठा, जिससे वातावरण पूरी तरह शिवमय हो गया। यात्रा पर रवाना होने से पहले परिजनों ने लवी बिश्नोई और उनके साथियों का तिलक कर आशीर्वाद दिया तथा सुरक्षित यात्रा की कामना की। विदाई समारोह में उज्ज्वल चंद्रा, अभिषेक बिश्नोई, नानू वर्मा, मन्नू बिश्नोई, मोहन बिश्नोई, राजवीर बिश्नोई, सभासद मनोज टंडन, मनी बिश्नोई, मनदीप सेठी, निशांत बिश्नोई, आकाश सैनी, सागर बिश्नोई, हर्ष शर्मा, बबलू सैनी, पप्पू सैनी सहित बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक और शिवभक्त उपस्थित रहे। सभी ने भगवान शिव से यात्रा की सफलता और क्षेत्र की सुख-समृद्धि की प्रार्थना की।

राष्ट्रीय शिखर
खबरों की स्वतंत्रता
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

आवश्यकता है

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गाजियाबाद से प्रकाशित राष्ट्रीय हिंदी दैनिक समाचार पत्र को आवश्यकता है दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद व पश्चिमी उत्तर प्रदेश के प्रत्येक जिले और तहसीलों में संवाददाताओं और विज्ञापन प्रतिनिधियों की आकर्षक कमीशन, आवेदन पत्र के साथ मिले या संपर्क करें:-

राष्ट्रीय शिखर संपादकीय सिटी कार्यालय :-
64 नवयुग मार्केट,फर्स्ट फ्लोर, गाजियाबाद।
rashtriyashikhar@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

साहित्यकार अखिलेश की दो किताबों का हुआ लोकार्पण

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान के निराला सभागार में बुधवार को समावेशी साहित्य संस्थान के स्थापना दिवस पर साहित्यकार व पुलिस महानिरीक्षक अखिलेश निगम अखिल की दो किताबों का लोकार्पण हुआ। मुख्य अतिथि पुलिस महानिदेशक विनोद कुमार सिंह, कार्यक्रम अध्यक्ष

और वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. दिनेश चंद्र अवस्थी, विशिष्ट अतिथि आईपीएस आशुतोष कुमार और वाईपी सिंह आदि अतिथियों ने डॉ. अखिलेश के कहानी संग्रह अपने-अपने तर्क और समीक्षा ग्रंथ अखिल का साहित्य : मनन एवं मूल्यांकन का लोकार्पण किया। यहां समावेशी साहित्य संस्थान के लोगो का भी लोकार्पण किया गया। हिंदी संस्थान की प्रधान संपादक डॉ. अमिता दुबे ने कहा कि संग्रह की कहानियों में सामाजिक समस्याओं और मानवीय मूल्यों को प्रभावी ढंग से उकेरा गया है। कार्यक्रम में समावेशी साहित्य संस्थान के महामंत्री उमेश कुमार प्रजापति अलख, हिमांशु सक्सेना अर्श लखनवी, शिवमंगल सिंह मंगल सहित बड़ी संख्या में साहित्यकार और साहित्य प्रेमी मौजूद रहे।

तीज में दिखी सावन की खूबसूरत झलक

लखनऊ, एजेंसी। राजभवन कॉलोनी स्थित सीएसआई में बुधवार को जुडेशरी रंगोली क्लब ने हरियाली तीज का आयोजन किया। इस अवसर पर क्लब की महिला सदस्यों ने सावन के मनमोहक गीतों

पर अपनी प्रस्तुतियां दीं। सभी महिलाओं ने पारंपरिक परिधानों में सजकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। उन्होंने सजे हुए झूले का भी भरपूर आनंद लिया। इस अवसर पर सचिव गजाला फारूक, ममता, शोभा, मालती, नसरीन, आराधना, अर्चना, इंदु, माधुलिका, अनिता, चंद्रा माला आदि महिलाएं मौजूद रहीं।

छात्र हासिल कर सकेंगे इंडस्ट्री का व्यावहारिक कौशल

कानपुर, एजेंसी। ।छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट ने एमबीए इन फाइनेंशियल सर्विसेज प्रोग्राम की शुरुआत की है। यह इंडस्ट्री की जरूरतों के अनुरूप डिजाइन किया गया है, जिससे छात्र न केवल सैद्धांतिक ज्ञान बल्कि व्यावहारिक कौशल भी हासिल कर सकेंगे। कोर्स फाइनेंशियल एजुकेशन संस्था फिनिक्स के सहयोग से संचालित हो रहा है, जिसका उद्देश्य अकादमिक शिक्षा और इंडस्ट्री की वास्तविक जरूरतों के बीच की दूरी को कम करना है। निदेशक प्रो. सुधांशु पांड्या ने कहा कि यह प्रोग्राम बैंकिंग, इंश्योरेंस, वेल्थ मैनेजमेंट, फिनटेक और फाइनेंशियल एनालिटिक्स जैसे क्षेत्रों में करियर बनाने के लिए छात्रों को तैयार करता है। वर्तमान सत्र के लिए प्रवेश प्रक्रिया अंतिम चरण में है और अब केवल कुछ सीटें ही शेष हैं।

करंट की चपेट में आकर लाइनमैन की मौत

कानपुर, एजेंसी। चित्रकूट जिले में कोतवाली कर्वी क्षेत्र अंतर्गत चौकी शिवरामपुर स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में बिजली मरम्मत के दौरान एक प्राइवेट लाइनमैन करंट की चपेट में आ गया, जिससे उसकी मौत हो गई। बहिल पुरवा थाना क्षेत्र के केलहा

गांव निवासी प्रमोद कुमार प्रजापति को सीएचसी शिवरामपुर के कर्मचारियों ने रात में अस्पताल परिसर में बिजली रिपेयर का कार्य करने के लिए बुलाया गया था। कार्य के दौरान अचानक करंट की चपेट में आने से वह गंभीर रूप से झुलस गया। मौके पर मौजूद लोगों ने उसे बचाने का प्रयास किया, लेकिन उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही चौकी प्रभारी शिवरामपुर शनि चतुर्वेदी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर विधिक कार्रवाई शुरू कर दी। घटना के बाद सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र परिसर में शोक का माहौल व्याप्त हो गया।

सरकार चाहती थी अनुपूरक बजट पर चर्चा

सपा दोहराती रही चढ़ावा चोरी पर बहस की मांग; धुल गया सत्र

लखनऊ, एजेंसी। मानसून सत्र के दौरान विपक्ष के हंगामे की वजह से विधानसभा की कार्यवाही तीन दिन में महज पौने तीन घंटे की संचालित हो पाई। सत्र के दौरान सदन की कुल तीन बैठकें हुईं। कुल 5 घंटे 32 मिनट की कार्यवाही में 2 घंटे 49 मिनट का स्थगन रहा, जबकि 2 घंटे 43 मिनट तक सदन की कार्यवाही संचालित हुई। इस दौरान विभिन्न विधायी, संसदीय एवं अन्य जरूरी कार्य संपन्न हुए।

तीन दिवसीय सत्र में विभिन्न विभागों से संबंधित कुल 12 महत्वपूर्ण विधेयकों को पारित किया गया। इनमें राजस्व संहिता (संशोधन) विधेयक, लोक सेवा (अधिकरण) (संशोधन) विधेयक, राजस्व संहिता (द्वितीय संशोधन) विधेयक, दंड विधि (अपराधों का शमन और विचारणों का उपशमन) विधेयक, निजी विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक, निजी विश्वविद्यालय (द्वितीय संशोधन) विधेयक, उप्र निजी विश्वविद्यालय (तृतीय संशोधन) विधेयक, उप्र निजी विश्वविद्यालय (चतुर्थ संशोधन) विधेयक, रजिस्ट्रीकरण (उप्र संशोधन) विधेयक, भारतीय स्टाम्प (उप्र संशोधन) विधेयक, उप्र वानिकी और औद्यानिकी विश्वविद्यालय विधेयक तथा उप्र विनियोग (2026-27 का अनुपूरक) विधेयक शामिल हैं। वहीं विधानसभा सचिवालय की याचिका समिति को कुल 435 याचिकाएं प्राप्त हुईं। साथ ही कुल 2,427 प्रश्न प्राप्त हुए, जिनमें 490 तारांकित तथा 1,466 अतारांकित प्रश्न स्वीकार किए गए। इनमें से 120 तारांकित एवं 838 अतारांकित प्रश्नों के उत्तर शासन द्वारा उपलब्ध कराए गए। 95.67 प्रतिशत प्रश्न ऑनलाइन माध्यम से प्राप्त हुए तथा उनके उत्तर भी डिजिटल माध्यम से उपलब्ध कराए गए, जिससे विधानसभा की ई-विधान प्रणाली एवं डिजिटल संसदीय व्यवस्था को और अधिक मजबूती मिली।

विधानमंडल के मानसून सत्र के दौरान सपा के भारी हंगामे के चलते निर्धारित तिथि से एक दिन पहले ही सदन की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित होने के लिए मुख्यमंत्री योगी

आदित्यनाथ ने सपा को कठघरे में खड़ा किया है। उन्होंने कहा कि विधानसभा सत्र के दौरान सपा सदस्यों के रवैया ने उनके दलित-पिछड़ा, युवा, किसान, गरीब व महिला विरोधी चेहरे को एक बार फिर उजागर किया है। सपा ने इन तबकों के साथ भारी अन्याय किया है। उन्होंने कहा कि सपा के नकारात्मक रवैये के कारण अनुपूरक बजट की जन-कल्याणकारी योजनाओं पर चर्चा नहीं हो पाई। सीएम ने कहा कि सपा ने इस सदन को नहीं, बल्कि दलितों-पिछड़ों, युवाओं, किसानों, महिलाओं व गरीबों के अवसर बाधित करने का काम किया है। बुधवार को सदन की कार्यवाही स्थगित होने के बाद विधानभवन में मुख्यमंत्री पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने सपा पर निशाना साधते हुए कहा कि उनका असली चरित्र ही दलित, पिछड़ा, युवा, गरीब, किसान, महिला विरोधी रहा है। सपा का चरित्र अलोकतांत्रिक, असंवैधानिक, शर्मनाक व इन सभी तबकों के साथ अनर्थ करने वाला रहा है। सदन में सपा के व्यवहार की निंदा करते हुए सीएम ने प्रदेशवासियों को आश्वस्त भी किया कि सपा चाहे जितना अवरोध खड़ा करे, लेकिन डबल इंजन की सरकार पिछले सवा 9 वर्षों में जिस तरह से प्रत्येक वर्ग के हितों के लिए कार्य किया है, वह बिना रुके, डिगे, थके आगे बढ़ता रहेगा।

महापुरुषों का भी किया अपमान

सीएम ने कहा कि अनुपूरक मांगों में हम सामाजिक न्याय के पैरोकार रहे महापुरुष बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर, महर्षि वाल्मीकि, संत शिरोमणि रविदास, संत ज्योतिबा फुले, शाहूजी महाराज, लोकमाता अहिल्या बाई होल्कर आदि की मूर्तियों पर छाजन, पार्क, बाउंड्रीवाल के लिए हमने 407 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है। यह बजट पास न हो, इसलिए सपा ने सदन की कार्यवाही को बाधित किया। सपा के विरोध के बाद भी ये सभी कार्य आगे बढ़ेंगे और सामाजिक न्याय के पुरोधाओं को सम्मान मिलेगा।

105 करोड़ की ड्रेनेज परियोजना को मंजूरी

जलभराव से मिलेगी राहत

अलीगढ़, एजेंसी। बरसात के दौरान हर साल होने वाले जलभराव की समस्या से शहर को जल्द बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है। प्रदेश सरकार की अर्बन फ्लड (जल प्लावन) एवं स्टॉर्म वाटर ड्रेनेज योजना के तहत 105.28 करोड़ रुपये की लागत वाली ड्रेनेज परियोजना को राज्य स्तरीय शीर्ष समिति (एसएलएसी) ने मंजूरी दे दी है। अब मुख्यमंत्री की अंतिम स्वीकृति के बाद निर्माण कार्य शुरू कराया जाएगा।

परियोजना के तहत क्वार्सी चौराहे से जाफरी ड्रेन, एटा चुंगी मार्ग होते हुए बोनेरे नाले तक करीब 6.2 किलोमीटर लंबा आरसीसी (बरसाती) नाला बनाया जाएगा। इससे बारिश के पानी की वैज्ञानिक ढंग से और तेज निकासी सुनिश्चित होगी।

हाल ही में लखनऊ में मुख्य सचिव की अध्यक्षता में आयोजित एसएलएसी की बैठक में नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा ने अलीगढ़ के ड्रेनेज सिस्टम और जलभराव की समस्या पर विस्तृत प्रस्तुति दी थी। प्रस्तुति के आधार पर समिति ने परियोजना को स्वीकृति प्रदान की।

नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा ने बताया कि आरसीसी ड्रेन बनने से वर्षा जल की निकासी अधिक व्यवस्थित होगी। इसके साथ ही खुले नालों, अतिक्रमण और यातायात संबंधी समस्याओं में भी सुधार आएगा। उन्होंने कहा कि परियोजना पूरी होने के बाद सड़कों की गुणवत्ता लंबे समय तक बनी रहेगी।

बरसात के दौरान नागरिकों को आवागमन में होने वाली दिक्कतों से काफी हद तक राहत मिलेगी। उन्होंने कहा कि 105.28 करोड़ रुपये की इस परियोजना की स्वीकृति शहर के लिए बड़ी उपलब्धि है। मुख्यमंत्री की अंतिम मंजूरी मिलते ही निर्माण कार्य शुरू कराया जाएगा।

छात्रवृत्ति योजनाओं के सफल संचालन को लेकर कार्यशाला का आयोजन

गोरखपुर , एजेंसी। छात्रवृत्ति योजनाओं का लाभ पात्र विद्यार्थियों तक समय पर पहुंचाने और आवेदन प्रक्रिया को सुचारु बनाने के उद्देश्य से बुधवार को योगीराज बाबा गंभीरनाथ प्रेक्षागृह में डीएम की अध्यक्षता में पूर्वदशम एवं दशमोत्तर शिक्षण संस्थानों की बैठक व कार्यशाला आयोजित की गई। इसमें जनपद के लगभग 700 शिक्षण संस्थानों के प्रधानाचार्य, नोडल अधिकारी, कंप्यूटर ऑपरेटर तथा जन सेवा केंद्रों के संचालकों ने भाग लिया।

बैठक की शुरुआत करते हुए हजिला समाज कल्याण अधिकारी ने छात्रवृत्ति योजना में इस वर्ष किए गए नए बदलावों की जानकारी दी और सभी शिक्षण संस्थानों से समयबद्ध तरीके से आवेदन प्रक्रिया पूरी कराने का आग्रह किया। इसके बाद जिला विद्यालय निरीक्षक ने सभी पूर्वदशम एवं दशमोत्तर शिक्षण संस्थानों को अपने संस्थान की प्रोफाइल समय से अपडेट करने के निर्देश दिए, ताकि विद्यार्थियों के आवेदन में किसी प्रकार की समस्या न आए।

कार्यशाला में छात्रवृत्ति की समय-सारणी, आवेदन प्रक्रिया और नई व्यवस्थाओं की विस्तार से जानकारी दी गई। साथ ही उपस्थित प्रधानाचार्यों, नोडल अधिकारियों और कंप्यूटर ऑपरेटरों की ओर से पूछे गए प्रश्नों का समाधान भी किया गया। जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी ने राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल से जुड़े शिक्षण संस्थानों को राष्ट्रीय छात्रवृत्ति तथा राज्य सरकार की छात्रवृत्ति योजनाओं के संबंध में विस्तार से जानकारी दी।

उन्होंने पिछले वर्ष सामने आई तकनीकी और प्रक्रियागत समस्याओं का उल्लेख करते हुए उन्हें दूर करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। अंत में जिला समाज कल्याण अधिकारी ने सभी प्रतिभागियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सभी शिक्षण संस्थान निर्धारित समय के भीतर अपनी जिम्मेदारियां पूरी करें, ताकि पात्र विद्यार्थियों को बिना किसी परेशानी के छात्रवृत्ति का लाभ मिल सके।

50 स्क्वायर फीट के केबिन, 500 रुपये घंटा किराया

प्यार के नाम पर गंदा काम

आगरा, एजेंसी। आगरा के सदर थाना क्षेत्र के नंद प्लाजा में कैफे और मिनी सिनेमा सेंटरों की पूरी मंडी सजी हुई थी। यहां युवक-युवतियां कॉफी और मूवी देखने के बहाने आते थे। बिना आईडी के उन्हें अश्लीलता के लिए अंधेरे केबिन उपलब्ध करा दिए जाते थे। आरोप है कि थाने की पुलिस इस गोरखधंधे पर आंखें बंद किए थी। स्थानीय खुफिया इकाई (एलआईयू) की सूचना पर बुधवार को गठित टीम ने छापा मारकर केबिनों में 11 जोड़े पकड़े। तीन संचालक भी गिरफ्तार किए गए। सभी प्रतिष्ठानों को सील कर दिया गया है।

एसीपी एलआईयू ने पुलिस आयुक्त दीपक कुमार को इस गोरखधंधे की जानकारी दी थी। एडीसीपी ट्रैफिक अलका सिंह के नेतृत्व में एसीपी ताजगंज, एसीपी एलआईयू व पुलिसकर्मियों की टीम बनाई गई। अधिकारियों ने मामले में गोपनीयता बनाए रखी। थाना सदर और संबंधित एसीपी को छापे की कोई जानकारी नहीं दी गई। दोपहर एक बजे ट्रैवलर में बिठाकर फोर्स को नंद प्लाजा पहुंचाया गया। एक साथ चार कैफे और तीन मिनी सिनेमा सेंटर में छापा मारा गया। महिला पुलिसकर्मी भी साथ रखी गईं।

अंदर का हाल देख पुलिसकर्मियों के होश उड़ गए। प्लाई बोर्ड से छोटे-छोटे केबिन बने हुए थे। 500 रुपये में एक घंटे के लिए केबिन दिया जा रहा था। एक

सैंडविच और 20 रुपये वाली कोल्डड्रिंक मुफ्त थी। केबिन में एसी के साथ बेडनुमा सोफे थे। रोशनी के नाम पर जीरो वाट के रंगीन बल्ब थे।

केबिनों में अंदर से कुंडी लगी थी। पुलिस को कई आपत्तिजनक सामान मिले। पकड़े जाने पर केबिन में बैठे युवक-युवतियां बाहर नहीं निकल रहे थे। युवतियां रो रही थीं। पुलिस ने उन्हें समझाकर केबिन से निकाला।

युवतियों ने रो-रोकर बताई बातें

पुलिस की पूछताछ में युवक-युवतियों ने बताया कि कैफे और मिनी सिनेमा सेंटर मिलने के लिए काफी उपयुक्त रहते हैं। कोई परिचित मिल जाए तो चाय-कॉफी पीने आने का बहाना हो जाता है। रुपये देने के बाद कोई आईडी नहीं देनी होती और केबिन मिल जाते थे। वहीं पार्क और होटलों में किसी के देख लेने या पुलिस के छापे का डर रहता है। उन्हें पता नहीं था कि यहां भी पुलिस पहुंच जाएगी। पकड़े जाने पर कोई कपल अपनी शादी तय होने के बाद मिलने आने की बात कह रहा था। कोई घर से बिना बताए आने की बात कहकर माफी मांग रहा था। कई तो घर से कॉलेज, कोचिंग, शॉपिंग का बहाना बनाकर आई थीं। सभी रो-रोकर पुलिसकर्मियों से घर पर सूचना नहीं देने की गुहार लगा रही थीं।

जिनकी सैलरी है 25 हजार रुपये, उन्हें भी मिलेगी पेंशन, सरकार बदलने जा रही 10 साल पुराना नियम

आगरा, एजेंसी। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) की कर्मचारी पेंशन योजना (ईपीएस) के तहत नौकरीपेशा लोगों के लिए न्यूनतम पेंशन एक हजार रुपये प्रति महीना तय है। पेंशनभोगी संगठन इसे बढ़ाकर 7500 रुपये प्रति माह करने की मांग कर रहे हैं। सरकार इस पर विचार कर रही है। इसके साथ ही, वित्त मंत्रालय ने कर्मचारी भविष्य निधि (ईपीएफ) और कर्मचारी पेंशन योजना (ईपीएस) के तहत पेंशन गणना की अनिवार्य कवरेज की सीमा को 15000 रुपये से बढ़ाकर 25000 रुपये के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है।

केंद्रीय कैबिनेट से मंजूरी के बाद सरकार इसे एक अप्रैल 2027 से लागू कर सकती है। यानि 15001 रुपये से 25000 रुपये वेतन वाले सभी नौकरीपेशा कर्मचारियों को पेंशन उनकी बेसिक और डीए की कटौती के आधार पर मिलेगा। सरकार की इस सामाजिक सुरक्षा योजना में कंपनियों में पारदर्शिता लाने और स्टार्टअप को दायरे में शामिल करने जैसे महत्वपूर्ण बदलावों पर भी ध्यान दिया जा रहा है। यदि कैबिनेट वेतन सीमा में वृद्धि को मंजूरी देती है, तो भविष्य में कर्मचारियों की पेंशन राशि में बड़ी बढ़ोतरी हो सकती है।

न्यूनतम पेंशन और मांग

वर्तमान में, सरकार ने साल 2014 से न्यूनतम पेंशन एक हजार रुपये प्रति माह निर्धारित की है। नए ईपीएस नियमों में भी यह सीमा फिलहाल वैसी ही बनी हुई है। हालांकि, पेंशनभोगी संगठनों और राष्ट्रीय संघर्ष समिति (एनएसी) द्वारा लगातार मांग की जा रही है। वे न्यूनतम पेंशन को बढ़ाकर 7500 रुपये प्रति माह करने की मांग कर रहे हैं।

EPFO
Employees Provident Fund Organisation

इसे महंगाई भत्ते से जोड़ने की भी मांग है। संसद में सरकार की ओर से अभी इस वृद्धि पर कोई अंतिम आधिकारिक मंजूरी नहीं मिली है।

पेंशन गणना का गणित- पेंशन की सटीक राशि कर्मचारी की सेवा अवधि और उसके मूल वेतन तथा महंगाई भत्ते पर निर्भर करती है। ईपीएफओ का आधिकारिक फॉर्मूला इस प्रकार है-(सेवा अवधि × (60 × मूल वेतन + महंगाई भत्ता))/70। वर्तमान नियमों के अनुसार, पेंशन की गणना के लिए अधिकतम वेतन सीमा 15,000 रुपये प्रति माह पर सीमित है। इसका अर्थ है कि यदि किसी का मूल वेतन और महंगाई भत्ता 50,000 रुपये भी है, तो भी पेंशन गणना के लिए इसे 15,000 रुपये ही माना जाएगा। यह नियम तब तक लागू है जब तक कर्मचारी ने उच्च पेंशन का विकल्प न चुना हो।

बच्चों के विवाद ने लिया खूनी रूप, भतीजे पर ताऊ की हत्या और बेटे को घायल करने का आरोप

बिजनौर (शिखर समाचार)। धामपुर थाना क्षेत्र के ग्राम नींदडू में गुरुवार सुबह बच्चों के बीच हुए मामूली विवाद ने खूनी संघर्ष का रूप ले लिया। आरोप है कि विवाद से नाराज एक युवक अपने भाइयों के साथ सगे ताऊ के घर पहुंचा और ताऊ तथा उनके बेटे पर धारदार हथियार से हमला कर दिया। हमले में 61 वर्षीय इकबाल की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उनका पुत्र बिलाल गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद गांव में तनाव का माहौल है और परिजनों में शोक व्याप्त है।

पुलिस के अनुसार, सुबह करीब सात बजे बच्चों के बीच कहासुनी हुई थी। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों के बीच विवाद बढ़ गया। आरोप है कि अरमान अपने भाइयों के साथ इकबाल के घर पहुंचा, जहां कहासुनी के बाद दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए। इसी दौरान इकबाल और उनके पुत्र बिलाल पर धारदार हथियार से हमला कर दिया गया। गंभीर चोटों के कारण इकबाल ने मौके पर ही दम तोड़ दिया, जबकि घायल बिलाल को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है। घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए।

सूचना मिलते ही पुलिस क्षेत्राधिकारी अंजनी कुमार चतुर्वेदी सहित पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस का कहना है कि परिजनों की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई की जा रही है। फरार आरोपियों की तलाश के लिए पुलिस की कई टीमें गठित कर संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

शुरू होने के 22वें दिन लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे से टोल स्थगित, 4200 करोड़ के प्रोजेक्ट में मिलीं खामियां

लखनऊ, एजेंसी। लखनऊ कानपुर एक्सप्रेसवे पर अब यात्रियों को टोल नहीं देना पड़ेगा। घटिया सड़क निर्माण के चलते मरम्मत कार्य कराया जा रहा है। इसके पूरा होने तक टोल फ्री रहेगा। इतना ही नहीं एनएचएआई के प्रोजेक्ट डायरेक्टर नकुल प्रकाश वर्मा को हटा दिया गया है तथा पूर्व परियोजना निदेशक सौरभ चौरसिया को चार्जशीट दी गई है। निर्माण एजेंसी पीएनसी इंफ्राटेक लिमिटेड को अयोग्य घोषित कर दिया गया। थीम इंजीनियरिंग सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड को डिबारमेंट नोटिस जारी किया गया है।

दरअसल, बीती 13 जुलाई को लखनऊ कानपुर एक्सप्रेस का उद्घाटन हुआ। 63 किलोमीटर लंबे एक्सप्रेसवे को बनाने पर नेशनल हाइवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया एनएचएआई ने 42 सौ करोड़ रुपये से अधिक खर्च किए। खास बात यह है कि

एक्सप्रेसवे पर एक तरफ का टोल 275 रुपये प्रति चार पहिया वाहन है। जोकि देश में सबसे महंगा है। पिछले बीस दिनों में एक्सप्रेसवे पर पांच जगहों पर सड़क धंस चुकी है। इससे एनएचएआई के साथ-साथ सरकार की भी किरकिरी हो रही थी।

इसे लेकर बुधवार को गोमतीनगर स्थित एनएचएआई की लखनऊ यूनिट में प्रेसवार्ता आयोजित की गई। एनएचएआई के क्षेत्रीय अधिकारी गौतम विशाल ने बताया कि प्रोजेक्ट डायरेक्टर नकुल प्रकाश वर्मा को लापरवाही के चलते हटाया गया है। उनकी जगह बरेली के प्रोजेक्ट डायरेक्टर नवरतन को लखनऊ की जिम्मेदारी सौंपी गई है। नकुल को मुख्यालय भेज दिया गया है। इसके अलावा एनएचएआई के पूर्व परियोजना निदेशक सौरभ चौरसिया को चार्जशीट दी गई है। इनके कार्यकाल के दौरान ही एक्सप्रेसवे का अधिकांश निर्माण कार्य हुआ था।

सड़क धंसने के मामले में इससे पूर्व निर्माण एजेंसी के प्रोजेक्ट मैनेजर विवेक कुमार गुप्ता, स्वतंत्र अभियंता के टीम लीडर सुरेंद्र कुमार तथा रेजिडेंट इंजीनियर यतेंद्र कुमार को परियोजना से हटाया गया। उन्हें दो साल के लिए सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय(मोर्थ), एनएचएआई तथा नेशनल हाईवेज एंड इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड(एनएचआईडीसीएल) की किसी भी परियोजना में भाग लेने से प्रतिबंधित कर दिया गया है।

कानपुर-लखनऊ एक्सप्रेसवे के क्षतिग्रस्त हिस्से की मरम्मत हो रही है।

पथिक स्टेडियम आमजन के लिए फिर खुलेगा, 210 रुपये वार्षिक शुल्क पर मिलेगी खेल प्रशिक्षण सुविधा

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। जनपद में खेल गतिविधियों को नई गति देने और खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से गुरुवार को जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जिला खेल विकास एवं प्रोत्साहन समिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक में महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए लंबे समय से बंद पड़े ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के शहीद विजय सिंह पथिक स्टेडियम को आवश्यक आधारभूत सुविधाएं विकसित कर आमजन के लिए पुनः संचालित करने का फैसला लिया गया। साथ ही स्टेडियम में फुटबॉल, बास्केटबॉल, वॉलीबॉल, स्क्वैश,

टेबल टेनिस, क्रिकेट, स्केटिंग और शतरंज सहित विभिन्न खेलों के प्रशिक्षण शिविर संचालित किए जाएंगे।

बैठक में तय किया गया कि 18 वर्ष तक के खिलाड़ियों के लिए स्टेडियम की वार्षिक सदस्यता शुल्क मात्र 210 रुपये होगी, जबकि 18 वर्ष से अधिक आयु के खिलाड़ियों के लिए प्रथम माह 310 रुपये तथा उसके

बाद प्रतिमाह 200 रुपये शुल्क लिया जाएगा। जिलाधिकारी ने कहा कि ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण द्वारा खेल गतिविधियों का संचालन शुरू होने तक जिला खेल विकास एवं प्रोत्साहन समिति इन प्रशिक्षण शिविरों का संचालन करेगी, ताकि आर्थिक रूप से कमजोर और प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण मिल सके।

जिलाधिकारी ने जिला विद्यालय निरीक्षक को निर्देश दिए कि सरकारी विद्यालयों के छात्र-छात्राओं का रोस्टर तैयार कर उन्हें नियमित रूप से स्टेडियम में प्रशिक्षण दिलाया जाए। साथ ही समय-समय पर राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों के संवाद कार्यक्रम आयोजित कर युवाओं को प्रेरित किया जाए। बैठक में स्टेडियम और मलकपुर स्पोर्ट्स स्टेडियम में विभिन्न निर्माण एवं मरम्मत कार्यों, खेल मैदानों के विकास, जिम सुविधाओं के विस्तार तथा जल निकासी सहित अन्य प्रस्तावों को भी सर्वसम्मति से स्वीकृति प्रदान की गई।

11 से 13 अगस्त तक इंडिया एक्सपो मार्ट में होगा इंडिया बायोएनर्जी एंड टेक एक्सपो, तैयारियों को लेकर जिलाधिकारी ने दिए निर्देश

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। ग्रेटर नोएडा स्थित इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट में 11 से 13 अगस्त तक आयोजित होने वाले इंडिया बायोएनर्जी एंड टेक एक्सपो-2026 तथा प्रस्तावित अति विशिष्ट अतिथियों के आगमन को लेकर गुरुवार को जिलाधिकारी की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में सुरक्षा, यातायात, पार्किंग, पेयजल, विद्युत, स्वच्छता, चिकित्सा, अग्निशमन, कानून-व्यवस्था और अतिथि प्रबंधन सहित सभी व्यवस्थाओं की विस्तार से समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि सभी तैयारियां निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूर्ण करते हुए आपसी समन्वय के साथ कार्य करें, ताकि आयोजन के दौरान किसी प्रकार की अव्यवस्था न हो।

बैठक में बताया गया कि तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में देश-विदेश के प्रतिनिधि, उद्योग विशेषज्ञ, निवेशक और नीति-निमार्ता शामिल होंगे। आयोजन के पहले दिन प्रदर्शनी का शुभारंभ और तकनीकी सत्र होंगे, जबकि दूसरे दिन मुख्य कार्यकारी अधिकारियों की गोलमेज बैठक, निवेश, ग्रीन हाइड्रोजन, संपीड़ित बायोगैस, एथेनॉल, बायोडीजल, सतत विमानन ईंधन, अपशिष्ट से ऊर्जा, बायोमास और कार्बन बाजार जैसे विषयों पर मंथन किया जाएगा। समापन दिवस पर भविष्य की कार्ययोजना और निवेश साझेदारी पर चर्चा होगी।

बैठक में अधिकारियों ने बताया कि इस अंतरराष्ट्रीय आयोजन में 25 से अधिक सम्मेलन सत्र, 120 से अधिक राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय वक्ता, 150 से अधिक प्रदर्शक, एक हजार से अधिक प्रतिनिधि तथा 15 हजार से अधिक व्यावसायिक आगंतुकों के शामिल होने की संभावना है। जिलाधिकारी ने सभी विभागों को आयोजन के दौरान सुरक्षा और व्यवस्थाओं में किसी प्रकार की कमी न रहने देने के निर्देश दिए।

बम भोले के जयकारों से गूंजा मुरादनगर, कांवड़ियों की सेवा में दिन रात जुटे स्वयंसेवक

मुरादनगर (शिखर समाचार)। सावन माह और कांवड़ यात्रा के उत्साह के बीच मुरादनगर का वातावरण इन दिनों बम भोले के जयकारों से गूंज रहा है। दिल्ली मेरठ रोड, गंग नहर मार्ग और पाइपलाइन रोड से गुजर रहे हजारों शिवभक्तों की सेवा के लिए विभिन्न सामाजिक और धार्मिक संगठन पूरे समर्पण के साथ जुटे हुए हैं। अखिल भारतीय परशुराम सेवा दल एवं अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा के कार्यकताओं ने गुरुवार को विभिन्न सेवा शिविरों में पहुंचकर कांवड़ियों को फल वितरित किए तथा जरूरतमंद श्रद्धालुओं को प्राथमिक उपचार और दवाइयों की सुविधा उपलब्ध कराई।

सिहानी, मोरटा, दुहाई, सैंथली, गंग नहर, डिडौली, शहजादपुर, पाइपलाइन रोड, मकरेरा, बहादरपुर, शमशेर, फर्रुखनगर और टीला मोड़ सहित विभिन्न स्थानों पर स्थापित सेवा शिविरों में कांवड़ियों के लिए भोजन, नाश्ता, चाय, पेयजल, विश्राम, स्नान और शौचालय जैसी आवश्यक व्यवस्थाएं की गई हैं। हरियाणा, राजस्थान सहित कई राज्यों से आए श्रद्धालु भगवान शिव के जयकारों के साथ अपने गंतव्य की ओर बढ़ रहे हैं।

परशुराम सेवा दल के अध्यक्ष विनोद कुमार मिश्रा और राकेश शर्मा ने बताया कि संगठन की चार टीमें 10 अगस्त तक लगातार दिल्ली मेरठ रोड और पाइपलाइन रोड पर सेवा कार्य में लगी रहेंगी। उधर, गंग नहर क्षेत्र में पुलिस और प्रशासन ने सुरक्षा के व्यापक प्रबंध किए हैं। कांवड़ियों ने सुरक्षा व्यवस्था की सराहना करते हुए पुलिस और प्रशासन का आभार व्यक्त किया। मार्ग पर आकर्षक

कांवड़ और मनमोहक झांकियां भी श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र बनी हुई हैं। सेवा कार्य में ओमपाल शर्मा, सोमदत्त शर्मा, यतिदेव शर्मा, यश शर्मा, प्रेमचंद शास्त्री, प्रमोद कौशिक, कर्मवीर शर्मा, अशोक शर्मा, शिवनंदन शर्मा, ओंकार दत्त शर्मा, राकेश शर्मा, आकाश मिश्रा सहित अनेक स्वयंसेवकों ने सक्रिय योगदान दिया।

बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का डीएम ने किया निरीक्षण, ग्रामीणों को बांध निर्माण का दिया भरोसा

बिजनौर (शिखर समाचार)। जिलाधिकारी जसजीत कौर ने गुरुवार को ब्लॉक जलीलपुर के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का स्थलीय निरीक्षण कर हालात का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने चांदपुर से हस्तिनापुर तक बाढ़ से प्रभावित एवं क्षतिग्रस्त मार्ग का निरीक्षण किया तथा पांडव नगर चौकी, जलालपुर खादर, रायपुर खादर और खानपुर दमाल गांव पहुंचकर स्थानीय ग्रामीणों से संवाद स्थापित किया। ग्रामीणों ने उन्हें क्षेत्र की समस्याओं से अवगत कराया और बाढ़ से स्थायी राहत के लिए लगभग 11 किलोमीटर लंबे बांध के निर्माण की मांग रखी। जिलाधिकारी ने ग्रामीणों को आश्वस्त किया कि उनकी मांग को शासन स्तर पर प्रभावी ढंग से रखा जाएगा और सभी आवश्यक औपचारिकताएं पूरी कराकर बांध निर्माण कार्य शीघ्र शुरू कराने का प्रयास किया जाएगा। निरीक्षण के दौरान क्षेत्र में फिलहाल बाढ़ जैसी कोई गंभीर स्थिति नहीं मिली, फिर भी उन्होंने ग्रामीणों को सतर्क रहने और किसी भी आपात स्थिति की सूचना तत्काल प्रशासन को देने की सलाह दी। लोक निर्माण विभाग (प्रांतीय खंड), मेरठ के सहायक अभियंता ने जिलाधिकारी को बताया कि चांदपुर-हस्तिनापुर मार्ग पर वर्षा और बाढ़ के पानी की समुचित निकासी के लिए 14 पुलियों तथा गाइड बांध के निर्माण का प्रस्ताव तैयार किया गया है। इसके लिए संशोधित लागत प्रस्ताव शासन को स्वीकृति के लिए भेजा जा चुका है। स्वीकृति मिलते ही निर्माण कार्य प्राथमिकता के आधार पर शुरू कराया जाएगा। निरीक्षण के दौरान उपजिलाधिकारी चांदपुर, तहसीलदार चांदपुर, लोक निर्माण विभाग के अधिकारी तथा संबंधित विभागों के कर्मचारी उपस्थित रहे।

हवन-यज्ञ के साथ विशाल कांवड़ सेवा शिविर का शुभारंभ, 10 अगस्त तक शिवभक्तों को मिलेंगी नि:शुल्क सुविधाएं

शामली (शिखर समाचार)। सर्व समाज कल्याण समिति एवं श्री नामदेव युवा जनकल्याण समिति के संयुक्त तत्वावधान में गुरुवार को शामली तहसील के निकट श्री हनुमान मंदिर परिसर में विशाल कांवड़ सेवा शिविर का शुभारंभ वैदिक मंत्रोच्चार, हवन-यज्ञ एवं विधि-विधान के साथ किया गया। शिविर का उद्घाटन सदर विधायक प्रसन्न चौधरी, नगर पालिका अध्यक्ष अरविंद संगल तथा समाजसेवी हरबीर मलिक ने हवन में आहुति अर्पित करने के बाद फीता काटकर किया। शुभारंभ अवसर पर श्रद्धालुओं ने भगवान शिव की पूजा-अर्चना कर कांवड़ यात्रा के सफल एवं सकुशल संपन्न होने की कामना की।

पंडित विपिन भारद्वाज ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच हवन संपन्न कराया। शिविर संयोजक रजनीश नामदेव ने बताया कि 10 अगस्त तक संचालित होने वाले इस सेवा शिविर में कांवड़ यात्रियों के लिए भोजन, विश्राम, स्नान, प्राथमिक

चिकित्सा, पेयजल तथा अन्य आवश्यक सुविधाओं की निःशुल्क व्यवस्था की गई है। उन्होंने कहा कि शिवभक्तों की सेवा ही समिति का प्रमुख उद्देश्य है और यात्रा के दौरान किसी भी श्रद्धालु को असुविधा न हो, इसके लिए स्वयंसेवक चौबीसों घंटे सेवा में तैनात रहेंगे।

शिविर के शुभारंभ के बाद कांवड़ यात्रियों के लिए चाय-पकौड़ी के प्रसाद का भंडारा भी आयोजित किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर यशपाल पंवार, गिरधारी लाल नारंग, डॉ. पवन नामदेव, उत्तम नामदेव, रामकिशन नामदेव, मनुज कंबोज, बादल गौतम, सचिन जैन, दिनेश गहलोत, सूरज चौधरी, देवेंद्र धानिया, अजय संगल, मुकेश कुमार, मोहित, सुरेंद्र बंसल, अनुज सोनी, अर्पित गर्ग, अनुज नामदेव, नितिन गोयल सहित समिति के अनेक पदाधिकारी, सामाजिक कार्यकर्ता और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

विश्व स्तनपान सप्ताह: छह माह तक केवल माँ का दूध ही शिशु का सर्वोत्तम आहार : डीएम

शामली (शिखर समाचार)। विश्व स्तनपान सप्ताह के तहत गुरुवार को कलेक्ट्रेट स्थित राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र कक्ष में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से पोषण पाठशाला एवं आयुष्मान भारत विषयक कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला की अध्यक्षता जिलाधिकारी आलोक यादव ने की। इस दौरान मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य से जुड़े विभिन्न विषयों पर विशेषज्ञों ने जानकारी देते हुए जन्म के बाद छह माह तक शिशु को केवल माँ का दूध पिलाने की आवश्यकता पर विशेष बल दिया।

कार्यशाला में बताया गया कि राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के अनुसार अभी भी केवल 43 प्रतिशत नवजात शिशुओं को समय पर माँ का दूध मिल पाता है। विशेषज्ञों ने कहा कि जन्म के तुरंत बाद निकलने वाला पहला दूध (कोलोस्ट्रम) शिशु के लिए अमृत के समान होता है, जो उसकी रोग प्रतिरोधक क्षमता को

मजबूत बनाता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जन्म से छह माह तक शिशु को केवल माँ का दूध ही दिया जाना चाहिए। इस अवधि में शहद, जन्मघुट्टी अथवा अलग से पानी देने की आवश्यकता नहीं होती। छह माह बाद पूरक आहार शुरू करते हुए कम से कम दो वर्ष तक स्तनपान जारी रखने से बच्चों का शारीरिक और मानसिक विकास बेहतर होता है तथा कुपोषण की रोकथाम में भी सहायता मिलती है।

जिलाधिकारी आलोक यादव ने महिला एवं बाल विकास विभाग को निर्देश दिए कि सभी आंगनबाड़ी कार्यकर्त्रियां अपने-अपने क्षेत्रों में गर्भवती एवं धात्री महिलाओं को स्तनपान के महत्व और इसके स्वास्थ्य लाभों के प्रति जागरूक करें, ताकि प्रत्येक नवजात को जीवन की बेहतर शुरूआत मिल सके। कार्यक्रम में मुख्य विकास अधिकारी ब्रजेंद्र शुक्ला, जिला कार्यक्रम अधिकारी यामिनी रंजन, बाल विकास परियोजना अधिकारी अर्चना सिंह, बाबर खान, ममता खोखर, मुख्य सेविकाएं तथा आंगनबाड़ी कार्यकर्त्रियां उपस्थित रहीं।

लायनेस क्लब दोआब के तीज उत्सव में पारंपरिक रंग, ज्योति निर्वाल और सोनल तायल बनीं तीज क्वीन

शामली (शिखर समाचार)। लायनेस क्लब दोआब की ओर से तीज महोत्सव हर्षोल्लास और पारंपरिक उल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में क्लब की सदस्याओं ने भारतीय संस्कृति और परंपराओं की झलक प्रस्तुत करते हुए तीज पर्व को उत्साहपूर्वक मनाया। रंग-बिरंगे पारंपरिक परिधानों में सजी महिलाओं ने मेहंदी रचाई, तीज की रस्में निभाई और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से उत्सव को यादगार बना दिया। पूरे आयोजन के दौरान आनंद और उमंग का माहौल बना रहा।

कार्यक्रम का संचालन मीनू संगल ने किया। इस दौरान महिलाओं के लिए विभिन्न मनोरंजक खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिनमें विजेता प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया। संगीत की मधुर धुनों पर महिलाओं ने समूह नृत्य प्रस्तुत कर सभी का मन मोह

लिया। कार्यक्रम में पारंपरिक वेशभूषा, उत्साह और सहभागिता ने तीज पर्व की सांस्कृतिक गरिमा को जीवंत कर दिया।

उत्सव का मुख्य आकर्षण तीज क्वीन प्रतियोगिता रही, जिसमें ज्योति निर्वाल और सोनल तायल को संयुक्त रूप से तीज क्वीन चुना गया। दोनों को ताज पहनाकर एवं स्मृति उपहार भेंट कर सम्मानित किया गया। क्लब की अध्यक्ष रश्मि वर्मा ने कहा कि ऐसे आयोजन भारतीय संस्कृति, पारिवारिक मूल्यों और आपसी सौहार्द को बढ़ावा देने का माध्यम हैं। उन्होंने सभी सदस्याओं के सहयोग और उत्साह की सराहना करते हुए भविष्य में भी इसी तरह सामाजिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित करने की बात कही।

कार्यक्रम में सीमा निर्वाल, शिखा गोयल, सुनीता आर्य, सीमा गर्ग, मंजू मित्तल, अंजलि बंसल, भावना सैनी, कल्पना, श्वेता, मधु, उर्मिला, भावना सहित क्लब की अनेक सदस्याएं उपस्थित रहीं।

भाजपा मंडल की बैठक में तिरंगा यात्रा और संत रविदास जयंती कार्यक्रमों की रूपरेखा तय

शाहपुर/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। कस्बे के सरस्वती शिशु मंदिर में भारतीय जनता पार्टी मंडल शाहपुर की बैठक आयोजित की गई, जिसमें आगामी तिरंगा यात्रा तथा संत रविदास महाराज की 650वीं जयंती के आयोजन को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में पूर्व विधायक उमेश मलिक ने कार्यकताओं से राष्ट्रीय पर्वों और महापुरुषों की जयंती को जनभागीदारी के साथ मनाने का आह्वान किया। सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि 12 अगस्त को मंडल स्तर पर तिरंगा यात्रा पूरे उत्साह और देशभक्ति के माहौल में निकाली जाएगी। इसके साथ ही संत रविदास महाराज की 650वीं जयंती के अवसर पर कलश पूजन एवं भव्य कलश यात्रा का आयोजन भी किया जाएगा। बैठक को भूमि विकास बैंक बुढ़ाना के अध्यक्ष विनोद सैनी, पूर्व अध्यक्ष परमेश सैनी, मंडल अध्यक्ष मुनीश त्यागी, मंडल प्रभारी सतीश सैनी, श्यामपाल सिंघल, कुलदीप त्यागी और अरविंद त्यागी ने भी संबोधित किया। वक्ताओं ने कहा कि पार्टी के सभी कार्यकर्ता इन आयोजनों को सफल बनाने के लिए घर-घर संपर्क करेंगे और अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रम समाज में राष्ट्रीय एकता, सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक मूल्यों को मजबूत करने का माध्यम बनते हैं। बैठक में उमेश मित्तल, अतुल त्यागी, अरविंद पाल, राजेश गोयल, राजीव बालियान, रूबी सैनी, मंडल महामंत्री डॉ. नीटू सैनी, डॉ. अमितपाल, संजय सैनी, नंदकिशोर सैनी, कपिल, सावंत, हर्षित जैन सहित बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

खतौली में पहली बार शुरू हुआ पुलिस का कांवड़ सेवा शिविर, ड्यूटी के साथ शिवभक्तों की सेवा का भी लिया संकल्प

खतौली/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। कांवड़ यात्रा-2026 के दौरान जनसेवा की नई पहल करते हुए खतौली थाना पुलिस ने गुरुवार को अलकनंदा गंग नहर पुल परिसर में पहली बार "पुलिस कांवड़ सेवा शिविर" का शुभारंभ किया। हवन-पूजन एवं वैदिक मंत्रोच्चार के साथ शिविर का उद्घाटन हुआ। इस अवसर पर पुलिस अधिकारियों के साथ नगर पालिका और शहर के गणमान्य नागरिक भी मौजूद रहे। शिविर में कांवड़ यात्रियों के लिए भोजन, शीतल पेयजल तथा अन्य आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था की गई है, जिससे लंबी यात्रा पर निकले शिवभक्तों को राहत मिल सके। पुलिस अधीक्षक नगर अमृत जैन ने बताया कि खतौली थाना पुलिस कानून-व्यवस्था और सुरक्षा संबंधी जिम्मेदारियों का निर्वहन करने के साथ-साथ शिवभक्तों की सेवा को भी अपना दायित्व मानते हुए इस सेवा शिविर का संचालन कर रही है। उन्होंने कहा कि पुलिस का उद्देश्य श्रद्धालुओं को सुरक्षित, व्यवस्थित और सुविधाजनक वातावरण उपलब्ध कराना है। पहली बार लगाए गए इस पुलिस सेवा शिविर की स्थानीय लोगों ने भी सराहना की है। क्षेत्राधिकारी रुपाली रॉय और कोतवाली प्रभारी दिनेशचंद्र बघेल ने नगरवासियों एवं सामाजिक सहयोगियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जनता के सहयोग से ही इस सेवा कार्य को सफल बनाया जा सका है। उन्होंने कहा कि यह शिविर पुलिस और समाज के बीच बेहतर समन्वय का उदाहरण है। पूरे आयोजन के दौरान पुलिसकर्मी सेवाभाव से श्रद्धालुओं की सहायता करते रहे। यह सेवा शिविर कांवड़ यात्रा में सुरक्षा के साथ मानवीय संवेदनाओं और जनसेवा की भावना को भी सशक्त रूप से प्रदर्शित कर रहा है।

सावन और कांवड़ यात्रा के मद्देनजर रबूपुरा में पुलिस का फ्लैग मार्च, शांति व सौहार्द बनाए रखने की अपील

रबूपुरा (शिखर समाचार)। सावन माह, कांवड़ यात्रा और महाशिवरात्रि पर्व को शांतिपूर्ण एवं सुरक्षित वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से गुरुवार को रबूपुरा पुलिस ने कस्बे के प्रमुख मार्गों और बाजारों में व्यापक पैदल गश्त एवं फ्लैग मार्च निकाला। फ्लैग मार्च का नेतृत्व कोतवाली प्रभारी श्याम बाबू शुक्ल ने किया। इस दौरान पुलिस बल ने संवेदनशील स्थानों, धार्मिक स्थलों और भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों का निरीक्षण करते हुए लोगों से कानून-व्यवस्था बनाए रखने में प्रशासन का सहयोग करने की अपील की।

फ्लैग मार्च के दौरान पुलिस अधिकारियों ने सार्वजनिक स्थलों पर मीट, मछली और अंडे की बिक्री नहीं करने के निर्देश दिए। दुकानदारों को स्पष्ट रूप से अवगत कराया गया कि सावन माह के दौरान जारी प्रशासनिक दिशा-निर्देशों का पालन करना सभी के लिए अनिवार्य है। यदि कोई व्यक्ति या दुकानदार नियमों का उल्लंघन करता पाया गया तो उसके विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। कोतवाली प्रभारी श्याम बाबू शुक्ल ने कहा कि कांवड़ यात्रा और महाशिवरात्रि के दौरान क्षेत्र में शांति, सुरक्षा और सांप्रदायिक सौहार्द बनाए रखना पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने नागरिकों से अफवाहों पर ध्यान न देने, किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को देने तथा पर्व को आपसी भाईचारे और सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि पुलिस लगातार क्षेत्र में गश्त कर रही है और सुरक्षा व्यवस्था पर पूरी तरह सतर्क निगाह रखी जा रही है, ताकि श्रद्धालुओं और आमजन को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

नींद की झपकी बनी काल, सरियों से भरा ट्रक किराना दुकान में घुसा, दो घंटे की मशक्कत के बाद चालक को निकाला गया, अस्पताल में मौत

दादरी (शिखर समाचार)। बादलपुर कोतवाली क्षेत्र में जीटी रोड पर छपरौला गांव के समीप गुरुवार देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में सरियों से भरा ट्रक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे स्थित किराना दुकान में जा घुसा। हादसा इतना भीषण था कि ट्रक में लदी लोहे की सरियां केबिन को चीरते हुए अंदर तक घुस गईं और चालक उसमें बुरी तरह फंस गया। सूचना मिलते ही पुलिस और राहत दल मौके पर पहुंचे। करीब दो घंटे तक चले बचाव अभियान के दौरान हाइड्रा मशीन की मदद से ट्रक के केबिन को काटकर चालक को बाहर निकाला गया, लेकिन अस्पताल पहुंचने पर चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। कोतवाली प्रभारी विजय गुप्ता ने बताया कि कासगंज जनपद के बड़ापुरा गांव निवासी 25 वर्षीय नरेश कुमार ट्रक चालक था। वह सिकंदराबाद की ओर से सरियों से लदा ट्रक लेकर रोहतक जा रहा था। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि छपरौला गांव के पास चालक को नींद की झपकी आ गई, जिससे ट्रक अनियंत्रित होकर महेश किराना स्टोर में जा घुसा। टक्कर के दौरान ट्रक में लदी सरियां केबिन में घुस गईं और चालक गंभीर रूप से फंस गया। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने स्थानीय लोगों की सहायता से बचाव कार्य शुरू कराया। हाइड्रा मशीन बुलाकर केबिन को काटा गया और काफी मशक्कत के बाद चालक को बाहर निकाला गया। गंभीर हालत में उसे तत्काल अस्पताल भेजा गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने परिजनों को घटना की सूचना देकर शव का पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। हादसे के बाद कुछ समय तक जीटी रोड पर यातायात भी प्रभावित रहा।

संपादकीय

क्या बोलती पब्लिक और भारतीय लोकतंत्र में जनभागीदारी की नई चुनौती

भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत यह रही है कि यहां समय समय पर ऐसे जनआंदोलन और सामाजिक अभियान सामने आते रहे हैं, जिन्होंने सत्ता, विपक्ष और पूरे राजनीतिक विमर्श को जनता के वास्तविक मुद्दों की ओर देखने के लिए मजबूर किया है। आज जब देश तेजी से आर्थिक विकास, तकनीकी प्रगति और वैश्विक नेतृत्व की ओर बढ़ने का दावा कर रहा है, उसी समय युवाओं के सामने बेरोजगारी, महंगी शिक्षा, प्रतियोगी परीक्षाओं में अनियमितताएं और अवसरों की असमानता जैसे प्रश्न पहले से अधिक गंभीर रूप में खड़े हैं। ऐसे माहौल में कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके द्वारा सितंबर से देशभर में क्या बोलती पब्लिक अभियान शुरू करने की घोषणा स्वाभाविक रूप से राष्ट्रीय चर्चा का विषय बन गई है। यह अभियान केवल किसी एक राजनीतिक संगठन की गतिविधि नहीं, बल्कि उस व्यापक असंतोष और उम्मीद का प्रतीक है जो आज देश का युवा अपने भविष्य को लेकर महसूस कर रहा है। लोकतंत्र में जनता की आवाज को सुनना और उसे नीति निर्माण तक पहुंचाना हमेशा से एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया रही है। इसलिए इस अभियान को केवल राजनीतिक चश्मे से देखने के बजाय इसके पीछे मौजूद सामाजिक संदेश को समझने की आवश्यकता है।

पिछले कुछ वर्षों में प्रतियोगी परीक्षाओं को लेकर लगातार उठे विवादों ने लाखों युवाओं का भरोसा कमजोर किया है। कई परीक्षाएं रद्द हुईं, कई भर्ती प्रक्रियाएं वर्षों तक अधर में लटकी रहीं और अनेक राज्यों में पेपर लीक की घटनाओं ने मेहनत करने वाले विद्यार्थियों के मन में निराशा पैदा की। नीट परीक्षा से जुड़े विवाद ने इस असंतोष को राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा का विषय बना दिया। इसी मुद्दे को लेकर जंतर मंतर पर लगातार 36 दिनों तक चले धरने ने यह संदेश दिया कि अब युवा केवल सोशल मीडिया पर नाराजगी व्यक्त करने तक सीमित नहीं रहना चाहता, बल्कि वह संगठित होकर अपनी बात सरकार तक पहुंचाना चाहता है। आंदोलन समाप्त होने के बाद अब क्या बोलती पब्लिक अभियान के माध्यम से गांवों, कस्बों और शहरों में जाकर लोगों से सीधा संवाद करने की योजना इस बात का संकेत देती है कि संगठन केवल विरोध तक सीमित नहीं रहना चाहता, बल्कि जनसंपर्क के जरिए अपनी पहचान मजबूत करना चाहता है। यह भी सच है कि भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में केवल आंदोलन करना पर्याप्त नहीं होता। किसी भी अभियान की सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि वह समस्याओं के साथ साथ समाधान भी प्रस्तुत करे। बेरोजगारी आज केवल सरकारी नौकरियों की कमी का प्रश्न नहीं रह गया है। यह उद्योग, कृषि, सेवा क्षेत्र, तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास और निवेश जैसे अनेक क्षेत्रों से जुड़ा हुआ विषय है। यदि कोई संगठन इसे राष्ट्रीय मुद्दा बनाना चाहता है तो उसे यह भी बताना होगा कि रोजगार सृजन के लिए उसकी क्या सोच है, शिक्षा व्यवस्था में वह कौन से व्यावहारिक सुधार चाहता है और युवाओं को अवसर उपलब्ध कराने के लिए उसके पास क्या ठोस सुझाव हैं। केवल भावनात्मक भाषणों या नारों से देश की जटिल समस्याओं का समाधान संभव नहीं है। भारतीय राजनीति में अक्सर चुनावों के दौरान जाति, धर्म, क्षेत्र और व्यक्तिगत आरोप प्रत्यारोप अधिक चर्चा में रहते हैं, जबकि शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और शोध जैसे विषय पीछे छूट जाते हैं। यदि कोई नया अभियान इन मूलभूत विषयों को राष्ट्रीय बहस का केंद्र बनाने का प्रयास करता है तो इसे सकारात्मक संकेत माना जाना चाहिए। लोकतंत्र में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा केवल राजनीतिक दलों के बीच नहीं, बल्कि विचारों के बीच भी होती है।

~ मौलिक चिंतन ~

जिसकी वाणी में धर्म और आचरण में अधर्म हो, वह साधु कपटी होता है।

~~~~~~~~

©
विनय संकोची

आत्मनिर्भर भारत की असली पहचान है हथकरघा

दिलीप कुमार पाठक

आजकल हम जब भी कपड़े खरीदने की सोचते हैं, तो सीधे बड़े-बड़े मॉल या नामी ब्रांड्स के शोरूम की तरफ भागते हैं। लेकिन इस चकाचौंध में हम अपने ही देश के गाँवों में रची उस जादुई कला को भूल जाते हैं, जो सिर्फ हाथों के हुनर से कोरे धागों में जान फूंक देती है। हर साल सात अगस्त को मनाया जाने वाला राष्ट्रीय हथकरघा दिवस कोई सरकारी रस्म नहीं है। यह दिन हमारे देश के उन लाखों बुनकरों के टैलेंट और मेहनत को सलाम करने का मौका है, जो सदियों से भारत को अपनी कला से सजा रहे हैं। इस दिन का हमारी आजादी की लड़ाई से बहुत गहरा नाता है। जब अंग्रेजों ने हमारे देश को बांटने की कोशिश की, तो सात अगस्त के दिन ही कोलकाता से स्वदेशी आंदोलन की शुरूआत हुई थी। उस समय विदेशी कपड़ों को जलाकर अपने देश के हाथ से बने कपड़ों को अपनाना अंग्रेजों के खिलाफ सबसे बड़ा हथियार बना था। इसी ऐतिहासिक दिन को याद रखने के लिए सरकार ने करीब एक दशक पहले इस दिवस को मनाने का फैसला किया। तब से यह दिन सिर्फ इतिहास को याद करने का नहीं, बल्कि अपने गाँव की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने का जरिया बन गया है।

अगर देश की तरक्की की बात करें, तो यह हथकरघा उद्योग आज भी हमारे गाँवों की असली रीढ़ है। कपड़ा मंत्रालय का रिकॉर्ड बताता है कि खेती के बाद सबसे ज्यादा परिवारों का चूल्हा इसी काम से जलता है। इस काम की सबसे खूबसूरत बात यह है कि इसमें काम करने वाले कुल लोगों में तीन-चौथाई से भी ज्यादा महिलाएं हैं। इसका सीधा सा मतलब यह है कि जब आप खादी या हाथ से बुना हुआ कोई भी कपड़ा खरीदते हैं, तो आपकी जेब से निकला पैसा सीधे किसी सुदूर गाँव में बैठी महिला को आत्मनिर्भर बनाता है। आज पूरी दुनिया में भारतीय हथकरघा अपनी पहिचान बना रहा है।

हाल के बरसों के सरकारी आंकड़ों को देखें तो हस्तशिल्प और हथकरघा उत्पादों के विदेशों में बिकने की रफ्तार लगातार बढ़ रही है। आज दुनिया भर में लोग ऐसे कपड़ों की मांग कर रहे हैं जो पर्यावरण को नुकसान न पहुँचाएँ और हमारा हथकरघा इस मामले में सौ फीसदी खरा है। इसे बनाने में न तो बिजली का बड़ा बिल आता है और न ही कैमिकल का इस्तेमाल होता है। यही वजह है कि अमेरिका, दुबई और यूरोप के बड़े बाजारों में बनारसी सिल्क, भागलपुरी चादर, तेलंगाना की इकत या ओडिशा की संबलपुरी साड़ी की जबरदस्त मांग है। लेकिन इस चमक के पीछे बुनकरों का एक दर्द भी समाहित है। आज मशीनों से धड़ाधड़ बनने वाले सस्ते कपड़ों की वजह से हाथ के कारीगरों को सही दाम और पहचान के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। बाजार में मशीनी कपड़ों को असली हथकरघा बताकर बेच दिया जाता है, जिससे बुनकरों का हक मारा जाता है। इस धोखेबाजी को रोकने के लिए सरकार ने असली कपड़ों की पहचान के लिए हैंडलूम मार्क और जीआई टैग जैसी व्यवस्था की है। साथ ही इंडिया हैंडमेड जैसी वेबसाइट्स के जरिए बुनकरों को सीधे ग्राहकों से जोड़ा जा रहा है ताकि बीच के दलाल उनकी कमाई न खा सकें। हालांकि हथकरघा से जुड़े लोगों का फायदा केवल सोशल मीडिया पर वाह - वाह करने से नहीं होगा। असली बदलाव तब आएगा जब हम अपनी सोच बदलेंगे। हमें अपनी शादियों, त्योहारों और रोजमर्रा के पहनावे में इन कपड़ों को जगह देनी होगी। जब हमारी युवा पीढ़ी गर्व से हैंडलूम पहनेगी, तभी यह सदियों पुरानी कला बची रहेगी। हम सभी को संकल्प लेना चाहिए, कि अपनी अलमारी में कम से कम एक जोड़ी कपड़ा हाथ से बुना हुआ जरूर रखेंगे। इन धागों को बचाना सिर्फ सरकार का काम नहीं, हम सबकी जिम्मेदारी है।

(लेखक पत्रकार हैं)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

शिक्षा से जुड़ी जान जोखिम में डालने वाली चिन्ताजनक मजबूरियां

ललित गर्ग

भारत आज विकसित राष्ट्र बनने, विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने और 2047 तक 'विकसित भारत' का स्वप्न साकार करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डिजिटल इंडिया, स्मार्ट क्लासरूम, ऑनलाइन शिक्षा, नई शिक्षा नीति, आधुनिक विश्वविद्यालय और वैश्विक प्रतिस्पर्धा जैसे विषय हमारे विकास के प्रतीक बन चुके हैं। लेकिन इसी भारत की एक तस्वीर ऐसी भी है जो इन सभी उपलब्धियों को कठोर प्रश्नों के कटघरे में खड़ा कर देती है। मध्यप्रदेश के विदिशा जिले में बरसाती उफान के बीच बेतवा नदी को पार कर स्कूल जाते मासूम बच्चों की तस्वीर केवल एक घटना नहीं, बल्कि उस विकास मॉडल का आईना है जिसमें चमक अधिक है और संवेदना कम। वास्तव में किसी भी राष्ट्र की प्रगति का वास्तविक मापदंड उसकी गगनचुंबी इमारतें, चौड़ी सड़कें अथवा डिजिटल सुविधाएँ नहीं होतीं, बल्कि यह होता है कि उस देश का सबसे अंतिम, सबसे कमजोर और सबसे गरीब बच्चा कितनी सुरक्षा और सम्मान के साथ शिक्षा प्राप्त कर पा रहा है। यदि किसी बच्चे को विद्यालय पहुँचने के लिए उफनती नदी, बहते नाले, टूटी पुलिया, जर्जर रास्ते या जानलेवा परिस्थितियों का सामना करना पड़े तो यह केवल प्रशासनिक विफलता नहीं, बल्कि संविधान की आत्मा पर भी प्रश्नचिह्न है।

शिक्षा का अधिकार अधिनियम स्पष्ट रूप से कहता है कि प्रत्येक बच्चे को उसके घर के समीप गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना राज्य की जिम्मेदारी है। लेकिन वास्तविकता यह है कि अनेक गांवों में या तो विद्यालय हैं ही नहीं, और यदि हैं भी तो उनमें शिक्षक नहीं हैं। कहीं शिक्षक हैं तो विद्यार्थी नहीं, कहीं भवन हैं तो पढ़ाई नहीं, कहीं भवन ही जर्जर होकर मौत का इंतजार कर रहे हैं। ऊपर से विद्यालयों के समानीकरण की नीति ने अनेक ग्रामीण क्षेत्रों में विद्यालयों की दूरी और बढ़ा दी है। परिणामस्वरूप छोटे-छोटे बच्चों को प्रतिदिन कई किलोमीटर पैदल चलकर, नदियाँ पार कर अथवा जोखिम भरे रास्तों से होकर विद्यालय पहुँचना पड़ता है। विडंबना यह है कि आज हम शिक्षा में तकनीक के बढ़ते प्रयोग पर गर्व कर रहे हैं। स्मार्ट बोर्ड, डिजिटल कंटेंट, ऑनलाइन परीक्षाएँ और कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित शिक्षण की चर्चा हो रही है। लेकिन जब बच्चा विद्यालय तक सुरक्षित पहुँच ही नहीं पा रहा, तब यह सारी तकनीकी प्रगति उसके लिए केवल एक दूर का सपना बनकर रह जाती है। शिक्षा की पहली शर्त सुरक्षित विद्यालय तक पहुँचना है। यदि यही सुनिश्चित नहीं है तो स्मार्ट क्लासरूम भी उस बच्चे का उपहास ही बन जाते हैं।

यह समस्या केवल मध्यप्रदेश तक सीमित नहीं है। देश के अनेक राज्यों में बरसात आते ही हजारों बच्चे उफनते नालों, अस्थायी पुलों और क्षतिग्रस्त सड़कों को पार कर विद्यालय जाने को मजबूर होते हैं। कहीं नाव की व्यवस्था नहीं, कहीं पुल वर्षों से अधूरा पड़ा है, कहीं सड़क निर्माण भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गया है। कई स्थानों पर बच्चे घंटों पानी उतरने का इंतजार करते हैं, जिससे उनकी पढ़ाई प्रभावित होती है। कई बच्चे भय के कारण विद्यालय जाना ही छोड़ देते हैं। इस प्रकार शिक्षा से वंचित होने का सबसे बड़ा कारण केवल गरीबी नहीं, बल्कि असुरक्षित आधारभूत संरचना भी बनती जा रही है। शिक्षा क्षेत्र की जानलेवा परिस्थितियाँ केवल नदी या नाले तक सीमित नहीं हैं। पिछले वर्षों में अनेक दर्दनाक घटनाएँ सामने आई हैं। कहीं जर्जर स्कूल भवन ढह गए, कहीं विद्यालयों में करंट लगने से बच्चों की मौत हुई, कहीं आग लगने से मासूम झुलस गए, कहीं ओवरलोड ऑटो और वैन दुर्घटनाग्रस्त हो गईं। दिल्ली के कोचिंग संस्थान में हुई त्रासदी ने यह भी दिखाया कि शिक्षा के नाम पर संचालित संस्थानों में सुरक्षा मानकों की कितनी घोर अनदेखी होती है। नीट जैसी परीक्षाओं में पेपर लीक और उससे उपजी निराशा ने अनेक प्रतिभाशाली छात्रों को आत्महत्या तक के लिए विवश किया। क्या यह भी शिक्षा व्यवस्था की असुरक्षा का ही एक रूप नहीं है?

सबसे गंभीर प्रश्न यह है कि हमारी सरकारी व्यवस्था अक्सर किसी दुर्घटना के बाद ही क्यों जागती है? जब तक कोई बच्चा नदी में बह नहीं जाता, भवन गिर नहीं जाता, आग नहीं लग जाती या कोई बड़ा हादसा नहीं हो जाता, तब तक प्रशासनिक मशीनरी की संवेदनाएँ जैसे सोई रहती हैं। घटना के बाद जांच समिति बनती है, निलंबन होता है, मुआवजा घोषित होता है और कुछ दिनों बाद सब कुछ फिर सामान्य हो जाता है। यह प्रतिक्रियात्मक शासन व्यवस्था किसी भी सभ्य लोकतंत्र के लिए उचित नहीं कही जा सकती। इस विफलता के पीछे भ्रष्टाचार भी एक बड़ा कारण है। भवन निर्माण से लेकर सड़क, पुल, विद्यालय सुरक्षा प्रमाणपत्र, वाहन फिटनेस और निरीक्षण व्यवस्था तक अनेक स्तरों पर लापरवाही और भ्रष्टाचार व्याप्त है। कई बार बिना सुरक्षा मानकों की पूर्ति किए ही विद्यालयों, कोचिंग संस्थानों और परिवहन वाहनों को अनुमति मिल जाती है। निरीक्षण कागजों में पूरा हो जाता है और वास्तविकता किसी दुर्घटना के बाद सामने आती है। यदि जिम्मेदारी तय करने की संस्कृति विकसित नहीं होगी तो ऐसी घटनाएँ कभी समाप्त नहीं होंगी।

सरकार को यह समझना होगा कि शिक्षा केवल पुस्तकें बाँटने, छात्रवृत्ति देने और परीक्षाएँ आयोजित करने का नाम नहीं है। शिक्षा का वास्तविक अर्थ है-बच्चे के लिए सुरक्षित वातावरण, सम्मानजनक विद्यालय, प्रशिक्षित शिक्षक, गुणवत्तापूर्ण शिक्षण और निर्भय आवागमन की व्यवस्था। जिस बच्चे का प्रतिदिन का संघर्ष विद्यालय तक जीवित पहुँचने का हो, वह ज्ञान की ऊँचाइयों तक कैसे पहुँचेगा? आज आवश्यकता यह है कि शिक्षा सुरक्षा को राष्ट्रीय मिशन बनाया जाए। जिन क्षेत्रों में नदी या नाले बाधा बनते हैं, वहाँ स्थायी पुलों का निर्माण प्राथमिकता से हो। जब तक पुल नहीं बनते, तब तक सुरक्षित नाव या जल परिवहन की सरकारी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। प्रत्येक विद्यालय का वार्षिक सुरक्षा ऑडिट अनिवार्य हो। जर्जर भवनों को तत्काल बंद किया जाए और नए भवनों का निर्माण समयबद्ध तरीके से पूरा किया जाए। स्कूल वाहनों के लिए कठोर सुरक्षा मानक लागू हों तथा उनका नियमित निरीक्षण हो। प्रत्येक विद्यालय में अग्निशमन, आपदा प्रबंधन और प्राथमिक उपचार की प्रभावी व्यवस्था हो। साथ ही प्रत्येक दुर्घटना के लिए केवल निचले कर्मचारियों पर कार्रवाई न होकर उच्च अधिकारियों तक जवाबदेही तय की जाए।

विकसित भारत का सपना तभी सार्थक होगा जब विकास का लाभ अंतिम पंक्ति में खड़े बच्चे तक

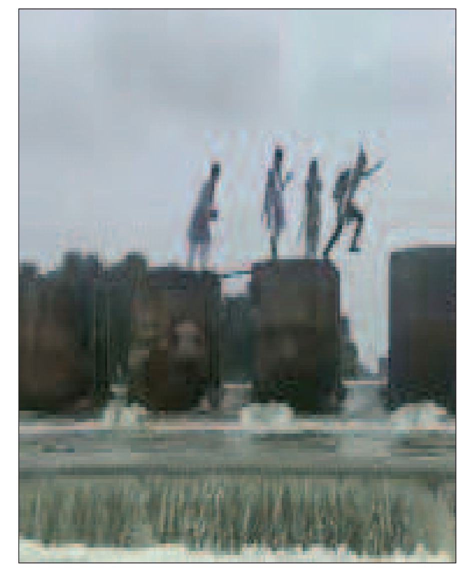

पहुँचेगा। जिस राष्ट्र में बच्चे शिक्षा पाने के लिए जान जोखिम में डालने को विवश हों, वहाँ विकास के दावे अधूरे प्रतीत होते हैं। विश्वगुरु बनने का मार्ग केवल आर्थिक प्रगति से नहीं, बल्कि मानवीय संवेदना, सुरक्षित शिक्षा और समान अवसरों से होकर गुजरता है। आज आवश्यकता नए कानून बनाने से अधिक उन कानूनों को ईमानदारी से जमीन पर उतारने की है। जब तक शासन की प्राथमिकताओं में बच्चों की सुरक्षा सर्वोच्च स्थान नहीं पाएगी, तब तक विकास के बड़े-बड़े दावे खोखले लगते रहेंगे। सरकार, प्रशासन, जनप्रतिनिधियों और समाज-सभी को यह संकल्प लेना होगा कि देश का कोई भी बच्चा केवल इसलिए अपनी जान जोखिम में नहीं डालेगा कि वह पढ़ना चाहता है। यदि भारत को वास्तव में 2047 तक विकसित राष्ट्र बनना है, तो सबसे पहले उसे अपने बच्चों के लिए सुरक्षित बचपन और सुरक्षित शिक्षा सुनिश्चित करनी होगी। क्योंकि किसी भी राष्ट्र का भविष्य उसकी संसदों, मंत्रालयों या महानगरों में नहीं, बल्कि उन छोटे-छोटे विद्यालयों में लिखा जाता है जहाँ मासूम बच्चे अपने सपनों के साथ बैठते हैं। यदि उन सपनों की रक्षा नहीं हो सकी, तो विकसित भारत का स्वप्न भी अधूरा ही रह जाएगा।

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

ऊर्जा आत्मनिर्भरता का स्वर्णिम अध्याय का आगाज

विनोद कुमार सिंह

प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना की सफलता यह सिद्ध करती है कि जब नीति,तकनीक और जनभागीदारी एक साथ आगे बढ़ते हैं तो परिवर्तन केवल सरकारी आँकड़ों तक सीमित नहीं रहता,बल्कि प्रत्येक नागरिक के जीवन को प्रभावित करता है। बिजली का घटता खर्च, घरेलू आय में वृद्धि,स्थानीय रोजगार,स्वदेशी विनिर्माण और पर्यावरण संरक्षण–इन सभी का समन्वय इस योजना को भारत की सबसे प्रभावशाली ऊर्जा पहलों में शामिल करता है।आज भारत जिस आत्मविश्वास के साथ हरित ऊर्जा की दिशा में आगे बढ़ रहा है,वह विकसित भारत के संकल्प को नई ऊर्जा प्रदान कर रहा है।

50 लाख घरों तक पहुँची सूर्य की रोशनी, हरित भारत की ओर तेजी से बढ़ता राष्ट्र...

ऊर्जा किसी भी राष्ट्र की आर्थिक प्रगति, औद्योगिक विकास और सामाजिक समृद्धि की आधारशिला होती है।इक्कीसवीं सदी में ऊर्जा सुरक्षा का अर्थ केवल बिजली उत्पादन या पेट्रोलियम संसाधनों तक सीमित नहीं रह गया है,बल्कि स्वच्छ ऊर्जा, तकनीकी आत्मनिर्भरता, घरेलू विनिर्माण,ऊर्जा भंडारण और पर्यावरण संरक्षण से जुड़ गया है।भारत ने पिछले कुछ वर्षों में जिस गति से नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है,उसने यह स्पष्ट कर दिया है कि देश केवल ऊर्जा उपभोक्ता नहीं,बल्कि वैश्विक हरित ऊर्जा परिवर्तन का नेतृत्व करने की क्षमता रखता है।नई दिल्ली में आयोजित ऊर्जा सम्मेलन में केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रह्लाद जोशी द्वारा साझा किए गए आँकड़े इस परिवर्तन की सशक्त तस्वीर प्रस्तुत करते हैं। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत अब तक 50 लाख परिवारों को लाभ मिल चुका है। यह उपलब्धि केवल एक सरकारी योजना की सफलता नहीं,बल्कि भारत के ऊर्जा इतिहास में जनभागीदारी पर आधारित एक नई क्रांति का संकेत है।सबसे उल्लेखनीय तथ्य यह है कि अक्टूबर 2025 तक जहाँ देश में प्रतिदिन लगभग 5,000 रूफटॉप सोलर संयंत्र स्थापित किए जा रहे थे, वहीं जुलाई 2026 तक यह संख्या बढ़कर 16,000 से अधिक प्रतिदिन पहुँच गई। अर्थात मात्र कुछ महीनों में स्थापना की गति तीन गुना से अधिक हो गई।यह आँकड़ा बताता है कि स्वच्छ ऊर्जा अब केवल सरकारी कार्यक्रम नहीं रही,बल्कि करोड़ों भारतीय परिवारों का जनआंदोलन बन चुकी है। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना का उद्देश्य केवल बिजली बिल कम करना नहीं है। यह योजना प्रत्येक परिवार को ऊर्जा उत्पादक बनाने की दिशा में एक अभिनव पहल है। घरों की छतों पर स्थापित सौर संयंत्र दिन के समय बिजली उत्पन्न करते हैं। आवश्यकता से अधिक बिजली ग्रिड में भेजी जा सकती है,जिससे उपभोक्ता आर्थिक लाभ भी अर्जित कर सकते हैं।इससे बिजली वितरण कंपनियों पर दबाव कम होता है तथा देश में विकेंद्रीकृत ऊर्जा उत्पादन को बढ़ावा मिलता है।भारत आज लगभग 300 गीगावाट गैर-जीवाश्म ईंधन आधारित स्थापित विद्युत क्षमता के ऐतिहासिक पड़ाव के निकट पहुँच चुका है। सरकार ने वर्ष 2030 तक 500 गीगावाट गैर-जीवाश्म ऊर्जा क्षमता विकसित करने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया है। यह लक्ष्य केवल जलवायु परिवर्तन से जुड़े अंतरराष्ट्रीय दायित्वों की पूर्ति भर नहीं है, बल्कि ऊर्जा आयात पर निर्भरता कम करने, कार्बन उत्सर्जन घटाने और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण का भी आधार है।स्वच्छ ऊर्जा

क्षेत्र में भारत की सफलता के पीछे अनेक दूरदर्शी नीतिगत निर्णय हैं। सरकार ने उच्च दक्षता वाले सौर पीवी मॉड्यूल के लिए उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (PLI) योजना लागू की है, जिससे घरेलू विनिर्माण को नई गति मिली है। इसके अतिरिक्त ग्रीन एनर्जी कॉरिडोर कार्यक्रम के माध्यम से नवीकरणीय ऊर्जा को राष्ट्रीय ग्रिड से जोड़ने की क्षमता बढ़ाई जा रही है। नवीकरणीय ऊर्जा उपकरणों और घटकों पर कर राहत,बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली (इएरर) के लिए लिथियम-आयन सेल निर्माण हेतु पूंजीगत वस्तुओं पर सीमा शुल्क में छूट तथा Renewable Energy Equipment Import Monitoring System जैसी पहलों ने उद्योग को नई ऊर्जा प्रदान की है।

आज भारत विश्व के उन चुनिंदा देशों में शामिल है जो सौर ऊर्जा विनिर्माण को रणनीतिक क्षेत्र के रूप में विकसित कर रहे हैं। सरकार का उद्देश्य केवल सौर पैनल आयात करना नहीं, बल्कि उन्हें देश में ही निर्मित कर वैश्विक बाजार में प्रतिस्पर्धी बनाना है। इससे विदेशी मुद्रा की बचत होगी,रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे तथा भारत वैश्विक स्वच्छ ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखला का महत्वपूर्ण केंद्र बन सकेगा।केंद्रीय इस्पात एवं भारी उद्योग मंत्री श्री एच. डी. कुमारस्वामी ने अपने संबोधन में सही कहा कि भविष्य की ऊर्जा सुरक्षा केवल प्राकृतिक संसाधनों की उपलब्धता से तय नहीं होगी, बल्कि इस बात से तय होगी कि कोई राष्ट्र स्वच्छ ऊर्जा उपकरणों, बैटरियों और उन्नत प्रौद्योगिकियों का कितना उत्पादन कर सकता है। यही कारण है कि सरकार ऊर्जा विनिर्माण को औद्योगिक विकास के साथ जोड़ रही है।इसी दिशा में 18,100 करोड़ रुपये की एडवांस्ड केमिस्ट्री सेल (ACC) बैटरी पीएलआई योजना अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसका उद्देश्य देश में अत्याधुनिक बैटरी निर्माण क्षमता विकसित करना तथा आयात पर निर्भरता कम करना है।ऊर्जा भंडारण की मजबूत व्यवस्था के बिना सौर और पवन ऊर्जा का व्यापक उपयोग संभव नहीं है। इसलिए बैटरी निर्माण भविष्य की ऊर्जा अर्थव्यवस्था का सबसे महत्वपूर्ण आधार बनने जा रहा है।स्वच्छ ऊर्जा का लाभ केवल बिजली उत्पादन तक सीमित नहीं है। यह इलेक्ट्रिक वाहनों, स्मार्ट ग्रिड, ऊर्जा दक्ष उद्योगों तथा आधुनिक परिवहन व्यवस्था को भी नई दिशा प्रदान करती है। पीएम ई-ड्राइव योजना इसी व्यापक दृष्टि का हिस्सा है, जो इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को बढ़ावा देकर पेट्रोलियम ईंधन पर निर्भरता कम करने का प्रयास कर रही है।इससे प्रदूषण में कमी, विदेशी मुद्रा की बचत तथा घरेलू ऑटोमोबाइल उद्योग को नई तकनीकी दिशा मिलेगी।

इस सम्मेलन में मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बताया कि दिल्ली मेट्रो को मध्य प्रदेश से प्राप्त स्वच्छ ऊर्जा न केवल पर्यावरण संरक्षण का उदाहरण है,बल्कि राज्यों के बीच ऊर्जा सहयोग की भी मिसाल है। इससे यह स्पष्ट होता है कि ऊर्जा संक्रमण केवल केंद्र सरकार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि राज्यों की सक्रिय सहभागिता से ही संभव है।ऊर्जा सम्मेलन में भूटान और श्रीलंका की भागीदारी ने दक्षिण एशिया में क्षेत्रीय ऊर्जा सहयोग की नई संभावनाओं को भी रेखांकित किया।भूटान ने वर्ष 2040 तक 25 गीगावाट विद्युत उत्पादन क्षमता विकसित करने का लक्ष्य रखा है,जिसमें 15 गीगावाट जलविद्युत और 5 गीगावाट सौर ऊर्जा शामिल होगी। भारत और भूटान के बीच पाँच दशकों से अधिक पुराना ऊर्जा सहयोग दोनों देशों के आर्थिक संबंधों की मजबूत आधारशिला रहा है।श्रीलंका ने भी ऊर्जा सुरक्षा,ग्रिड आधुनिकीकरण,स्वच्छ ऊर्जा निवेश तथा क्षेत्रीय सहयोग को भविष्य की आवश्यकता बताया। दक्षिण एशिया के देशों के बीच बिजली व्यापार, स्वच्छ ऊर्जा निवेश और तकनीकी साझेदारी आने वाले वर्षों में ऊर्जा क्षेत्र की नई दिशा तय करेंगे।सम्मेलन की एक अन्य विशेषता दो दिवसीय प्रदर्शनी रही, जिसमें लगभग 25 अग्रणी ऊर्जा कंपनियों और संस्थानों ने भाग लिया। प्रदर्शनी में नवीनतम सौर तकनीक,ऊर्जा भंडारण प्रणाली, स्मार्ट मीटरिंग, डिजिटल ऊर्जा प्रबंधन,स्वच्छ औद्योगिक समाधान तथा अगली पीढ़ी की ऊर्जा प्रौद्योगिकियों का प्रदर्शन किया गया।ऐसे आयोजन उद्योग, निवेशकों और नीति-निमार्ताओं के बीच समन्वय स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, भारत की ऊर्जा यात्रा केवल विकास की कहानी नहीं है, बल्कि जलवायु परिवर्तन से मुकाबले की भी कहानी है।स्वच्छ ऊर्जा का विस्तार कार्बन उत्सर्जन कम करेगा,वायु प्रदूषण घटाएगा, जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता कम करेगा तथा आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित पर्यावरण सुनिश्चित करेगा।यही कारण है कि आज ऊर्जा नीति को आर्थिक नीति, औद्योगिक नीति और पर्यावरण नीति के साथ समान महत्व दिया जा रहा है।प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना की सफलता यह सिद्ध करती है कि जब नीति,तकनीक और जनभागीदारी एक साथ आगे बढ़ते हैं तो परिवर्तन केवल सरकारी आँकड़ों तक सीमित नहीं रहता,बल्कि प्रत्येक नागरिक के जीवन को प्रभावित करता है। बिजली का घटता खर्च, घरेलू आय में वृद्धि,स्थानीय रोजगार,स्वदेशी विनिर्माण और पर्यावरण संरक्षण–इन सभी का समन्वय इस योजना को भारत की सबसे प्रभावशाली ऊर्जा पहलों में शामिल करता है।आज भारत जिस आत्मविश्वास के साथ हरित ऊर्जा की दिशा में आगे बढ़ रहा है,वह विकसित भारत के संकल्प को नई ऊर्जा प्रदान कर रहा है।यदि यही गति बनी रही तो वर्ष 2030 तक भारत न केवल अपने 500 गीगावाट गैर- जीवाश्म ऊर्जा क्षमता के लक्ष्य को प्राप्त करने में सफल होगा, बल्कि विश्व के लिए स्वच्छ ऊर्जा,हरित प्रौद्योगिकी और टिकाऊ विकास का प्रेरणास्त्रोत भी बनेगा। वास्तव में, भारत की छतों पर चमकते सौर पैनल केवल बिजली नहीं बना रहे, वे आत्मनिर्भर,समृद्ध और पर्यावरण-अनुकूल भारत के उज्ज्वल भविष्य की रोशनी भी गढ़ रहे हैं।
~~~~~~~~

शरीर से विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने का काम करती है कुंजल क्रिया

क्या आपने कभी कुंजल क्रिया के बारे में कुछ सुना है। अगर नहीं तो यह क्रिया आपके शरीर से विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने का काम करती है। आइए जानते हैं कुंजल क्रिया के बारे में और जानते हैं कैसे यह आपकी सेहत पर असर डालती है।

भारत में योग का चलन आज से नहीं बल्कि सदियों से रहा है। योग महज एक शारीरिक व्यायाम नहीं है। बल्कि यह जीवन को सरल और बेहतर बनाने का एक बेजोड़ तरीका है। आज हम आपको योगा की एक ऐसी ही टेक्निक से रूबरू कराएंगे। जो आपके शरीर से विषाक्त पदार्थों को तो बाहर निकालती ही है। साथ ही आपको कई दूसरे लाभ भी देती है। दरअसल हम बात कर रहे हैं कुंजल क्रिया के बारे में। यह अन्य योगासन से बहुत भिन्न है। ऐसा इसलिए भी क्योंकि इस क्रिया में आपको उल्टी करनी होती है। हां शायद यह आपको थोड़ी अजीब लग सकती है। लेकिन कुंजल क्रिया सही मायने में बहुत ज्यादा फायदेमंद है। आइए जानते हैं इस क्रिया के बारे में।

क्या है कुंजल क्रिया

कुंजल क्रिया आपके शरीर से अशुद्धियां बाहर निकालने की एक जबरदस्त टेक्निक है। कुंजल क्रिया के बारे में सबसे पहले हठयोग से संबंधी एक प्रदीपिका ग्रंथ में दिया गया था। इस ग्रंथ में ही इसे शरीर की सफाई करने की तकनीक के रूप में बताया गया है। कुंजल क्रिया न केवल आपके शरीर को साफ करती है बल्कि यह आपके मन को भी नियंत्रित करने में भी सहायता प्रदान करती है। इसके अलावा जर्नल ऑफ आयुर्वेद एंड इंटीग्रेटिव मेडिसिन में इसे लेकर एक शोध भी प्रकाशित किया गया है। इसमें बताया गया है कि उल्टी करने के बाद व्यक्ति को खालीपन महसूस होता है और इससे कई शारीरिक लाभ होते हैं। आइए जानते हैं कैसे की जाती है कुंजल क्रिया।

कैसे होती है कुंजल क्रिया

- इसके लिए आपको कम से कम 6 से 8 गिलास गुनगुने पानी की जरूरत होगी और हर एक लीटर पानी पर एक चम्मच सेंधा नमक या साधारण नमक भी चाहिए होगा।
- अब आपको एक लीटर पानी में एक चम्मच सेंधा नमक मिलाना होगा और कगासन की मुद्रा में बैठना होगा।
- इसके बाद आपको इसी मुद्रा में यह पानी जल्दी से जल्दी पीना होगा और उल्टी करने के लिए थोड़ा आगे झुक कर खड़ा होना होगा।
- जब आपको लगे की पेट खाली हो चुका है तो शवासन की मुद्रा में 30 मिनट के लिए लेट जाएं।
- इस क्रिया में आपको उल्टी तुरंत आ जाती है। ऐसे में अगर यह क्रिया करें तो विशेषज्ञ की निगरानी में ही करें।

वजन और पाचन के लिए

जब भी आप कुंजल क्रिया करते हैं तो इससे आपके पेट की मांसपेशियां सिकुड़ जाती है और फैट कम हो जाता है। ऐसे में अगर आप फैट या वजन कम करने की कोशिश में लगे हुए हैं तो य क्रिया आपके लिए बहुत फायदेमंद होगी। यह पाचन तंत्र को पूरी तरह स्वस्थ रखने काम काम करती है।

तनाव और चिंता से राहत

जब आप इस क्रिया को करते हैं तो इससे शरीर में रक्त प्रवाह बेहतर हो जाता है और आपके शरीर के हर हिस्से तक ऑक्सीजन पहुंचने लगता है। इससे आपका हार्ट रेट कम हो जाता है और सांस लेना भी आसान हो जाता है। साथ ही यह ब्लड प्रेशर को भी ठीक करता है। ऐसे में कहा जा सकता है कि कुंजल क्रिया के जरिए तनाव और चिंता को कम किया जा सकता है। ध्यान रहे कि यह क्रिया किसी विशेषज्ञ की

या फिर आपकी आयु 16 साल से कम है तो इस आसन को बिल्कुल ना करें।

खांसी और सर्दी से राहत

जब आप कुंजल क्रिया करते हैं तो इससे आपके फेफड़ों की मांसपेशियां मजबूत होती है और इनकी सहन शक्ति बढ़ जाती है। साथ ही इसके जरिए आपके फेफड़े भी साफ हो जाते हैं और आपके लिए सांस लेना आसान हो जाता है। इस तरह यह सर्दी और खांसी के लक्षणों से राहत दिलाती है।

एलईडी और टीएफटी स्क्रीन से निकलने वाली सफेद रोशनी आंखों को तनाव में डालती है। आयुर्वेद के अनुसार, संपूर्ण शरीर की तरह आंख भी तत्वों से संबंधित है। आंख की मांसपेशियां पृथ्वी तत्व द्वारा नियंत्रित होती हैं, जबकि ब्लड वेसल्स अग्नि द्वारा और आंखों का रंग हवा से नियंत्रित होता है।

ऐसे करें आंखों की देखभाल

मोबाइल और लैपटॉप के बढ़ते इस्तेमाल के कारण हमारी आंखों का इस्तेमाल पहले से कहीं ज्यादा हो रहा है। जिससे लोगों में सिरदर्द, जलन और आंखों में तनाव के मामले बढ़े हैं। खासकर, एलईडी और टीएफटी स्क्रीन से निकलने वाली सफेद रोशनी आंखों को तनाव में डालती है। आयुर्वेद के अनुसार, संपूर्ण शरीर की तरह आंख भी तत्वों से संबंधित है। आंख की मांसपेशियां पृथ्वी तत्व द्वारा नियंत्रित होती हैं, जबकि ब्लड वेसल्स अग्नि द्वारा और आंखों का रंग हवा से नियंत्रित होता है। आंखें पित्त दोष का आसन हैं। चूंकि पित्त दोष उम्र के साथ असंतुलित हो जाता है, इसलिए आंखें प्रभावित होती हैं।

सुबह उठकर मुंह में पानी भरें

रोज सुबह उठकर टॉयलेट जाने से पहले या बाद में मुंह में पानी भरें और कुछ सैकंड्स तक होल्ड करें। इस दौरान आपकी आंखें बंद होनी चाहिए। अब कुल्ला कर दें और इस प्रक्रिया को दो से 3 बार दोहराएं।

त्रिफला वॉटर का उपयोग करें

त्रिफला वॉटर आई वॉश आंखों के स्वास्थ्य के लिए बहुत अच्छा माना जाता है। यह न केवल आपके आंखों की रोशनी बढ़ाता है, बल्कि आंखों की चमक में भी सुधार करता है। खासतौर से थकी हुई आंखों को आराम देने का यह बेहतरीन तरीका है।

स्वस्थ आंखों के लिए षटकर्म करें

आयुर्वेद में शरीर से विषाक्त पदार्थों को निकालने ,उसे मजबूत बनाने और रोगमुक्त बनाने के लिए 6 प्यूरीफिकेशन टेकनीक के बारे में बताया गया है। इनमें से नेती और त्राटक सूखी आंखों और आंखों के स्वास्थ्य के लिए सबसे अच्छे आयुर्वेदिक उपाय के रूप में काम करते हैं। बता दें कि त्राटक षटकर्म आंख का व्यायाम है जिसमें किसी भी बिंदु पर आंखों को स्थिर करके निरंतर देखना होता है।

बरतें ये सावधानियां

- आंखों की देखभाल के दौरान कभी भी बहुत तेज गर्म या फिर बर्फ के पानी का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए।
- अचानक तापमान में हुए परिवर्तन से बचने का प्रयास करें।
- अगर आपका शरीर गर्म हो रहा है या आप पसीने से तर हैं, तो अपने चेहरे और आंखों पर पानी के छीटें मारने से पहले 10 मिनट तक इंतजार करें। जब तक आपकी बॉडी सही तापमान में एडजस्ट न हो जाए, छीटें मारने से बचें।
- सुबह-शाम चेहरे पर पानी के छीटे मारें
- 10-15 बार अपनी आंखों और चेहरे पर ठंडे या फिर नॉर्मल पानी के छीटें मारें। इस प्रक्रिया को आप तब भी दोहराएं , जब शाम को काम से वापस घर लौटें। ऐसा करने से आंखों को बहुत आराम मिलेगा।

स्वस्थ आंखों के लिए फायदेमंद है अंजन

स्वस्थ आंखों के लिए अंजन का उपयोग बहुत फायदेमंद है। अंजना एक आयुर्वेदिक दवा है, जिसे आंखों के स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए पलकों के अंदरूनी हिस्से पर लगाते हैं। बता दें कि अंजना जड़ी-बूटियों से बना एक गाढ़ा आईलाइनर है। इसे कोलिरिसम भी कहते हैं। इसका उपयोग आंखों की रोशनी बढ़ाने और आंख से जुड़ी अन्य बीमारियों के लिए किया जाता है। हालांकि, यह काजल की तरह दिखता है, लेकिन इससे काफी अलग है। इसे मिनरल्स और जड़ी- बूटियों को पीसकर पेस्ट के रूप में तैयार किया जाता है। आंखों की रोशनी को बढ़ाने के लिए इनकी देखभाल करना बेहद जरूरी है। उम्मीद है यहां एक्सपर्ट द्वारा बताए गए तरीकों से आपको आंखों की सही देखभाल करने में मदद मिलेगी।

वायु प्रदूषण और रोड ट्रैफिक से पड़ता है सेहत पर बुरा असर

वायु प्रदूषण और रोड ट्रैफिक से हमारी सेहत पर बहुत बुरा असर पड़ता है। लेकिन कई दफा हम इसे नजरअंदाज करते हैं। शोध में पता चला है कि ये दोनों पर्यावरण हार्ट फेलियर का भी एक कारण हैं।

देश में दिवाली आने वाली है और इस माह में लोगों द्वारा की जाने वाली आतिशबाजी के कारण वायु प्रदूषण काफी ज्यादा बढ़ जाता है और स्मॉग का रूप ले लेता है। इस तरह के पॉल्युटिड स्मॉग में धूल और वायु प्रदूषक जैसे नाइट्रोजन ऑक्साइड, सल्फर डाई आक्साइड, ज्वलनशील कार्बनिक यौगिक आदि हानिकारक मिश्रण रहते हैं। जो खांसी, गले में खराश, छाती में जलन, स्किन डिजीज, फेफड़ों के संक्रमण, आंख व नाक में एलर्जी के अलावा इम्यून सिस्टम को भी कमजोर बनाते हैं। हाल ही में वायु प्रदूषण पर एक शोध आया है जिसमें चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। नए शोध के अनुसार, वायु प्रदूषण और सड़क यातायात के शोर के संपर्क में आने से हृदय गति रुकने का खतरा बढ़ सकता है। शोध का रिजल्ट अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन के एक ओपन-एक्सेस जर्नल 'जर्नल ऑफ द अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन' में प्रकाशित किया गया था। इसलिए आपको वायु प्रदूषण से खुद को सेफ रखने की बहुत ज्यादा जरूरत है।

वायु प्रदूषण पर शोध

नए रिसर्च के विश्लेषण में शोधकर्ताओं ने 15 से 20 साल के पीरियड में लॉन्ग टर्म एनवायरनमेंट इंपैक्ट को लेकर हर्ट फेलियर की जांच की। डेनमार्क में महिला नर्सों पर हुए शोध में एयर पॉल्यूशन और रोड ट्रैफिक हर्ट फेलियर की मुख्य वजह पाया गया। बता दें कि शोध में जिन महिलाओं को लिया गया था उनकी उम्र 44 वर्ष और उससे अधिक थी। प्रतिभागियों को 1993 और 1999 में भर्ती किया गया था और जब उन्होंने नामांकन किया, तो हर महिला ने बॉडी मास इंडेक्स, लाइफस्टाइल फैक्टर जैसे धूम्रपान, शराब का सेवन, शारीरिक गतिविधि और आहार संबंधी आदतों के अलावा अपनी मेडिकल कंडीशन के बारे में भी पूरी जानकारी दी थी। इन सभी प्रतिभागियों को डेनिश नेशनल पेशेंट रजिस्टर से लिंक करने के 20 साल के बाद हार्ट फेलियर के बारे में पता चला जिनका बाद में इलाज भी हुआ और इसके रिकॉर्ड भी हैं।

दिल के लिए ज्यादा खतरनाक है वायु प्रदूषण

डेनमार्क स्थिति कोपेहेगन यूनिवर्सिटी के एनवायरनमेंट डिपार्टमेंट से जुड़े असिस्टेंट प्रोफेसर और शोध को लीड करने वाले ऑथर ने कहा कि स्टडी में पाया गया है कि तीन वर्षों में रोड ट्रैफिक का शोर 12 फीसदी हार्ट फेलियर के खतरे का कारण बना। उन्होंने आगे कहा, हम आश्चर्यचकित थे कि कैसे दो पर्यावरणीय कारक - वायु प्रदूषण और सड़क यातायात शोर ने एक साथ हृदय गति रुकने का जोखिम बढ़ा दिया है। शोध में पता चला है कि रोड ट्रैफिक की तुलना में एयर पॉल्युशन हर्ट फेलियर के खतरे की मजबूत वजह बना। हालांकि, इन हर्ट फेलियर वाली 30 प्रतिशत नर्सों में हाई ब्लड प्रेशर की भी समस्या थी।

सांस लेने में तकलीफ

वायु प्रदूषण की वजह से बुजर्ग लोगों को भी कई तरह की दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। एयर पॉल्युशन के कारण बुजुर्गों के शरीर के कई अंग धीमी गति से कार्य करते हैं और इसी तरह का हाल फेफड़ों का रहता है। क्योंकि लंग्स प्रदूषित हवा को सही तरीके से फिल्टर नहीं कर पाते हैं जिस वजह से उन्हें सांस लेने में दिक्कत आती है।

आंखों में परेशानी

वायु प्रदूषण के चलते कई बार बच्चों से लेकर बुजुर्गों की आंखों में भी दिक्कतें आती हैं। दूषिक हवा के कण हमारी आंखों में एलर्जी पैदा करने लगते है जिससे कई बार हमें आस-पास की चीजें साफ नहीं दिखती हैं। साथ ही धूल मिट्टी से आंखों में खुजली भी होती है।

सेहत संबंधी दिक्कतें

बुजुर्गों का इम्यून सिस्टम बहुत कमजोर होता है जिसकी वजह से उनको वायू प्रदूषण और रोड ट्रैफिक से उनका दम घुटने लगता है। वे इस वातावरण को आसानी से हैंडल नहीं कर पाते। इसके चलते कई दफा, छींकआना, छाती में जलन, स्किन डिजीज, फेफड़ों के संक्रमण और गले में खराश जैसी कई तरह की दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।

साइलेंट किलर है तनाव, इसे गंभीरता से लेना है बहुत जरूरी

मेंटल हेल्थ एक पुराना विषय रहा है, लेकिन अब कोरोना के बाद यह और ज्यादा घातक हो गया है। अब इसे गंभीरता से लेकर इस पर बात करना जरूरी है। कोरोना ने कई तरह के मानसिक रोगों को जन्म दिया है

आज के दौर में हर शख्स अपनी जिंदगी में स्ट्रेस से गुजरता है। स्ट्रेस को आजकल एक कॉमन परेशानी के रूप में देखा जाता है और यही सबसे बड़ी गलती है। 2020 में आए कोविड 19 ने सोशल और इकोनॉमिक तौर पर काफी बदलाव लाया है। लाखों लोगों ने अपनी जिंदगी गवां दी, यहां तक की एक दूसरे से मिलना-जुलना भी दूभर हो गया था। आज जहां 2021 में कोविड 19 को 2 साल हो गए हैं और आज भी मानव जाति इस विपदा से उबरने की कोशिश में है। कई देश आज भी इस वायरस के नए स्ट्रेन से लड़ रहे हैं। वर्ल्ड हेल्थ आर्गेनाइजेशन ने ये चेतावनी जारी की है कि कोरोनावायरस का मेंटल हेल्थ पर काफी लंबे समय तक असर होता रहेगा। आज लोगों में एंजाइटी, स्ट्रेस, डिप्रेशन जैसी कई समस्या बहुत हद तक बढ़ चुकी हैं। इस पैंडेमिक के दौरान मेंटल हेल्थ पर गहरा असर पड़ा है। 2020 में माइसेंसी द्वारा एक सर्वे के आधार पर ठट्ट के 75 प्रतिशत और एशिया के 33 प्रतिशत एम्प्लॉय में बर्न आउट के लक्षण दिखे हैं। यूरोपियन देशों में भी पैंडेमिक फैटिग के लेवल में बढ़ोतरी हुई है।

जिन लोगों ने अपनी मेंटल हेल्थ को बहुत खराब रेट दिया है, उनकी मात्रा पैंडेमिक आने के बाद तीन गुना बढ़ गई है। ओरेकल और वर्क प्लेस इंटेलिजेंस जैसी कंपनियों द्वारा एक हालिया सर्वे जिसमें 11 देशों के 12000 लोगों ने भाग लिया ये दर्शाता है कि मैनेजमेंट एक्जीक्यूटिव में एम्प्लॉय के बदले ज्यादा मेंटल हेल्थ इश्यूज पाए गए हैं। 53% ने माना की उन्हें मेंटल हेल्थ इश्यूज पैंडेमिक के शुरू होते ही शुरू हो गए थे। इसी कड़ी में 5 में से 4 मैनेजमेंट एक्जीक्यूटिव यानी लगभग 85% ने माना कि उन्हें काम को पूरा करने में दिक्कत आई। इसके कुछ कारण हैं जैसे घर से काम करने के दौरान नई तकनीक को समझने और उसका उपयोग करने में परेशानी और दूसरा यह कि ऑफिस के माहौल से दूर साथ बैठकर काम करने और कोलेबरेट करने की जगह घर से काम करना।

क्या कहती है रिपोर्ट?

इस कड़ी में लगभग 39% लोगों को घर से वर्चुअली काम करने में दिक्कत आई। वहीं 34% को वर्क कल्चर के ना होने की कमी खली। वहीं 29% लोगों को नई तकनीकों को समझने में दिक्कत का सामना करना पड़ा। जहां एक तरफ कंपनी के सीनियर अधिकारी वर्कप्लेस पर मेंटल हेल्थ और हेल्थी वर्क कल्चर को बनाने में अहम भूमिका निभाते हैं, वहीं आज भी मेंटल हेल्थ को एक स्टीरियोटाइप के तौर पर देखा जाता है। कंपनी में ओपन कम्युनिकेशन और सपोर्ट की कमी खलती है। कंपनी के लीडर को अपने स्टॉफ को न सिर्फ इंस्पायर करना चाहिए ताकि वे अपनी बात को खुलकर शेयर कर सकें, बल्कि उन्हें इंस्पायर भी करना चाहिए। जरूरत पड़ने पर वे कोच या थेरेपिस्ट से मदद भी ले सकें। विशेषज्ञ कहते हैं कि किसी भी तरह की हेल्थ प्रॉब्लम को इग्नौर नहीं करना है, अगर तनाव से संबंधी कोई भी लक्षण नजर आता है तो तत्काल डॉक्टर से मिलना है। इसे हल्के में बिल्कुल नहीं ले सकते।

जान भी ले सकती है लौकी

लौकी का सेवन करना सेहत के लिए बहुत अच्छा है। इसे कई प्रकार से खा सकते हैं। सब्जी, जूस, खीर, कलाकंद, पराठे सहित अन्य तरीकों से इसका सेवन किया जा सकता है। इसका सेवन करने से कब्ज और गैस की समस्या में राहत मितली है। इसमें विटामिन ए, विटामिन सी, कैल्शियम, आयरन, मैग्नीशियम,

कड़वी लौकी का सेवन करने से आपकी जान पर बात बन सकती

नौबत आ जाती है। इसलिए भूलकर भी कड़वी लौकी का सेवन नहीं करें। लौकी का जूस बनाने से पहले इसे जरूर टेस्ट करें। अगर वह कड़वी लगती है तो इसका सेवन नहीं करें। कड़वी विषैली लौकी का सेवन करने के नुकसान- बेचैनी, घबराहट, ब्लड प्रेशर की समस्या, उल्टी होने लगती है। ऐसे में तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें। कई बार अंगों पर भी इसका असर पड़ सकता है। ऐसे में अंग फैल भी हो सकते हैं। इसलिए भूलकर भी लौकी को टेस्ट किए बिना इसका प्रयोग नहीं करें। कड़वी लौकी की पहचान उसे चखकर की जा सकती है। बता दें कि इसे पकाने पर भी कड़वापन खत्म नहीं होगा। कड़वी लगने

डिफेंस सिस्टम विकसित कर लेती है। जिससे उसमें केमिकल विकसित हो जाता है। तो कई बार तापमान कम ज्यादा होने पर भी यह बदलाव होने लगते हैं। इतना ही नहीं पर्याप्त पानी नहीं मिलने पर भी ऐसा हो सकता है।

सोना 557 रुपए बढ़कर 149050, चांदी 227625 प्रति किलोग्राम

नई दिल्ली ।

सोने और चांदी के भाव में बुधवार को जबरदस्त उछाल के बाद गुरुवार को भी तेजी का सिलसिला जारी रहा। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोना 557 रुपये चढ़कर 149050 रुपये प्रति 10 ग्राम के नए उच्च स्तर पर कारोबार कर रहा है, जो जून-जुलाई के बाद का उच्चतम स्तर है। चांदी की कीमतों में भी मामूली बढ़त दर्ज की गई है। अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में भी कीमती धातुओं को मजबूती मिली है, जिससे घरेलू बाजार पर सकारात्मक असर पड़ रहा है। एमसीएक्स पर, सोना 557 रुपये बढ़कर 149050 पर पहुंच गया है, जो जून-जुलाई के बाद का सबसे उच्च स्तर है। चांदी भी हल्की बढ़त के साथ 227625 पर कारोबार कर रही है। अंतर्राष्ट्रीय बाजार, कॉमैक्स पर सोने का भाव 0.41 फीसदी की बढ़त के साथ 4321 डॉलर प्रति औंस पर है, जबकि चांदी 0.08 फीसदी उछलकर 62.325 डॉलर प्रति औंस पर ट्रेड कर रही है। विशेषज्ञों के अनुसार वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव में वृद्धि, अमेरिकी डॉलर के कमजोर होने और ब्याज दरों को लेकर बदलती उम्मीदों ने निवेशकों को सुरक्षित निवेश के रूप में सोने-चांदी की ओर मोड़ा है। इसके अलावा, होर्मुज को फिर से खोलने पर बातचीत में प्रगति से कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट आई है, जिससे महंगाई का दबाव कम होने की उम्मीद है। यह स्थिति ब्याज दरों पर दबाव घटा सकती है, जिससे सोने और चांदी जैसे कीमती मेटल्स को फायदा मिल रहा है। अगर आप आज सोने के गहने खरीदने का मन बना रहे हैं, तो दिल्ली में 22 कैरेट सोने की कीमत 13,740 रुपये प्रति ग्राम है। एक अनुमान के अनुसार, 5 ग्राम की झुमकी पर 12 फीसदी मेकिंग चार्ज और 3 जीएसटी सहित आपको कुल लगभग 79,252 रुपये चुकाने होंगे। वहीं, 10 ग्राम 22 कैरेट सोने का गहना खरीदने पर कुल कीमत 1,58,505 रुपये होगी। मुंबई में, 22 कैरेट सोना 13,725 रुपये प्रति ग्राम मिल रहा है, जहां 5 ग्राम के गहने के लिए लगभग 79,166 रुपये चुकाने होंगे, जिसमें मेकिंग चार्ज और जीएसटी शामिल है। चांदी के भाव की बात करें तो दिल्ली और मुंबई दोनों में यह 240 रुपये प्रति ग्राम (यानी 2,40,000 रुपये प्रति किलो) पर बिक रही है। यदि आप 10 ग्राम चांदी का आभूषण खरीदते हैं, तो मेकिंग चार्ज और जीएसटी मिलाकर आपको लगभग 2,769 रुपये चुकाने होंगे। ध्यान रहे, मेकिंग चार्ज अलग-अलग हो सकते हैं, इसलिए ये कीमतें संभावित हैं।

मिल्की मिस्ट डेयरी फूड्स का आईपीओ 11 अगस्त को खुलेगा

नई दिल्ली ।

डेयरी कंपनी मिल्की मिस्ट डेयरी फूड्स लिमिटेड ने अपने 1,553 करोड़ रुपये के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए मूल्य दायरा तय कर दिया है। यह निर्गम 11 अगस्त को खुलेगा और 13 अगस्त को बंद होगा। कंपनी ने प्रति शेयर 133 रुपये से 140 रुपये का मूल्य दायरा निर्धारित किया है। यह किसी भी भारतीय डेयरी कंपनी का अब तक का सबसे बड़ा आईपीओ होगा। इस निर्गम में 1,428 करोड़ रुपये के नए इक्विटी शेयर जारी होंगे, जबकि 125 करोड़ रुपये तक के शेयर बिक्री पेशकश (ओएफएस) के तहत बेचे जाएंगे। एंकर निवेशकों के लिए बोली प्रक्रिया 10 अगस्त को एक दिन के लिए खुलेगी। निर्धारित मूल्य दायरे के आधार पर, आईपीओ के बाद कंपनी का बाजार पूंजीकरण 10,310 करोड़ रुपये से 10,778 करोड़ रुपये के बीच रहने का अनुमान है। आईपीओ का 50 प्रतिशत हिस्सा पात्र संस्थागत खरीदारों (क्यूआईबी), 15 प्रतिशत गैर-संस्थागत निवेशकों और 35 प्रतिशत खुदरा निवेशकों के लिए आरक्षित रखा गया है।

शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद

सेंसेक्स 373, निफ्टी 11अंक ऊपर आया

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को बढ़त पर बंद हुआ। बाजार में ये तेजी दुनिया भर के बाजारों से मिले सकारात्मक संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आई है। अमेरिका और ईरान के बीच संभावित समझौते की उम्मीदों से भी बाजार में निवेशक लौटे हैं। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स कारोबार के अंत में करीब 373.76 अंक बढ़कर 78,954.76 पर बंद हुआ जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 11.35 अंक ऊपर आकर 24,636 के स्तर पर पहुंचा। आज कुल मिलाकर करीब 2,023 शेयरों में बढ़त रही जबकि 2,058 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। वहीं 200 शेयर बिना किसी बदलाव के बंद हुए। सेक्टोरल इंडेक्स की बात करें तो आज ऑटो, मेटल, रियल्टी और मीडिया शेयरों में भारी बिकवाली रही।

निफ्टी में आज रिलायंस इंडस्ट्रीज, एसबीआई, भारत इलेक्ट्रानिक्स, इटरनल और टाइटन के शेयरों में तेजी रही। वहीं दूसरी ओर पावर ग्रिड कारपोरेशन, टाट स्टाली, टीसीएस, जेएस

डब्ल्यू व बजाज ऑटो के शेयरों में गिरावट रही। वहीं मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में मिला-जुला कारोबार रहा। ब्रॉडर बाजार की बात करें तो उसमें मिश्रित रुख रहा। निफ्टी मिडकैप में गिरावट रही। वहीं निफ्टी स्मॉलकैप में बढ़त रही।

इससे साफ है कि बाजार में निवेशकों का रुझान एक जैसा नहीं रहा ।सेक्टर के हिसाब से देखें तो निफ्टी पीएसयू बैंक के शेयर उछले। निफ्टी मीडिया में गिरावट दर्ज की गयी।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया गुरुवार को 9 पैसे गिरकर 95.22 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ। वहीं पिछले कारोबारी सत्र में रुपया 95.13 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इससे पहले आज सुबह विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में शुरुआती कारोबार के दौरान रुपया 95.13 प्रति डॉलर पर खुलकर 95.17 के स्तर तक फिसल गई। कच्चे तेल के दामों में नरमी के बावजूद भू-राजनीतिक जोखिम और डॉलर सूचकांक में मजबूती से स्थानीय मुद्रा पर दबाव रहा। । अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.13 प्रति डॉलर पर खुला। कारोबार के दौरान यह 95.17 प्रति डॉलर तक फिसल गया, जो पिछले बंद भाव की तुलना में 14 पैसे की गिरावट दर्शाता है। रुपया बुधवार को अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले 95.13 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की मजबूती को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.05 प्रतिशत बढ़कर 99.72 पर पहुंच गया। अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड वायदा कारोबार में 0.20 प्रतिशत की गिरावट के साथ 79.29 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था।

शिपरॉकेट ने आईपीओ के लिए 92-97 रुपए प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया

नई दिल्ली ।

लॉजिस्टिक मंच शिपरॉकेट लिमिटेड ने अपने 1,617.5 करोड़ रुपये के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए गुरुवार को 92–97 रुपये प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया। यह निर्गम 12 अगस्त को खुलेगा। कंपनी ने सार्वजनिक सूचना में कहा कि आईपीओ 14 अगस्त को बंद होगा। एंकर निवेशकों के लिए बोली प्रक्रिया 11 अगस्त को एक दिन के लिए खुलेगी। आईपीओ में 885.50 करोड़ रुपये तक के नए इक्विटी शेयर जारी किए जाएंगे। इसके अलावा 732 करोड़ रुपये तक के शेयर बिक्री पेशकश (ओएफएस) के तहत बेचे जाएंगे। शिपरॉकेट ने दिसंबर, 2025 में दाखिल अपने मसौदा दस्तावेज में प्रस्तावित 2,342.3 करोड़ रुपये के आईपीओ की तुलना में निर्गम का आकार घटा दिया है। निर्गम का 75 प्रतिशत हिस्सा पात्र संस्थागत खरीदारों (क्यूआईबी), 15 प्रतिशत गैर–संस्थागत निवेशकों (एनआईआई) और शेष 10 प्रतिशत खुदरा निवेशकों के लिए आरक्षित रखा गया है।

जुलाई 2026 में 4.5 फीसदी खुदरा महंगाई रहने का अनुमानः रिपोर्ट

खाद्य कीमतें बन सकती हैं चुनौती

नई दिल्ली ।

बैंक ऑफ बड़ौदा की गुरुवार को जारी एक रिपोर्ट के अनुसार भारत में खुदरा महंगाई दर जुलाई 2026 में 4.5 प्रतिशत रहने का अनुमान है। हालांकि, खाद्य पदार्थों की अधिक कीमतों के कारण इसके ऊपर जाने का जोखिम बना हुआ है, जो महंगाई दर को बढ़ा सकता है। रिपोर्ट में बताया गया है कि प्याज, खाने का तेल, चावल और दाल जैसी आवश्यक वस्तुओं की ऊंची कीमतें महंगाई का व्यापक असर दिखा रही हैं, हालांकि मुख्य सब्जियों की बेहतर आवक और सामान्य मानसून से कुछ राहत मिली है। बैंक का अनुमान है कि मुख्य महंगाई (जिसमें भोजन और ईंधन शामिल नहीं है) 4-4.1 प्रतिशत पर सीमित रहने की उम्मीद है, जिसे अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने की कीमतों में नरमी से सहारा मिलेगा। हालांकि, भविष्य में बढ़ती इनपुट लागत महंगाई पर दबाव बढ़ा सकती है। बैंक ऑफ बड़ौदा के एसेंशियल कमोडिटीज इंडेक्स (बीओबी ईसीआई) के अनुसार, जुलाई 2026 में यह सालाना आधार पर 4.1 प्रतिशत बढ़ा, जो इस पूरी श्रृंखला में सबसे तेज वृद्धि थी, और अगस्त 2026 के शुरुआती पांच दिनों में यह बढ़कर 5.4 प्रतिशत हो गया। सकारात्मक पहलू यह है कि मानसून की प्रगति अनुकूल रही है, जिसमें 63 प्रतिशत राज्यों में सामान्य बारिश दर्ज की गई है। इसके साथ ही, 31 जुलाई 2026 तक प्रमुख खरीफ फसलों का बुवाई क्षेत्र पिछले साल की तुलना में अधिक रहा है, जिससे भविष्य में खाद्य आपूर्ति बेहतर होने की उम्मीद है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खाद्य तेलों सहित खाद्य कीमतों में भी नरमी आई है, जो महंगाई पर दबाव कम करने में सहायक हो सकती है।

एयरटेल ने टैरिफ संरचना में बदलाव की मांग की

नई दिल्ली ।

भारती एयरटेल ने भारतीय दूरसंचार बाजार में टैरिफ की मौजूदा मूल्य संरचना में मूलभूत बदलाव की मांग की है। कंपनी के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि लंबी अवधि में कंपनियों के वित्तीय रूप से टिकाऊ रहने और औसत राजस्व प्रति उपयोगकर्ता (एआरपीयू) में निरंतर वृद्धि सुनिश्चित करने के लिए, केवल टैरिफ बढ़ाने के बजाय अधिक डेटा उपयोग करने वाले ग्राहकों से ज्यादा शुल्क लेना अत्यंत महत्त्वपूर्ण है। यह बयान उन्होंने तिमाही आय घोषणा के दौरान दिया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि मौजूदा असीमित डेटा मॉडल, जो बहुत कम कीमत पर उपलब्ध है, प्रति उपयोगकर्ता औसत राजस्व (एआरपीयू) को सीमित करता है, जो उद्योग के लिए टिकाऊ नहीं है। उनका मानना है कि एक तर्कसंगत मूल्य संरचना, जहां अधिक खपत के लिए अधिक भुगतान किया जाए, भारत की बढ़ती समृद्धि के साथ अगले 5-7 वर्षों में एआरपीयू में निरंतर वृद्धि सुनिश्चित करेगा। उन्होंने कहा कि यह एक अच्छी दिशा होगी और प्रवेश स्तर की कीमतों को अनावश्यक रूप से बढ़ाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि मौजूदा प्रणाली बनी रहती है, तो कंपनियों को वित्तीय मजबूती और 5जी नेटवर्क के विशाल निवेश को बनाए रखने के लिए टैरिफ बढ़ाने ही पड़ेंगे।

विश्लेषकों का अनुमान है कि इस वर्ष 10-15 फीसदी की टैरिफ वृद्धि आवश्यक हो सकती है। एयरटेल के एमडी और सीईओ शाश्वत शर्मा ने भी उद्योग की दीर्घकालिक स्थिरता के लिए डेटा खपत के आधार पर शुल्क लेने की प्रणाली अपनाने पर जोर दिया। कंपनी अपने डेटा सेंटर कारोबार नेक्सट्रा के विस्तार और अफ्रीकी बाजारों में भी अवसरों की तलाश कर रही है, जिसके लिए पर्याप्त पूंजीगत व्यय की आवश्यकता होगी।

एलआईसी में 6.5 फीसदी हिस्सेदारी बेचकर सरकार ने जुटाए 31,522 करोड़

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार ने भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) में 6.5 फीसदी हिस्सेदारी बेचकर 31,522 करोड़ रुपए जुटाए हैं, जो भारतीय पूंजी बाजार के इतिहास का अब तक का सबसे बड़ा ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) बन गया है। इसे अत्यधिक गोपनीयता के साथ अंजाम दिया गया, जिससे बाजार को अंतिम समय तक इसकी भनक नहीं लगी। इस रणनीति का मुख्य उद्देश्य ट्रेडर्स को पहले से पोजीशन बनाने और शेयर मूल्य पर अनावश्यक दबाव डालने से रोकना था।

ब्लूमबर्ग रिपोर्ट के अनुसार, डील से जुड़े निवेश बैंकों को भी अलग-अलग समय पर सूचना दी गई; कुछ को तो स्टॉक एक्सचेंज में घोषणा से ठीक पहले ही जानकारी मिली।

कोर टीम के अलावा, बाकी सलाहकारों को बाजार बंद होने के बाद ही शामिल किया गया।

सरकार ने बाजार की उम्मीदों के विपरीत एलआईसी के तिमाही नतीजों से पहले ही ओएफएस लॉन्च किया। अधिकारियों का मानना था कि यह कदम शेयर की कीमत स्थिर रखने और निवेशकों की रुचि बनाए रखने में सहायक होगा।

भारत का घातक काल ड्रोन वैश्विक बाजार में दस्तक देने को तैयार

स्वदेशी तकनीक से लैस यह मानवरहित विमान 1000 किमी तक मार करने में सक्षम

नई दिल्ली ।

भारत द्वारा स्वदेशी रूप से विकसित लंबी दूरी का अचूक मारक क्षमता वाला ड्रोन काल अब अंतरराष्ट्रीय रक्षा बाजार में अपनी पहचान बनाने को तैयार है। नोएडा स्थित रक्षा प्रौद्योगिकी कंपनी आईजी डिफेंस द्वारा निर्मित यह मानव रहित विमान (यूएवी) खाड़ी देशों सहित कई रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण राष्ट्रों का ध्यान आकर्षित कर रहा है, जो इसे अपनी सैन्य जरूरतों के लिए खरीदने में गहरी रुचि दिखा रहे हैं। केंद्र सरकार एवं निर्यात प्रक्रियाओं से आवश्यक मंजूरी मिलते ही काल ड्रोन को अंतरराष्ट्रीय बाजार में उतारा जाएगा। यह भारत का पहला पूर्णतः स्वदेशी लंबी दूरी का ड्रोन है, जिसे लंबी दूरी के सटीक-स्ट्राइक मिशन और दूरदराज के सामरिक लक्ष्यों को भेदने के लिए डिजाइन किया गया है। लगभग 1,000 किलोमीटर की प्रभावशाली परिचालन रेंज और 7 से 8 घंटे तक लगातार उड़ान भरने या काम करने की क्षमता वाला काल ड्रोन 50 किलोग्राम तक का पेलोड ले जाने में सक्षम है। इसकी यह क्षमता इसे लंबी दूरी के मिशन के लिए एक शक्तिशाली और बहुपयोगी उपकरण बनाती है। आईजी डिफेंस कंपनी ने बताया कि कई खाड़ी देशों ने विशेष रूप से अपनी सामरिक और युद्धक्षेत्र की आवश्यकताओं के लिए इस ड्रोन को खरीदने में रुचि दिखाई है। वर्तमान में अमेरिका-ईरान तनाव से उपजे संकट के कारण क्षेत्र में लंबी दूरी तक मार करने वाले किफायती हथियारों और अन्य सैन्य साजो-सामान की मांग में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जिसने काल जैसे ड्रोनों के लिए एक अनुकूल बाजार तैयार किया है। आईजी डिफेंस के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा` कि भविष्य के युद्ध स्वायत्त और लंबी दूरी के सटीक हमला करने वाले हथियारों पर ही आधारित होंगे। ड्रोन काल भारत की उन्नत रक्षा प्रौद्योगिकियों में आत्मनिर्भरता की दिशा में एक बेहद महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि मित्र राष्ट्रों की आधुनिक रक्षा क्षमताओं की जरूरतों को पूरा करने के लिए कंपनी विश्वसनीय, किफायती और उपयोग के लिए तैयार मानवरहित प्लेटफार्मों के साथ खड़ी है, जो सभी आवश्यक सरकारी अनुमोदनों और निर्यात प्रक्रियाओं का पालन करेगी। काल मौजूदा समय के युद्धों में इस्तेमाल होने वाली नई प्रौद्योगिकियों, जैसे विस्तारित रेंज और सटीक हमले वाली कम लागत की प्रणाली का एक बेहतरीन उदाहरण है।

रसोई का बजट बिगड़ा, तेल-दाल से दूध-चीनी तक सब महंगा

पांच माह में 99 फीसदी राशन महंगा

नई दिल्ली ।

फरवरी 2026 में शुरू हुए ईरान-अमेरिका युद्ध ने सिर्फ वैश्विक शांति ही भंग नहीं की, बल्कि भारतीय रसोई के बजट को भी बुरी तरह प्रभावित किया है। पिछले पांच महीनों से देश का आम आदमी कमरतोड़ महंगाई की मार झेल रहा है, और अब उपभोक्ता मामले विभाग की ताजा रिपोर्ट ने चिंताएं और बढ़ा दी हैं। साल 2026 की शानदार शुरुआत के बाद, देश का दूसरा महीना आम जनता के लिए बड़ी मुसीबत का सबब बन गया था, और फिलहाल राहत दूर-दूर तक नजर नहीं आ रही है। प्राइस मॉनिटरिंग सिस्टम की एक ताजा रिपोर्ट के अनुसार, पिछले पांच महीनों में राशन की लगभग 99 प्रतिशत वस्तुओं की कीमतों में भारी इजाफा दर्ज किया गया है। खाने-पीने की मुख्य 36 चीजों में से 35 के दाम बढ़ चुके हैं, जिनमें खाने का तेल और दालें सबसे तेजी से महंगी हुई हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि दालों के दामों में उछाल का एक बड़ा कारण इस बार का कमजोर मानसून भी है। जुलाई के अंत तक खरीफ दालों की फसल पिछले साल के मुकाबले लगभग 7 प्रतिशत कम रही है, जिससे देश में दालों का उत्पादन घटा है और आयात पर निर्भरता बढ़ी है।

आम जनता की मुसीबतें यहीं खत्म होती नहीं दिख रहीं हैं। सावन के बाद राखी, जन्माष्टमी, गणेश चतुर्थी, नवरात्रि, दशहरा और दीवाली जैसे बड़े त्योहार आने वाले हैं। त्योहारों के दौरान बाजार में खाने-पीने की चीजों की मांग काफी बढ़ जाती है। बाजार विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि यदि वैश्विक स्तर पर ईरान-अमेरिका युद्ध के कारण बने हालात ऐसे ही बने रहे, तो आने वाले त्योहारी सीजन में महंगाई का ग्राफऔर भी ऊपर जाएगा, जिससे आम आदमी का बजट पूरी तरह चरमरा सकता है।

होर्मुज समझौते से चढ़ा कच्चे तेल का भाव, क्रूड में आई तेजी

नई दिल्ली ।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों को गुरुवार को बड़ी राहत मिली। लगातार तीन दिन की गिरावट के बाद, ईरान और ओमान के बीच होर्मुज जलडमरूमध्य से जहाजों की आवाजाही को लेकर हुए एक अस्थायी समझौते ने कीमतों को सहारा दिया। ताजा आंकड़ों के अनुसार ब्रेंट क्रूड (अक्टूबर वायदा) 0.54 फीसदी की बढ़त के साथ 79.88 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। कारोबार के दौरान यह 80.34 डॉलर तक चढ़ गया था। वहीं, अमेरिकी बेंचमार्क डब्ल्यूटीआई क्रूड (सितंबर वायदा) भी 0.52 फीसदी की तेजी के साथ 75.61 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था। दिन के दौरान इसका भाव 74.64 डॉलर से 76.02 डॉलर प्रति बैरल के बीच रहा। होर्मुज समझौते के तहत, ईरान और ओमान ने इस अहम जलडमरूमध्य से गुजरने वाले जहाजों के लिए अगले दो से चार महीने के लिए एक अस्थायी शिपिंग मार्ग पर सहमति जताई है। हालांकि, ईरान ने स्पष्ट किया है कि इसका मतलब होर्मुज का पूरी तरह खुलना नहीं है। अमेरिकी अधिकारियों ने इसे एक बड़े समझौते की दिशा में सकारात्मक कदम बताया है, लेकिन बाजार अभी भी पूरी तरह आश्वस्त नहीं है और स्थिति पर करीब से नजर रख रहा है। एक तरफ जहां होर्मुज को लेकर राहत की खबर है, वहीं दूसरी तरफ पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक तनाव अब भी बरकरार है।

ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों ने अदन की खाड़ी में सऊदी अरब के एक तेल टैंकर पर हमला करने का दावा किया है और लाल सागर से गुजरने वाले अन्य जहाजों को भी चेतावनी दी है। यही वजह है कि बाजार को अभी भी आशंका है कि अगर हालात बिगड़ते हैं तो तेल आपूर्ति और शिपिंग पर बुरा असर पड़ सकता है। आने वाले दिनों में निवेशक इस समझौते की अवधि, पश्चिम एशिया में तनाव की स्थिति ओपेक प्लस के फैसलों और वैश्विक तेल मांग पर बारीकी से नजर रखेंगे, जो कच्चे तेल की अगली चाल को निर्धारित करेंगे।

एलन मस्क ने एक दिन में गंवाए 89.6 अरब डॉलर, अंबानी की कुल संपत्ति से भी ज्यादा

टेस्ला और स्पेसएक्स के शेयर लुढ़के, टॉप 10 में से 8 अरबपतियों की संपत्ति घटी

वाशिंगटन।

दुनिया के सबसे अमीर कारोबारी एलन मस्क की नेटवर्थ में हाल ही में रिकॉर्ड गिरावट दर्ज की गई है। स्पेसएक्स के शेयरों में 13.61 फीसदी और टेस्ला के शेयरों में 1.77 फीसदी की भारी गिरावट के चलते मस्क की संपत्ति में 89.6 अरब डॉलर का नुकसान हुआ। यह रकम रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी की कुल नेटवर्थ (85.7 अरब डॉलर) से भी अधिक है। हालांकि, इस भारी गिरावट के बावजूद, साल 2026 की शुरुआत से अब तक मस्क की संपत्ति में कुल 68.1 अरब डॉलर की बढ़ोतरी बनी हुई है। वैश्विक स्तर पर सिर्फ मस्क ही नहीं बल्कि दुनिया के शीर्ष 10 अरबपतियों में से 8 की नेटवर्थ में गिरावट आई। गूगल के कोफाउंडर लैरी पेज को 11.5 अरब डॉलर का नुकसान हुआ, जिनकी नेटवर्थ 309 अरब डॉलर रह गई।

सर्गेई ब्रिन को भी 10.5 अरब डॉलर की चपत लगी, जिससे वे 288 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ चौथे स्थान पर खिसक गए। भारतीय अरबपतियों में गौतम अडानी 113 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ वैश्विक सूची में 17वें स्थान पर हैं। बुधवार को उनकी संपत्ति में 27.2 लाख डॉलर का इजाफा हुआ और इस वर्ष अब तक वे 28.1 अरब डॉलर कमा चुके हैं। वहीं मुकेश अंबानी की नेटवर्थ बुधवार को 51.4 करोड़ डॉलर घटी है और साल 2026 में अब तक उनकी कुल संपत्ति में 22 अरब डॉलर की कमी आई है।

संक्षिप्त समाचार

आईसीसी वनडे रैंकिंग शुभमन टॉप पर काबिज

नई दिल्ली। वनडे बल्लेबाजों की टॉप 10 लिस्ट में कप्तान शुभमन गिल समेत तीन भारतीय हैं। शुभमन टॉप पर काबिज हैं। न्यूजीलैंड के डेरिल मिचेल दूसरे नंबर पर हैं। गिल ने पिछले हफ्ते मिचेल से बादशाहत छीनी थी। भारत ने आखिरी वनडे 19 जुलाई को

इंग्लैंड के खिलाफ खेला था। स्टार बल्लेबाज विराट कोहली तीसरे और रोहित शर्मा चौथे पायदान पर हैं। अफगानिस्तान के इब्राहिम जादरान पांचवें और पाकिस्तान के बाबर आजम छठे पायदान पर हैं। नीदलैंड और नेपाल के तीन-तीन खिलाड़ियों को आईसीसी की ताजा वनडे रैंकिंग में फायदा हुआ है। कप्तान शुभमन गिल समेत तीन भारतीय टॉप 10 बल्लेबाजों की लिस्ट में शामिल हैं। मेंस वनडे खिलाड़ियों की ताजा रैंकिंग जारी की है। नीदरलैंड टीम जारी आईसीसी मेंस क्रिकेट वर्ल्ड कप लीग 2 कॉम्पिटिशन में अच्छी फॉर्म में है। हाल ही में उसने यूट्रेक्ट में नेपाल को 57 रन से शिकस्त दी। नीदरलैंड की नजर अब मेंस क्रिकेट वर्ल्ड कप क्वालिफायर इवेंट में एंट्री करने पर है। कप्तान स्कॉट एडवर्ड्स ने नेपाल के खिलाफ 57 रनों की पारी खेली, जिससे नीदरलैंड ने लीग 2 टेबल में टॉप चार में अपनी जगह पक्की कर ली। एडवर्ड्स वनडे बल्लेबाजों की लेटेस्ट रैंकिंग में 4 पायदान चढ़कर 34वें नंबर पर आ गए हैं। वनडे बॉलर रैंकिंग में नीदरलैंड के स्पिनर वैन डेर मर्व 11 स्थान की छलांग लगाई। वह अब संयुक्त रूप से 63वें स्थान पर आ गए हैं। लोगान वैन बीक तीन स्थान ऊपर 76वें पर पहुंच गए। उन्होंने मैच में दो विकेट चटकाए थे। नेपाल के भी तीन खिलाड़ियों का फायदा हुआ है। ललित राजबंशी (एक स्थान ऊपर 45वें पर) और करण केसी (सात स्थान ऊपर 83वें पर) वनडे बॉलर्स की अपडेटेड लिस्ट में आगे बढ़े हैं। नेपाल के आसिफ शेख दो स्थान ऊपर चढ़कर वनडे बल्लेबाजों की लिस्ट में 76वें नंबर पर आ गए।

शाकिब के घर पर हमला पत्थर-पेट्रोल बम फेंके

ढाका। बांग्लादेश क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और अवामी लीग के पूर्व सांसद शाकिब अल हसन के मगुरा शहर में बने घर पर हमला हुआ है। यह घटना पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की वर्चुअल प्रेस कॉन्फ्रेंस में शाकिब के शामिल होने के कुछ घंटों बाद हुई। शाकिब के घर पर हमला रात 8.45 से 9 बजे के बीच हुआ। मगुरा सदर पुलिस के अफसर मोहम्मद अब्दुल्ला अल मामून ने बताया कि कुछ उपद्रवियों ने पत्थर फेंके और खिड़कियां तोड़ दीं। हमलावरों ने घर में आग लगाने की कोशिश की। यह दावा किया जा रहा है कि इसके लिए हमलावर कोल्डड्रिंक की बोतलों में पेट्रोल भरकर लाए थे। गनीमत यह रही कि हमले के वक्त घर खाली था, इसलिए किसी के घायल होने की खबर नहीं है। शाकिब इस वक्त श्रीलंका में हैं। घटना के बाद पुलिस फोर्स को तैनात कर दिया गया है। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने दो साल बाद बुधवार को लोगों को वर्चुअली संबोधित किया। जब हसीना बोल रही थीं, उस दौरान उनका कैमरा बंद था। हसीना ने 25 मिनट भाषण दिया। इस दौरान शाकिब अल हसन, शेख हसीना के बेटे सजीब वाजेद जॉय, पूर्व शिक्षा मंत्री मोहिबुल हसन चौधरी भी मौजूद थे। शाकिब अल हसन शेख हसीना की आवामी लीग से जुड़े हुए हैं। वह बुधवार को हसीना के वर्चुअली संबोधन में शामिल हुए। शाकिब अल हसन शेख हसीना की आवामी लीग से जुड़े हुए हैं। वह बुधवार को हसीना के वर्चुअली संबोधन में शामिल हुए। शाकिब ने सांसद रहते हुए भी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट और टी-20 लीग में खेलना नहीं छोड़ा। अगस्त 2024 में जब बांग्लादेश में बगावत शुरू हुई, तब भी शाकिब की आलोचना हुई। सरकारी नौकरियों में आरक्षण के खिलाफ शुरू हुए छात्र आंदोलन के दौरान शाकिब पर आरोप लगे कि उन्होंने अवामी लीग के सांसद होने के कारण चुप्पी साधे रखी।

मेरा रिकॉर्ड शायद वैभव तोड़ेगा

बटलर के बनाया टी-20 में सर्वाधिक रन का रिकॉर्ड

● सूर्यवंशी को लेकर जोस ने की भविष्यवाणी

लंदन, एजेंसी। इंग्लैंड के विस्फोटक बल्लेबाज जोस बटलर ने टी20 क्रिकेट में नया इतिहास रच दिया है। द हंड्रेड टूर्नामेंट में मैनचेस्टर सुपर जाएंट्स की ओर से खेलते हुए उन्होंने वेस्टइंडीज के दिग्गज कीरोन पोलार्ड को पीछे छोड़कर टी20 क्रिकेट के इतिहास में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बनने की उपलब्धि हासिल की। इस उपलब्धि के बाद बटलर ने एक ऐसा बयान दिया, जिसने भारतीय क्रिकेट फैंस का ध्यान अपनी ओर खींच लिया।

वेल्श फायर के खिलाफ मुकाबले में बटलर ने महज 20 गेंदों में नाबाद 51 रन की तूफानी पारी खेली। इस दौरान उन्होंने दो चौके और छह छक्के लगाए। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 250 का रहा। इसी पारी के दौरान उन्होंने टी20 क्रिकेट में अपने कुल रन 14,833 तक पहुंचा दिए।

बटलर ने इस मामले में किरोन पोलार्ड (14,803 रन) को पीछे छोड़ दिया। इससे पहले लंबे समय तक यह रिकॉर्ड वेस्टइंडीज के महान बल्लेबाज क्रिस गेल (14,562 रन) के नाम था। बटलर ने 522 टी20 मैचों में नौ शतक और 105 अर्धशतकों की मदद से यह उपलब्धि हासिल की है।

वैभव सूर्यवंशी का लिया नाम

रिकॉर्ड अपने नाम करने के बाद बटलर ने कहा कि यह उपलब्धि उनके लिए बेहद खास है, लेकिन उन्हें भरोसा है कि भविष्य में कोई न कोई इस रिकॉर्ड को तोड़ेगा। उन्होंने भारतीय युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी का नाम लेते हुए बड़ा बयान दिया। बटलर ने कहा, 'यह सोचकर बहुत अच्छा लगता है कि टी20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन मेरे नाम हैं। एक दिन कोई न कोई इस रिकॉर्ड को तोड़ेगा और शायद उसका नाम वैभव सूर्यवंशी होगा। लेकिन फिलहाल यह मेरे लिए गर्व का पल है।'

खराब फॉर्म से वापसी पर भी बोले बटलर

बटलर ने माना कि कुछ महीने पहले उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं था, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी और लगातार मेहनत करते रहे। उन्होंने कहा, 'क्रिकेट बहुत जल्दी बदल जाता है। कुछ महीने पहले मैं अपनी फॉर्म से जूझ रहा था, लेकिन पिछले कुछ हफ्तों में मुझे लग रहा है कि मैं अपने करियर की सबसे अच्छी बल्लेबाजी कर रहा हूं। आपके पास केवल दो विकल्प होते हैं- या तो हार मान लें या फिर ऊर्जा और दृढ़ संकल्प के साथ वापसी की कोशिश करें। मैंने दूसरा रास्ता चुना और उसी पर ध्यान केंद्रित किया।'

मैनचेस्टर सुपर जाएंट्स ने नौ विकेट से जीता मैच

मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करते हुए वेल्श फायर ने मैट शॉर्ट के 71 और फिल सॉल्ट के 48 रन की बदौलत 100 गेंदों में चार विकेट पर 155 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करते हुए मैनचेस्टर सुपर जाएंट्स ने शुरुआत से ही आक्रामक बल्लेबाजी की। टिम साइफर्ट ने 36 गेंदों में नाबाद 62 रन बनाए, जबकि पॉल वाल्टर ने 18 गेंदों में 37 रन की तेज पारी खेली। बटलर की नाबाद 51 रन की विस्फोटक पारी की बदौलत टीम ने एक विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया और नौ विकेट से शानदार जीत दर्ज की।

कोच गंभीर की खिलाड़ियों को नसीहत

मानसिक और शारीरिक रूप से सभी तैयार रहे

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के हेड कोच गौतम गंभीर ने शुभमन गिल की अगुवाई वाली टीम इंडिया को श्रीलंका के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज में हर चुनौती का सामना करने के लिए मानसिक और शारीरिक रूप से तैयार रहने की सलाह दी है। श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज का आगाज 15 अगस्त से होना है। इससे पहले, भारतीय टीम श्रीलंका इलेवन के खिलाफ तीन दिवसीय प्रैक्टिस मैच में हिस्सा लेगी, जिसकी शुरुआत सात अगस्त से होनी है। पहले टेस्ट की मेजबानी गॉल इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम करेगा, जबकि दूसरा टेस्ट मुकाबला 23 अगस्त से कोलंबो का सिंहलीज स्पोर्ट्स क्लब मैदान करेगा।

बीसीसीआई ने शेयर किया वीडियो

गंभीर ने गुरुवार को भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) द्वारा अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर शेयर किए गए वीडियो में कहा, 'दोस्तों, हम जानते हैं कि हमारे सामने क्या है। हम जानते हैं कि हम किसके लिए खेल रहे हैं। हम जोर लगा सकते हैं, हम अपनी सीमा को पार कर सकते हैं, हम सभी चीजों को पूरा कर सकते हैं। 15 तारीख की सुबह, चाहे हम पहले बैटिंग कर रहे हों, या पहले गेंदबाजी कर रहे हों, हमें हर सवाल और हर जवाब के लिए पूरी तरह तैयार रहना है। इसलिए पक्का करें कि हम अभी से सभी चीजों को पूरा करें।'

गंभीर ने सारांश-नबी का किया स्वागत

गंभीर ने नए खिलाड़ियों, ऑफ-स्पिन गेंदबाजी ऑलराउंडर सारांश जैन और तेज गेंदबाज आकिब नबी का टेस्ट सेटअप में आधिकारिक तौर पर स्वागत किया। इसके साथ ही हेड कोच ने नए नियुक्त फील्डिंग कोच, सुभादीप घोष का भी स्वागत किया। गंभीर वीडियो में कहते हैं, 'दोस्तों, सभी का स्वागत है। हमारे साथ कुछ नए लोग आए हैं। सबसे पहले, सारांश, बधाई हो, आपने यहां तक पहुंचने के लिए बहुत मेहनत की है। जब भी आपको मौका मिले, अपने परिवार और देश को गर्व महसूस कराना सुनिश्चित करें। दूसरी बात, मैं आकिब को बधाई देना चाहता हूं, आपका पिछला सीजन शानदार रहा था, और आपने जम्मू-कश्मीर को रणजी ट्रॉफी जिताई, जो एक बड़ी उपलब्धि है। एक बार फिर बधाई।'

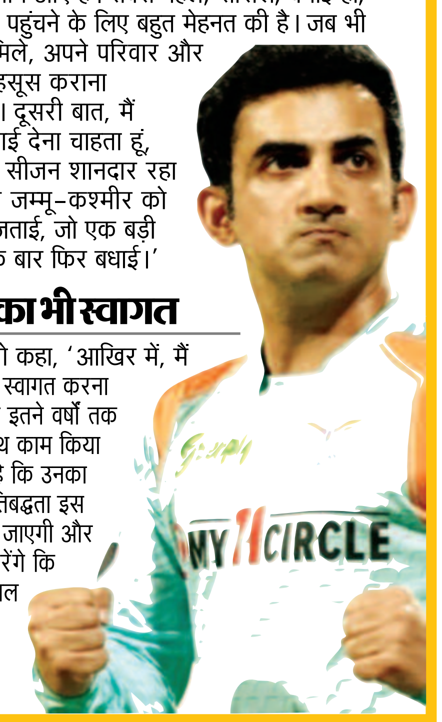

सुभादीप का भी स्वागत

हेड कोच ने आगे कहा, 'आखिर में, मैं सुभादीप का भी स्वागत करना चाहता हूं। उन्होंने इतने वर्षों तक कई टीमों के साथ काम किया है। मुझे यकीन है कि उनका जुनून, उनकी प्रतिबद्धता इस टीम को आगे ले जाएगी और यह सुनिश्चित करेंगे कि उनका एनर्जी लेवल सभी को टारगेट हासिल करने में मदद करे।'

पहलवान दीपांशु डोप में फंसे नाडा ने लगाया अस्थायी प्रतिबंध

नई दिल्ली, एजेंसी। एशियाई खेल शुरू होने से पहले ही भारतीय कुश्ती टीम के अभियान को झटका लगा है। लखनऊ में एशियाई खेलों का ट्रायल जीतकर 130 किलो भार वर्ग की ग्रीको रोमन टीम में जगह बनाने वाले पहलवान दीपांशु डोप में

फंस गए हैं। उन पर नाडा ने अस्थायी प्रतिबंध लगा दिया है और उन्हें भारतीय टीम से बाहर कर दिया गया है।

खास बात यह है कि दीपांशु दूसरी बार डोप में पॉजिटिव पाए गए हैं। इससे पहले वह गुजरात में हुए राष्ट्रीय खेलों में डोप के मामले में फंसे थे।

डोप में फंसने के बाद दीपांशु को राष्ट्रीय शिविर से भी बाहर कर दिया गया है। वह हंगरी में होने वाले विश्व चैंपियनशिप में भी खेलने जा रहे थे। उनका वीजा भी लग गया था। उसी समय उनके डोप सैंपल की रिपोर्ट आई। उन्होंने उस दौरान अपना अपराध स्वीकार कर लिया था, जिसके चलते उन्हें तीन साल का प्रतिबंध लगा था। वर्ष 2025 में प्रतिबंध खत्म करने के बाद उन्होंने राष्ट्रीय चैंपियनशिप के जरिए एशियाई खेलों के लिए चयनित होने वाले राष्ट्रीय शिविर में जगह बनाई थी।दीपांशु को एशियाई खेलों में 130 किलो भार वर्ग का प्रबल दावेदार माना जा रहा था। दूसरी बार डोप में फंसने के कारण उन पर अब स्थायी प्रतिबंध लग सकता है। नाडा ने उन्हें आरोप पत्र भेज दिया है। भारतीय कुश्ती महासंघ ने दीपांशु की जगह 130 किलो भार वर्ग में सोतक को शामिल कर लिया है।

विदेशी धरती पर तीन साल बाद टेस्ट जीता पाकिस्तान

टेस्ट चैंपियनशिप तालिका में ये आया बदलाव

रैंक	टीम	मैच	जीत	हार	ड्रॉ	अंक	अंक प्रतिशत
1	ऑस्ट्रेलिया	8	7	1	0	84	87.50
2	दक्षिण अफ्रीका	4	3	1	0	36	75.00
3	न्यूजीलैंड	6	4	1	1	52	72.22
4	बांग्लादेश	4	2	1	1	28	58.33
5	भारत	9	4	4	1	52	48.15
6	श्रीलंका	4	1	1	2	20	41.67
7	इंग्लैंड	13	4	8	1	38	24.36
8	पाकिस्तान	6	2	4	0	16	22.22
9	वेस्टइंडीज	12	2	8	2	30	20.83

नई दिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान ने वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टेस्ट में आठ विकेट की जीत दर्ज कर दोहरा फायदा हासिल किया। एक ओर टीम ने विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 की अंकतालिका में एक स्थान की छलांग लगाई, वहीं दूसरी ओर विदेशी सरजमीं पर तीन साल से चली आ रही जीत की तलाश भी खत्म कर दी। बाबर आजम की कप्तानी में मिली यह जीत पाकिस्तान के लिए आत्मविश्वास बढ़ाने वाली साबित हुई।

दूसरे टेस्ट से पहले पाकिस्तान अंकतालिका में नौवें और अंतिम स्थान पर था। वेस्टइंडीज पर जीत के बाद टीम अब आठवें स्थान पर पहुंच गई है। पाकिस्तान का जीत प्रतिशत बढ़कर 22.22 हो गया है, जबकि वेस्टइंडीज एक स्थान नीचे खिसककर नौवें नंबर पर पहुंच गया।

वेस्टइंडीज ने पहली पारी में 344 रन बनाए थे। इसके जवाब में पाकिस्तान ने 387 रन बनाकर 43 रन की अहम बढ़त हासिल की। दूसरी पारी में कैरेबियाई बल्लेबाजी पूरी तरह बिखर गई और पूरी टीम केवल 117 रन पर सिमट गई। पाकिस्तान की जीत में स्पिनरों अली उस्मान और साजिद खान की अहम भूमिका रही। दोनों ने चार-चार विकेट लेकर वेस्टइंडीज की दूसरी पारी को ध्वस्त कर दिया।

75 रन का लक्ष्य आसानी से किया हासिल

जीत के लिए 75 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए पाकिस्तान की शुरुआत अच्छी नहीं रही। इमाम-उल-हक जल्दी आउट हो गए, जबकि अजान अवैस भी बड़ी पारी नहीं खेल सके। इसके बाद कप्तान बाबर आजम और अब्दुल्ला शफीक ने जिम्मेदारी संभाली। दोनों बल्लेबाज 24-24 रन बनाकर नाबाद लौटे और पाकिस्तान ने केवल दो विकेट खोकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ दो मैचों की टेस्ट सीरीज 1-1 की बराबरी पर समाप्त हुई। पहले टेस्ट में वेस्टइंडीज ने पाकिस्तान को 90 रन से हराया था।

बीडब्ल्यूएफ चैंपियनशिपः आयुष की पहले ही दौर में मौजूदा चैंपियन शी यूकी से भिड़ंत, सिंधू-लक्ष्य को आसान शुरुआत

नई दिल्ली। बीडब्ल्यूएफ विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप के ड्रॉ में भारतीय खिलाड़ियों को मिला-जुला मुकाबला मिला है। एशियन चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता आयुष शेट्टी को पहले ही दौर में मौजूदा विश्व चैंपियन और चीन के स्टार शी यूकी का सामना करना होगा। वहीं, पीवी सिंधू और लक्ष्य सेन को शुरुआती दौर में अपेक्षाकृत आसान प्रतिद्वंद्वी मिले हैं। 17 से 23 अगस्त तक नई दिल्ली के इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में होने वाली इस प्रतियोगिता की मेजबानी भारत 17 साल बाद कर रहा है।

पूर्व विश्व चैंपियन पीवी सिंधू अपने अभियान की शुरुआत आयरलैंड की विश्व नंबर 141 सोफिया नोबेल के खिलाफ करेंगी। सिंधू विश्व चैंपियनशिप में रिकॉर्ड छठा पदक जीतने के इरादे से उतरेंगी। ड्रॉ के अनुसार सिंधू पदक दौर से पहले दुनिया की नंबर एक एन से यंग (दक्षिण कोरिया) और मौजूदा विश्व चैंपियन अकाने यामागुची (जापान) से भिड़ने से बच गई हैं। हालांकि, प्री-क्वार्टर फाइनल में उनका सामना चीन की तीसरी वरीय वांग झी यी से हो सकता है, जबकि क्वार्टर फाइनल में इंडोनेशिया की छठी वरीय पुत्री कुसुमा वारदानी चुनौती बन सकती हैं। 2021 विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता लक्ष्य सेन पहले दौर में ऑस्ट्रिया के कोलिन्स वेलेंटाइन फिलिमोन से भिड़ेंगे। अगर वह आगे बढ़ते हैं तो प्री-क्वार्टर फाइनल में दूसरी वरीयता प्राप्त थाईलैंड के कुनलावुत वितिदसर्न से संभावित मुकाबला हो सकता है। भारतीय खिलाड़ियों में सबसे कठिन ड्रॉ आयुष शेट्टी को मिला है। उनका पहले ही मैच में चीन के शीर्ष खिलाड़ी और मौजूदा विश्व चैंपियन शी यूकी से सामना होगा। आयुष अब तक शी यूकी के खिलाफ तीनों मुकाबले हार चुके हैं, लेकिन हालिया मुकाबलों में उन्होंने चीनी खिलाड़ी को कड़ी टक्कर दी है।

गावस्कर ने चुनी 2027 विश्वकप के लिए संभावित टीम! आकाश-अश्विन ने दी प्रतिक्रिया

नई दिल्ली। वनडे विश्व कप 2027 में अभी करीब 14 महीने का समय बाकी है, लेकिन भारतीय टीम को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। 2023 विश्व कप में उपविजेता रहने वाली टीम इंडिया 2027 में खिताब जीतने के इरादे से उतरेगी। मौजूदा टी20 विश्व कप और चैंपियंस ट्रॉफी जीतने के बाद शुभमन गिल की अगुआई वाली टीम से उम्मीदें और भी बढ़ गई हैं। इसी बीच पूर्व भारतीय कप्तान सुनील गावस्कर ने 2027 विश्व कप के लिए अपनी संभावित 15 सदस्यीय भारतीय टीम चुनी है। पूर्व बल्लेबाज आकाश चोपड़ा ने इस टीम का विश्लेषण करते हुए इसे काफी संतुलित बताया।

सुनील गावस्कर की संभावित भारत टीमः शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल (विकेटकीपर), ईशान किशन (विकेटकीपर), हार्दिक पांड्या, नीतीश कुमार रेड्डी, अक्षर पटेल, रवींद्र जडेजा, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, कुलदीप यादव, हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह।

आकाश चोपड़ा के मुताबिक, गावस्कर ने शीर्ष क्रम में कोई बड़ा बदलाव नहीं किया है। उनकी टीम में शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर और केएल राहुल को जगह मिली है> विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन भी 15 सदस्यीय टीम का हिस्सा हैं। आकाश चोपड़ा ने कहा, 'शुभमन गिल, रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर और केएल राहुल टॉप-5 में हैं। यह लगभग वही बल्लेबाजी क्रम है जो चैंपियंस ट्रॉफी में था। ईशान किशन इस समय लगातार रन बना रहे हैं और इस प्रारूप के लिए तैयार नजर आते हैं।'

दूसरी ओर, रविचंद्रन अश्विन ने अपनी संभावित विश्व कप टीम में अनुभवी तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार को शामिल करने की वकालत की है। उनका मानना है कि दक्षिण अफ्रीका की परिस्थितियों में भुवनेश्वर उपयोगी साबित हो सकते हैं। अश्विन ने कहा, 'भुवनेश्वर कुमार मेरी टीम में जरूर होंगे। मैं उनसे बात करूंगा और उन्हें घरेलू क्रिकेट, विजय हजारे ट्रॉफी समेत सभी टूर्नामेंट खेलने के लिए कहूंगा, ताकि दक्षिण अफ्रीका की परिस्थितियों के लिए वह पूरी तरह तैयार रहें। मुझे लगता है कि वहां हमें उनकी जरूरत पड़ेगी।'

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष — चू चे चो ला ली लू ले लो आ
मित्तव्ययता रखें क्योंकि रुपये-पैसों की सुविधा आगे मिले न मिले। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बना रहेगा। बचते-बचते कलह विवाद का डर बना रहेगा। शुभांक-4-5-7

वृष — इ उ ए ओ वा वी वू वे वो
निकटस्थ व्यक्ति का सहयोग काम को गति दिला देगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-3-5-7

मिथुन — का की कू घ ङ छ के को हा
कार्यारम्भ से पहले उचित मूल्यांकन कर लें। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। मेहमानों का आगमन होगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। शुभांक-5-7-9

कर्क — ही हू हे हो डा डी डू डे डो
ज्ञानीजनों का सानिध्य प्राप्त होगा। आध्यात्मिक वातावरण बनेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ सांझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। यात्रा का योग बन रहा है। शुभांक-2-6-7

सिंह — मा मी मू मे मो टा टी टू टे
विवादों व मुकदमे बाजी से राहत मिलेगी। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-4-6-8

कन्या — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। अपने आपको अधिक सक्रिय पायेगें। भावनाओं में न बहें, सावधान रहें। रुका हुआ धन प्राप्त होगा। अवरुद्ध कार्य सम्पन्न होंग। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान्य रहेगी। शुभांक-3-5-7

तुला — रा री रु रे रो ता ती तू ते
शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग है। शुभांक-2-4-6

वृश्चिक — तो ना नी नू ने नो य यी यू
कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। हरि करे सो खरी अत: हानि का कोई भय नहीं, यथावत कार्य जारी रखें। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। मातृ पक्ष से विशेष लाभ। शुभांक-2-4-7

धनु — ये यो भा भी भू धा फा ढा भे
मुंह मांगी मुराद मिलेगी यानि इच्छित फल की प्राप्ति होगी। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। शुभांक-3-5-8

मकर — भे जा जी खी खू खे खो गा गी
स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। बचते-बचते कलह विवाद का डर बना रहेगा। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। शुभांक-3-6-9

कुंभ — गू गे गो सा सी सू से सो दा
मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। अपने काम को प्राथमिकता से करें। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। किसी से निकटता प्रेम-प्रसंग में बदलेगी। सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। शुभांक-3-5-7

मीन — दी दू थ झ ञ दे दो चा ची
अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। शुभांक-5-8-9

काकुरो पहेली - 3971

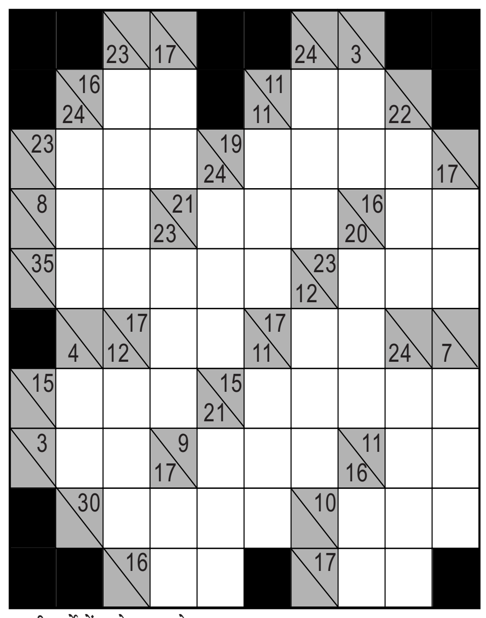

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

1+2+3+4+5+6=21
1+2+3+4+5+7=22
3+5+6+7+8+9=38
4+5+6+7+8+9=39

काकुरो - 3970 का हल

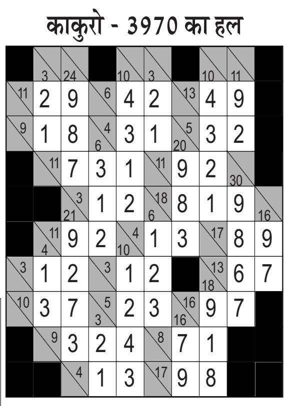

लॉफिंग ज़ोन

एक बार में थर्टी फर्स्ट की पार्टी मना रहे युवक-युवतियों का ध्यान अचानक बोर्ड पर गया, जिसमें लिखा था 'यहाँ देर रात तक नहीं चलेगी पार्टियाँ।'

उनमें से एक युवक ने घड़ी देखी और घबराया हुआ मेन गेट पर आकर झाँकने लगा।

तभी पास ही गश्त लगा रहे पुलिस वाले ने कहा- तुम्हारे पास अब सिर्फ चार ही मिनट बचे है। यहाँ से जल्दी भागो वर्ना अंदर कर दूँगा।

□ □ □

प्रेमिका से मिलने गया प्रेमी बोला- अभी तुमसे मिलने आते समय रास्ते में किसी ने मेरी जेब ही काट ली?

प्रेमिका- तो तुमने पुलिस में रिपोर्ट दर्ज की?

प्रेमी नहीं- ...जैसे ही मैंने कटी हुई जेब देखी, फौरन पास वाले दर्जी से सिलवा ली।

□ □ □

अपने दोस्तों के साथ ताश खेल रहा क्रोधित पति (पत्नी से)- युधिष्ठिर भी तो जुआ खेलते थे, फिर तुम मुझे क्यों रोकती हो?

पत्नी इतराकर बोली- कभी नहीं रोकूँगी! खूब खेलो जुआ, लेकिन इस बात को याद रखना की द्रौपदी के पाँच पति थे।

फिल्म वर्ग पहेली - 3971

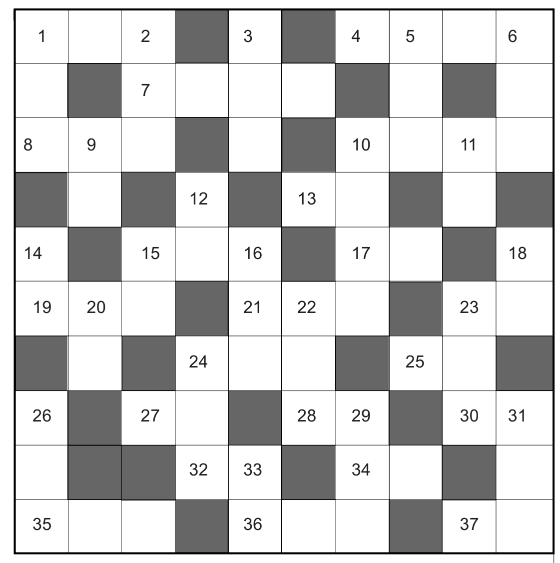

बायें से दायें:-

१. अशोककुमार, नूतन, धर्मेन्द्र की 'ओ जाने वाले' गीत वाली फिल्म-३
४. गोविंदा, शिल्पा शेट्टी की 'स्पॉप दैट मेरी मर्जी' गीत वाली फिल्म-४
७. 'आज गालो मुस्कुरालो' गीत वाली राजेंद्र, धर्मेन्द्र, माला की फिल्म-३
८. फिल्म 'कभी कभीण' में ऋषिकपूर के साथ किस की जोड़ी थी-३
१०. १९७१ में आई अमिताभ, योगिता बाली का एक फिल्म-४
१३. 'कभी शाम ढले' गीतवाली फिल्म-२
१५. 'गोरी तेरा नखरा' गीत वाली बॉबी देओल, करिश्मा की फिल्म-३
१७. 'शादी के लिये रजामंद' गीत वाली फिल्म-२
१९. सैफ अली, काजोल की फिल्म-३
२१. अनिलधवन, नीतू सिंह की 'तेरी गलियों में ना' गीतवाली फिल्म-३
२३. 'तु मेरे पास भी है' गीत वाली फिल्म-२
२४. राजेंद्रकुमार, साधना की फिल्म-३
२५. अनिलकपूर, माधुरी की 'खत लिखना है' गीतवाली फिल्म-२
२७. राजीव, डिम्पल की फिल्म-२
२८. संजयदत्त, अभिषेक, जायेद, एशा, राइमा, शिल्पा की फिल्म-२
३०. 'तसवीर तेरी दिल में' गीत वाली देवआनंद, माला सिन्हा की फिल्म-२
३२. फिल्म 'हम तो मुहब्बत करेगा' में बॉबी देओल के किरदार का नाम-२
३४. 'देखें भी तो क्या' गीत वाली फिल्म-२
३५. 'चुराओ ना दिल' गीत वाली फिल्म-३
३६. दिलीपकुमार, वैजयंतीमाला की 'तेरे हुस्न की क्या' गीत वाली फिल्म-३
३७. फिल्म 'अलग-अलग' में राजेश खन्ना की नायिका कौन थी-२

ऊपर से नीचे:-

१. 'तेरे नैना मेरे नेनों की' गीत वाली फिल्म-३
२. फिल्म 'खुदगर्ज' में नायिका कौन थी-३
३. अनिलकपूर, माधुरी नम्रता की फिल्म-३
५. 'सैंया दिल में आना रे' गीतवाली फिल्म-३
६. फिल्म 'बारूद' में अक्षय की नायिका-३
९. बलराज साहनी, नूतन की फिल्म-२
१०. 'जरा तसवीर से तू' गीत वाली फिल्म-४
११. 'एक दूजे के लिए' में कमल हासन के किरदार का क्या नाम था-२
१२. फिल्म 'चोर मचाए शोर' में नायक-२
१४. राजकपूर, नर्गिस की 'ये शाम की तन्हाइयाँ' गीत वाली फिल्म-२
१५. 'शीशा हो या दिल हो' गीत वाली फिल्म-२
१६. सुनील शेट्टी, सोनाली की 'दिल जंगली कबूतर' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'मैं प्यार का पुजारी' गीत वाली गोविंदा, नीलम की फिल्म-२
२०. 'कमरिया लचके रे' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'और हम तुम' गीत वाली नाना पाटेकर, माधुरी दीक्षित की फिल्म-३
२३. फिल्म 'निकाह' की नायिका-३
२४. राज कपूर, नर्गिस की 'दम भर जो उधर' गीत वाली फिल्म-३
२६. 'जब ना माना दिल' गीत वाली कमल सदाना, काजोल की फिल्म-३
२९. राजेश खन्ना, शर्मिला की 'जीवन से भरी तेरी आँखें' गीत वाली फिल्म-३
३१. 'मेरा पिया' गीत वाली माधुरी की फिल्म-३
३३. विक्रम, लक्ष्मी की 'दिल क्या करे जब किसी को' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली - 3970

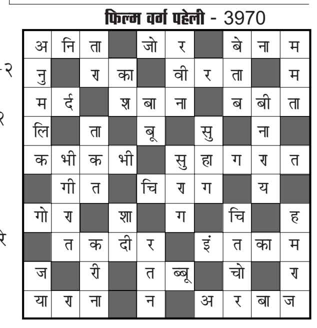

सूडोकु -3971

					1	4		
						5	8	
			7	2				
			2				6	7
4								3
5	8				9			
				8	5			
	7	6						
		9	3					

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3970 का हल

7	8	9	2	3	1	6	5	4
3	2	4	6	5	9	7	8	1
6	5	1	8	4	7	2	9	3
5	1	7	3	9	8	4	6	2
4	6	8	5	1	2	9	3	7
9	3	2	4	7	6	8	1	5
1	4	6	9	2	3	5	7	8
2	9	3	7	8	5	1	4	6
8	7	5	1	6	4	3	2	9

शब्द पहेली - 3971

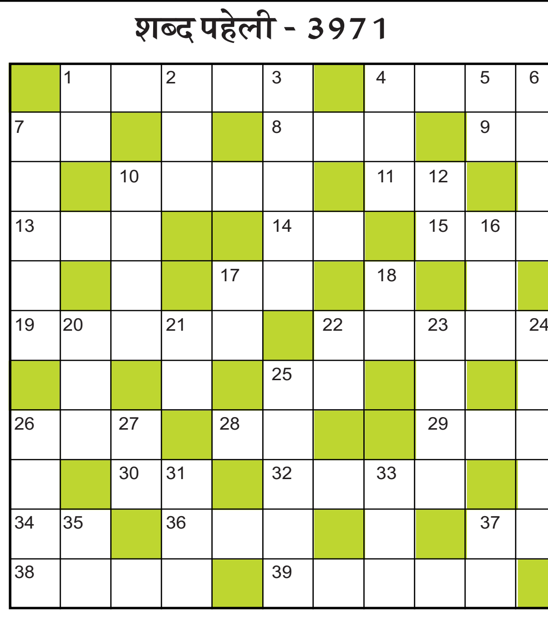

बाएँ से दाएँ

1.असहकार-5
4.शत्रुता,दुश्मनी-4
7.नाच,नृत्य (उर्दू-2)
8.विष्णु का वाहन-3
9.मादा का विलोम-2
10.ईश्वर,शिव-4
11.संज्ञा,संबोधन-2
13.वेग,गति-3
14.महसूल,राहदरी-2
15.अंधकार,अंधेरा-3
17.कुंजी,ताली-2
19.गोलाकार-5
22.इतरता,बेगानापन-5
25.समय,वक्त-2
26.स्याही का पात्र-3
28.अच्छा,सद् पुरुष-2
29.अदृश्य-3
30.मिट्टी,धूल-2
32.नट,बाजीगरी करने वाला-4
34.टैक्स,हाथ-2
36.बोलने का तरीका-3
37.खदान-2
38.जो जायज न हो-4
39.श्री रामचंद्र का नाम-5

ऊपर से नीचे

1.तराजू डंडा,पासा-2
2.पराजित करना-3
3.बहुत लंबा -5
4.रुकना,अड़ जाना-3
5.जंगल,कानन-2
6.तीर रखने का पात्र-4
7.सार-संभाल-2,3
10.पूंजी,धन-4
12.वोट,राय-2
16.राजा,महाराजा-3
17.चतुर्थ,चौथा-2
18.हलवा-2
20.पक्षाघात-3
21.तन,देह-2
22.क्षण-2
23.स्मारक-4
24.चोर,लुटेरा-5
25.जैकी श्राफ, अनिल कपूर,किमी काटकर व फराह अभिनीत फिल्म -5
26.टूटना,बिखरना-4
27.पानी से सराबोर-2
31.कमल,नीरज-3
33.बादलों की गड़गड़ाहट-3
35.छुट्टी,अवकाश-2
37.राख,मिट्टी-2

शब्द पहेली -3970 का हल

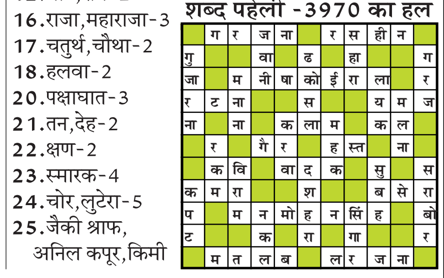

हेल्थ प्लस

फाइबरयुक्त फूड रखे तनाव से दूर

संतुलित आहार न सिर्फ आपकी सेहत को अच्छा रखता है, बल्कि तनाव को कम करने में मदद करता है। कुछ खास फूड और ड्रिंक्स सीधे तनाव का कारण बनते हैं। जैसे- कॉफी, चाय, चॉकलेट और केक आदि। इनमें कैफीन की मात्रा अत्यधिक पाई जाती है, जिनसे तनाव का स्तर बढ जाता है। इसलिए इनसे बचना ही बेहतर होता है।

क्या खाएं

- अपने आहार में कार्बोहाइड्रेट्स को शामिल करें। चावल, पास्ता, आलू, ब्रेड, लो कैलरीज कुकीज कार्बोहाइड्रेट के प्रमुख स्त्रोत होते हैं इसके। अगर आप दिन में एक बेक्ड आलू या एक कप स्पैगेटी या चावल लेते हैं तो आपका पूरा दिन चिंतामुक्त और तनावमुक्त गुजरेगा।
- अपने आहार में फाइबरयुक्त चीजों को शामिल करें। फाइबर आपकी पाचन-क्रिया को भी दुरुस्त रखता है। आपको अपने भोजन से प्रतिदिन लगभग 25 ग्राम फाइबर प्राप्त होता है। फल, सब्जियां और साबुत अनाज फाइबर के बेहतरीन स्त्रोत हैं। तनाव से बचने के लिए ब्रेकफास्ट में जूस की अपेक्षा पूरा फल खाएं। गेहूं से बनी ब्रेड, होल ग्रेन सीरियल्स लें। साबुत अनाज ब्रेन न्यूरोट्रांसमीटर सेरोटोनिन के उत्पाद को बढाता है, जो आपके सोचने-समझने की शक्ति को बढाता है और तनाव को कम करने में मदद करता है।
- पर्याप्त सब्जियां अपने आहार में शामिल करें। हरी, पीली और नारंगी रंग की सब्जियों में मिनरल्स, विटमिंस और फाइटोकेमिकल्स होते हैं, जो इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाते हैं, ताकि आप तनाव जैसी समस्याओं से लड सकें।

क्या न खाएं

- कैफीनयुक्त भोजन से बचें। कॉफी, ब्लैक टी नुकसानदेह होती है।
- तले और वसायुक्त भोजन से दूर रहें।
- हाई प्रोटीन फूड का भी कम प्रयोग करें।

सेहत संवारने के उपाय

आप अपनी दिनचर्या में कुछ कारगर उपायों को शामिल करके उनका प्रभाव देखें। इसके लिए आपको करना कुछ खास नहीं करना है, बस कुछ छोटी-छोटी किंतु महत्वपूर्ण बातों को अपनाना है।

- वे चीजें, जिनमें कैलरी ज्यादा हो, उन्हें थोडा ब्रेकफास्ट में और थोडा लंच में लें। दिन भर अगर आप गतिशील रहती हैं तो उनसे आपका मैटाबॉलिज्म मजबूत होगा व आपको ज्यादा ऊर्जा मिलेगी। एक्स्ट्रा कैलरीज जल्दी बर्न भी होंगी। डिनर में वसायुक्त भोजन न लें।
- अगर आप हाउसवाइफ हैं, घर में रोजमर्रा के काम करते हुए इस बात का ध्यान रखें कि आपका काम करने का तरीका ऐसा हो, जिससे कैलरीज ज्यादा से ज्यादा बर्न कर पाएं। जल्दी-जल्दी उठने-बैठने की आदत डालें व आलस से दूर रहें।
- लिफ्ट या एलीवेटर के स्थान पर स्टेयर्स (सीढियों) का उपयोग करें।
- रोज एक बाउल ओटमील खाना भी कोलेस्ट्रॉल कम करने के लिए फायदेमंद रहता है।
- यदि ज्यादा खाने की आदत है तो धीरे-धीरे चबाकर खाना खाएं। एक बाइट (ग्रास) को कम से कम 20 मिनट लगाकर चबाएं। अधिक समय लगाने से पेट भरा लगेगा और पाचन-क्रिया ठीक होगी।
- थोडी-थोडी देर में कुछ खाने से भी आप एक बार भर पेट खाना खाने से बच पाएंगी और कम कैलरी लेंगी।
- सूप पसंद है तो उसे बनाकर फ्रिज में रखें। दोबारा गरम करने से पहले उसके ऊपर की टॉपिंग उतार दें, जिससे अतिरिक्त फैट उस पर से हट जाए।
- कैफीन व एल्कोहॉल से बनी चीजों से दूर रहें।
- शरीर में आयरन की कमी पता चले तो रोज पालक का जूस पिएं। प्राकृतिक आयरन हासिल करने का इससे बेहतर स्त्रोत और कोई और नहीं।
- पानी ज्यादा से ज्यादा पीने की आदत बनाएं, इससे लीवर ठीक से काम करेगा, पाचन-क्रिया दुरुस्त रहेगी, जिससे शरीर को फायदा होगा। इसका परिणाम आपके चेहरे पर भी नजर आएगा।
- एक्सरसाइज को अपनी जीवन शैली का हिस्सा बनाएं। उसकी शुरुआत वार्म अप एक्सरसाइज से करें व अंत कूल डाउन से। शरीर को धीरे-धीरे एक्सरसाइज के लिए तैयार करना जरूरी होता है।
- एक्सरसाइज के समय ढीले व नैचरल फैब्रिक से बने हलके कपडे पहनें। ऐसे, जो पसीने को सोख सकें व पहनने में आरामदायक हों।
- यदि आप एक्सरसाइज करते हुए संगीत सुनती हैं तो आप अधिक समय तक एक्सरसाइज करने के साथ उसे एंजॉय भी कर सकती हैं। कुछ भी ऐसा चुनें, जो अलग हटकर हो और आपको पसंद आए। एकाग्रचित्त होने के लिए इससे बेहतर विकल्प कोई नहीं।
- यदि एक्सरसाइज करते समय आपको दर्द, चक्कर, बैचेनी, सांस का सामान्य न रहना तो तुरंत डॉक्टर से राय लें। ध्यान रहे, किसी भी नई एक्सरसाइज की शुरुआत बिना किसी योग्य प्रशिक्षक की देख-रेख के न करें।
- दिन व्यस्तता से भरा हो तो ब्रिस्क वॉक के लिए 20 मिनट निकालें। इससे आपका तनाव कम होगा और मन तरोताजा हो जाएगा।
- वॅकिंग करते वक्त यदि आपके पेट में क्रैम्स पड रहे हों तो बीच-बीच में रुकें, कमर पर से आगे की तरफ झुकें, सांस अंदर-बाहर करें, धीरे-धीरे और गहरी सांसें लेकर। इससे आपके पेट के निचले हिस्से के मसल्स को सामान्य होने में मदद मिलेगी।
- व्यस्त रोड या धुएं से भरे कमरे में एकसरसाइज करने से बचें। हमेशा प्रदूषण रहित साफ व खुला वातावरण एक्सरसाइज के लिए चुनें।
- सोच पॉजिटिव रखें व सदा मुस्कराती रहें।
- सोने व उठने का समय नियत करें व प्रतिदिन एक ही समय पर सोने जाएं।
- सोने से कुछ देर पहले लाइट बंद कर दें, जिससे नींद अच्छी आए। कोई अच्छी पुस्तक पढें या मधुर संगीत सुनें, वह नींद मीठी लाने में मदद करेगा।
- स्वास्थ्य से जुडी किसी समस्या के लिए जब भी कभी डॉक्टर के पास जाना हो पूछने वाले प्रश्नों की सूची बनाकर जाएं। जवाब लिख लें, न समझ आने पर दोबारा पूछें। यदि कोई दवा ले रही हैं तो वह भी बताएं। यदि किसी दवा से एलर्जी है तो उसे भी बताना न भूलें।

सिर दर्द

सिर दर्द होने का एक कारण आंखों की कमजोरी भी हो सकता है। आंखें कमजोर होने पर सिर दर्द ही क्यों होता है। यह प्रश्न विचारणीय है।

- सिर दर्द होने के दो कारण प्रमुख हैं- पहला आंखों में कम या ज्यादा भेंगापन होने से मांसपेशियों में असंतुलन होने से दर्द होना, दूसरा दृष्टिदोष, कमजोर नजरों (रिफरेक्टरी एरर) के कारण।
- आंखों में कालापानी या सूजन होने से भी सिर दर्द हो सकता है। आंखों में यदि अधिक दृष्टिदोष है, तो आंखों में तनाव पैदा होने से सिर दर्द होना स्वाभाविक है। इसके अलावा बुखार होने या प्रसव के पश्चात यदि हल्का सा भी दृष्टि दोष आंखों में उत्पन्न हो गया हो, तो सिर में दर्द होता है। सिर में दर्द होना एक आम बीमारी है यदि यह दर्द बार-बार होता है, तो नेत्र रोग चिकित्सक से जांच कराना उपयोगी होगा, क्योंकि सिर दर्द का सम्बन्ध आंखों की सम्बन्ध आंखों की कमजोरी से भी है।

RATE TARIFF
राष्ट्रीय शिखर
खबरों की स्वतंत्रता
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
RASHTRIYA SHIKHAR
NATIONAL HINDI DAILY

DISPLAY B&W
Rs. 750/-
(Per Sq. cm)

DISPLAY COLOR
Rs. 750/- +
50% Extra
(Per Sq. cm)

CLASSIFIED DISPLAY
Rs. 75/-
(Per Sq. cm)
Note : Court Notice Rs. 2000/- (4x10) Rs. 50/- Per Sq. Cm. Extra for additional space.

CLASSIFIED Run On words
Rs. 15/-
(Per Word)
Note : For Classified run on words-Minimum-40 words Maximum 60 Words

Covering Area
Delhi NCR
&
Western U.P.

Special Page / Position Premium

Front Page (Semi)	-	50%	Island Position	-	50%	Strip Advt.	-	15%
Front Page (Solus)	-	75%	Right Hand Page	-	10%	Political Advt.	-	50%
Back Page	-	25%	Top of AD Column	-	15%	Pull Outs	-	50%
Page Three	-	20%	Any Other Spl. Position	-	10%	Discount as per deal		

Mechanical Data : 8 Cols. Per Page, Col. Width 33cm., Col. Length 50cm.

Ghaziabad Office : 64, Navyug Market, 1st Floor, Ghaziabad (UP)
Corporate Office : G-237, HIG, Pratap Vihar, Ghaziabad (U.P.)-201001
Mob.: 9310230557, 9625163807, E-mail : rashtriyashikhar@gmail.com, Website : www.rashtriyashikhar.com
Follow us : @ RashtriyaShikhar/

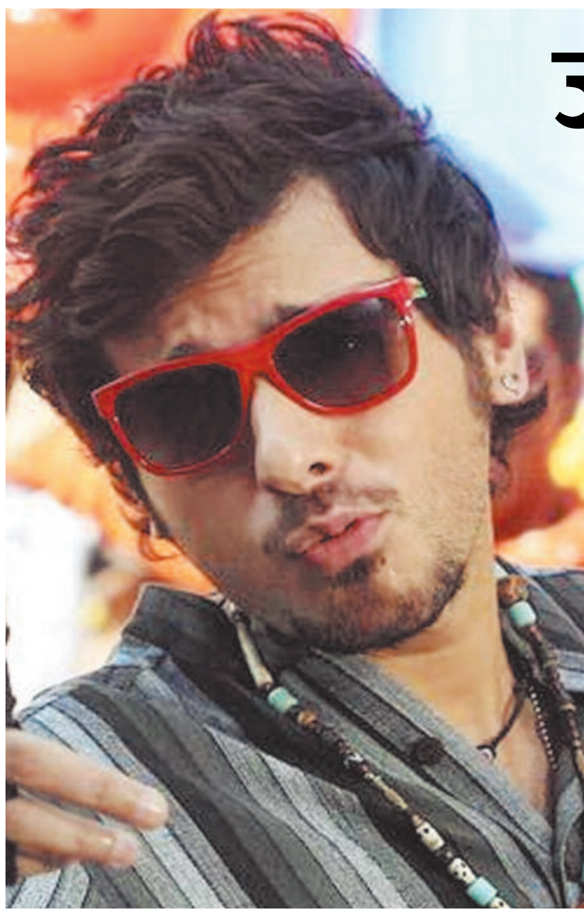

जब मैंने शुरुआत की थी तब हमारी इंडस्ट्री काफी डिसआर्गेनाइज्ड थी

दिव्येंदु बॉलीवुड के उन कलाकारों में से हैं, जिन्होंने इंडस्ट्री में बिना किसी गॉडफादर के, एक नॉन फिल्मी परिवार से आते हुए अपनी अलग पहचान बनाई है। हालांकि, उनका यह सफर आसान भी नहीं रहा है। फिल्मी दुनिया में अपना मुकाम बनाने के लिए कैसे-कैसे पापड़ बेलने पड़ते हैं, यह बात किसी से छिपी नहीं है। फिर चाहे आप भले ही कितने टैलंटेड हैं। पुणे के फिल्म एंड टेलीविजन इंस्टीट्यूट से एक्टिंग सीखकर आए दिव्येंदु को भी रिजेक्शन के लंबे दौर से गुजरना पड़ा। यही नहीं, साल 2011 में 'प्यार का पंचनामा' से वाहवाही बटोरने के बावजूद अपने अपने हिस्से की लाइमलाइट के लिए 2018 का इंतजार करना पड़ा, जब 'मिर्जापुर' आई। बीते दिनों वेब सीरीज 'ग्लोरी' और फिल्म 'पेद्दी' में तारीफ पाने के बाद अब वह आगे 'मिर्जापुर : द मूवी' में फिर से मुन्ना भैया बनकर आ रहे हैं।

पिछले दिनों आई सीरीज 'ग्लोरी' में देव के किरदार के लिए सराहे गए दिव्येंदु बताते हैं, 'जब मैंने शुरुआत की थी, तब हमारी इंडस्ट्री काफी डिसआर्गेनाइज्ड थी। तब एक ही पैटर्न पर फिल्में बनती थीं। कुछ जब हिट हो जाता था तो वैसी ही कहानियां और बनने लगती थीं। कास्टिंग जैसा प्रॉसेस तब बिल्कुल नहीं था। आज जैसे कास्टिंग डायरेक्टर तब होते नहीं थे, तो बड़ी मुश्किल होती थी कि जाएं तो जाएं कहां।'

कोविड महामारी से एक अच्छी चीज हुई

दिव्येंदु कहते हैं, 'कोई गॉडफादर नहीं हैं इंडस्ट्री में, किसी से जान पहचान नहीं है। मैं थिएटर और फिल्म स्कूल से एक्टिंग सीखकर आया था। कई बार जब ऑडिशन में बताया जाता था कि सीन को ऐसे ही करना है तो कई मौकों पर ये लड़ाई होती थी कि जब तुम ही बताओगे कि सीन कैसे करना है, तो मेरा टैलंट कहां है? सच कहूं तो कोविड महामारी वैसे तो बहुत दुर्भाग्यपूर्ण घटना थी, पर जैसे सागर मंथन से कुछ अच्छी, कुछ बुरी चीजें भी निकलती है। उसमें अच्छी चीज ये हुई कि लोगों ने अलग-अलग तरह की चीजें देखनी शुरू की।'

शुरआत में रास्ता खोजना बहुत मुश्किल था दर्शकों के बदले रुझान पर बात करते हुए वह कहते हैं, 'कोविड से पहले, एक सेट थाली मिलती थी कि दाल, चावल, रोटी, सब्जी, यही फिल्म है। एक गाना होगा, ये इमोशन सीन है, ये बदला होगा, लेकिन महामारी के दौरान लोगों ने दुनिया भर का सिनेमा देखा, जिससे यहां भी अलग-अलग तरह की चीजें भी बनने लगीं। उसका बहुत फायदा मिला। मेरे करियर के शुरुआती दौर में ये चीजें नहीं थीं, तो रास्ता खोजना बहुत मुश्किल था।'

गुस्सा आता था, लड़ता भी था

दिव्येंदु आगे बताते हैं उनके संघर्ष का दौर खासा निराशाजनक था। बकौल दिव्येंदु, 'ऑडिशन में ज्ञान देने वालों पर मुझे बहुत गुस्सा आता था। मेरी बहुत लड़ाइयां भी होती थीं और मैं कई जगह से ब्लैकलिस्टेड भी था। तब खुद पर विश्वास बनाए रखने के लिए मैं मिर्जा गालिब का एक शेर है, 'बाजीचा-ए-अतफ़ाल है दुनिया मिरे आगे, होता है शब-ओ-रोज़ तमाशा मिरे आगे।', मैं वो पढ़ता था और मैं खुद से यही बोलता था कि अरे, इन लोगों को समझ नहीं है कि मैं कौन हूं। इंडस्ट्री में टिके रहने के लिए खुद पर यह भरोसा जरूरी है।'

मुन्ना भैया ने मेरी टाइप कास्टिंग तोड़ी है

वेब सीरीज 'मिर्जापुर' का मुन्ना भैया हो या पिछली सीरीज 'ग्लोरी' का देव, दिव्येंदु डार्क किरदारों में ज्यादा नजर आते हैं। यह टाइप कास्टिंग है या उनकी चॉइस, यह पूछने पर वह कहते हैं, 'मुझे तो लगता है कि मुन्ना के बाद मुझे ज्यादा अलग-अलग किरदार ऑफर हुए। 'अग्नि', 'मडगांव एक्सप्रेस', 'लाइफ हिल गई' जैसे अलग-अलग काम मिले, तो मेरे लिए मुन्ना भैया ने टाइप कास्टिंग तोड़ी। वरना उससे पहले मैं कॉमेडी ही कर रहा था। जबकि, कॉमेडी मुझे ज्यादा मुश्किल लगती है। मेरी जो थिएटर में ट्रेनिंग रही है, फिल्म इंस्टीट्यूट में जो मेरी पढ़ाई रही है, मुझे ड्रामा, हैवी किरदार करना ज्यादा पसंद है।' हालांकि, दिव्येंदु यह भी कहते हैं कि उन्हें 'ग्लोरी' के देव का किरदार 'मिर्जापुर' के मुन्ना भैया से भी ज्यादा डार्क लगता है। वह कहते हैं, 'देव मेरी जिंदगी का सबसे डार्क किरदार है। मैंने उससे ज्यादा डार्क कभी कुछ नहीं निभाया।

विजय वर्मा ने स्ट्रगल के दिनों को किया याद

एक्टर विजय वर्मा आज अपनी दमदार एक्टिंग के लिए जाने जाते हैं। 'गली बॉय', 'दहाड़' और 'डार्लिंग्स' जैसी फिल्मों और सीरीज में उन्होंने शानदार काम किया है। लेकिन बॉलीवुड तक उनका सफर बिल्कुल आसान नहीं रहा। विजय वर्मा ने प्रखर गुप्ता के यूट्यूब चैनल पर बात करते हुए कहा, 'मैंने हैदराबाद में थोड़ी-बहुत मॉडलिंग करने की कोशिश की थी, छोटे लेवल पर। लेकिन वहां एक अजीब मॉडल कोऑर्डिनेटर मिला। वो मेरे साथ गलत व्यवहार करने लगा, जैसे मुझे छूने की कोशिश कर रहा हो। मैंने उससे कहा, 'भाई ये क्या कर रहे हो?'' उन्होंने आगे बताया कि इस अनुभव से वह काफी निराश हो गए थे। विजय ने आगे कहा, 'जब आप नए होते हैं, तो जल्दी हिम्मत टूट जाती है। लेकिन फिर मैंने सोचा कि अगर मुझे एक्टिंग ही करनी है, तो मुझे डटकर सामना करना होगा।'

उन्होंने बताया, 'मैं हैदराबाद के सूत्रदार स्कूल ऑफ एक्टिंग गया और कहा कि मुझे एक्टिंग सीखनी है। लेकिन उन्होंने मुझे मना कर दिया। उन्होंने कहा कि इसमें कमिटमेंट और मेहनत चाहिए, ये दो दिन का काम नहीं है। मुझे लगा कि वो मुझे मौका ही नहीं दे रहे।' इसके बाद विजय ने फिल्म एंड टेलीविजन इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया में अप्लाई किया, लेकिन वहां भी पहली बार में उन्हें रिजेक्ट कर दिया गया। हालांकि उन्होंने हार नहीं मानी और दूसरी बार कोशिश करने पर उन्हें एडमिशन मिल गया। वहां उन्होंने राजकुमार राव और जयदीप अहलावत जैसे एक्टर्स के साथ पढ़ाई की।

विजय वर्मा का वर्क फ्रंट

वर्क फ्रंट की बात करें तो विजय वर्मा हाल ही में विभु पुरी की फिल्म 'गुस्ताख इश्क' में नजर आए थे। इस फिल्म में नसीरुद्दीन शाह, फातिमा सना शेख और शारिब हाशमी भी थे। यह फिल्म फैशन डिजाइनर मनीष मल्होत्रा की बतौर प्रोड्यूसर पहली फिल्म थी। इसके अलावा विजय हाल ही में वेब सीरीज 'मटका किंग' में भी दिखे, जिसमें एक साधारण कॉटन व्यापारी के गैम्बलिंग डॉन बनने की कहानी दिखाई गई है।

साई पल्लवी की सादगी की मुरीद हैं निहारिका एनएम

तब्बू और श्रीदेवी को भी बताया अपनी प्रेरणा

सोशल मीडिया और कंटेंट क्रिएशन की दुनिया से फिल्मों तक का सफर तय करने वाली अभिनेत्री निहारिका एनएम ने अभिनेत्री साई पल्लवी को अपनी पसंदीदा एक्ट्रेस बताया। उन्होंने कहा कि साई पल्लवी की सादगी, शानदार अभिनय और व्यक्तित्व उन्हें हमेशा प्रेरित करता है। खास बातचीत में निहारिका एनएम ने कहा, ''साई पल्लवी उन अभिनेत्रियों में से हैं, जिन्हें मैं लंबे समय से पसंद करती हूं। उनकी सादगी, खूबसूरती और अपने काम के प्रति समर्पण उन्हें सबसे अलग बनाता है। वह मुझे हमेशा प्रेरित करती हैं।'' निहारिका ने कहा, 'साई पल्लवी की सबसे बड़ी खासियत यह है कि उन्होंने बिना किसी बनावटी छवि के दर्शकों के दिलों में जगह बनाई है और यही बात मुझे बेहद पसंद आती है। मेरा मानना है कि आज के समय में ऐसे कलाकार बहुत कम हैं जो अपनी सादगी और स्वाभाविक अंदाज से लोगों का दिल जीतते हैं।'

साई पल्लवी के अलावा निहारिका ने बॉलीवुड एक्ट्रेस तब्बू और दिवंगत अभिनेत्री श्रीदेवी की भी जमकर तारीफ की। उन्होंने तब्बू को सदाबहार कलाकार बताते हुए कहा, ''वह आज भी अपनी अभिनय क्षमता से हर किरदार में जान डाल देती हैं। उनकी एक्टिंग और डांस दोनों ही शानदार हैं और वह हर पीढ़ी के कलाकारों के लिए प्रेरणा हैं। श्रीदेवी भी भारतीय सिनेमा की सबसे बेहतरीन अभिनेत्रियों में से एक रहीं।'' बातचीत के दौरान निहारिका ने अपनी नई फिल्म 'भाई तेरा स्टार है' के बारे में भी खुलकर बात की। उन्होंने कहा, ''इस फिल्म से जुड़ने का सबसे बड़ा कारण इसकी कहानी थी। जब मैंने पहली बार फिल्म की स्क्रिप्ट पढ़ी तो मुझे यह काफी मजेदार लगी। मैंने महसूस किया कि यह ऐसी फिल्म है, जिसे मैं खुद भी एक दर्शक के रूप में देखना पसंद करूंगी। इसलिए मैंने इस प्रोजेक्ट के लिए हां कह दी।'' फिल्म में अभिनेता और डांसर राघव जुयाल के साथ काम करने के अनुभव को याद करते हुए निहारिका ने कहा, ''राघव के साथ काम करना ऑनस्क्रीन और ऑफस्क्रीन दोनों ही जगह बहुत मजेदार रहा। जो सीन पर्दे पर दो-तीन सेकेंड का दिखाई देता है, उसे शूट करने में कई घंटे लग जाते हैं। ऐसे में उनकी एनर्जी बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करती है।'' विवेक बी. अग्रवाल के निर्देशन में बनी 'भाई तेरा स्टार है' में राघव जुयाल, संजय कपूर, बरखा सिंह, चंदन रॉय सान्याल, विवान भटेना और विकल्प मेहता जैसे कई कलाकार अहम भूमिकाओं में नजर आ रहे हैं। यह फिल्म 30 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है।

नए प्रोजेक्ट में फिर एक साथ नजर आने वाले हैं शरवरी वाघ और वेदांग रैना

फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' में दर्शकों की दिल जीतने के बाद शरवरी वाघ और वेदांग रैना एक बार फिर एक नए प्रोजेक्ट में एक-साथ नजर आने वाले हैं। खबरों की मानें तो इन कलाकार को निर्देशक इम्तियाज अली की अगली रोमांटिक फिल्म में लीड रोल के लिए साइन किया गया है। इसकी शूटिंग नवंबर में शुरू हो सकती है। लंबे समय तक चली राइटिंग प्रोसेस के बाद बिना नाम वाली फिल्म की पटकथा पूरी हो गई है। इसका मुख्य डेवलपमेंट का काम पूरा हो चुका है। कास्टिंग भी पूरी हो गई है और अब प्रोडक्शन टीम

लोकेशन खोजने, शेड्यूल बनाने और दूसरी योजना पर ध्यान देगी। ताकि इस साल के आखिर में शूटिंग शुरू हो सके। प्रोजेक्ट से जुड़े सूत्रों ने बताया कि मेकर्स को भरोसा है कि सब कुछ सही चल रहा है। टीम अब प्री-प्रोडक्शन के आखिरी स्टेज में है और यह पक्का कर रही है कि नवंबर में प्रोडक्शन शुरू होने से पहले सभी क्रिएटिव और टेक्निकल इंतजाम पूरे हो जाएं।

लीड जोड़ी की वापसी

इंडस्ट्री के जानकारों का कहना है कि इम्तियाज अली को लगता है कि शरवरी और वेदांग रैना फिल्म के इमोशनल माहौल के लिए एकदम सही हैं। दोनों एक्टर्स ने हाल के कुछ परफॉर्मेंस से अपनी अच्छी पहचान बनाई है। उनका साथ आना इस प्रोजेक्ट की सबसे बड़ी खूबियों में से एक होगा।

किरदारों को चुनने में हमेशा सतर्क रहूंगी

चर्चित टीवी शो 'बालिका वधू' में आनंदी के तौर पर लोगों का दिल जीतने से लेकर मुश्किल रियलिटी शो और फिल्मों में काम करने तक, अदाकारा अविका गोर ने दर्शकों का खूब दिल जीता। उनका कहना है कि अब वे अपनी दमदार परफॉर्मेंस के जरिए पहचान पाना चाहती हैं। वे चाहती हैं कि उन्हें शानदार भूमिकाओं के लिए दर्शक याद रखें। यही वजह है कि वे किरदारों का चयन भी काफी सोच-समझकर कर रही हैं।

पहले से ज्यादा जागरुक हो गई हैं अविका बातचीत में अविका ने कहा कि वे सिर्फ ऐसे रोल नहीं करना चाहतीं, जिनमें किसी ऑब्जेक्ट की तरह दिखें। अविका स्टंट-बेस्ड रियलिटी शो 'खतरों के खिलाड़ी 15' में नजर आ रही हैं, जो आज 01 अगस्त से शुरू हुआ है। उन्होंने कहा कि वे ऐसी स्क्रिप्ट चुनने को लेकर ज्यादा जागरूक और सतर्क हो गई हैं, जिनमें दमदार परफॉर्मेंस का मौका मिले। उन्होंने कहा, 'मैं सिर्फ यह मानती हूं कि लोग मुझसे बहुत अच्छी परफॉर्मेंस की उम्मीद करते हैं। कुछ ऐसे किरदार हैं, जो मैं अपनी फिल्मों में करती रहती हूं, जहां मुझे अभिनय करने का मौका मिलता है। मुझे यह दिखाने का मौका मिलता है कि मैं एक कलाकार के रूप में क्या करने में सक्षम हूं। इसलिए मुझे लगता है कि मेरा ध्यान हमेशा सही स्क्रिप्ट चुनने, सही किरदार चुनने पर होता है, जहां मुझे फिल्म में फर्नीचर बनने से ज्यादा कुछ करने का मौका मिलता है। यही वजह है कि मैं हमेशा सही स्क्रिप्ट चुनने और सही किरदार चुनने को लेकर बेहद सचेत रहूंगी'।

दर्शकों और फैंस को कहा शुक्रिया टीवी शो 'बालिका वधू' में आनंदी के किरदार से मशहूर हुईं अविका ने कहा कि लगभग दो दशक बाद भी शो की लगातार लोकप्रियता के लिए वे शुक्रगुजार महसूस करती हैं।

रागिनी 3 में नजर आएंगी आरजे महवश

महवश इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'रागिनी 3' को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म का उन्होंने आधिकारिक एलान कर दिया है। महवश ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए खुशी जाहिर की है। साथ ही एकता कपूर का आभार जताया है। महवश ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से एक पोस्ट साझा किया है। उन्होंने फिल्म 'रागिनी 3' का एलान करते हुए कुछ फोटोज शेयर की हैं, जो सेट की हैं। फिल्म को लेकर तैयारी चल रही हैं। एक तस्वीर में महवश ने हाथों में क्लैपरबोर्ड थाम रखा है, जिस पर लिखा है, 'रागिनी 3'। महवश ने लिखा है, 'अपनी अगली फिल्म 'रागिनी 3' का एलान करते हुए मैं बहुत उत्साहित हूं। जल्द ही सिनेमाघरों में रिलीज होगी। मुझे यह मौका देने के लिए एकता कपूर मैम, बालाजी मोशन पिक्चर्स, श्रुति महाजन और हमारे निर्देशक शशांक घोष सर की हमेशा आभारी रहूंगी। बाकी तुम लोग अपने प्यार से संभाल लेना दोस्तों'।

संक्षिप्त समाचार

पर्यावरण कानून के तहत कोलंबिया में 839 गिरफ्तार

बोगोटा, एजेंसी। पांच अमेजन देशों की पुलिस ने अमेजन वर्षावन में पर्यावरण अपराधों पर बड़ी कार्रवाई की। इसमें सैकड़ों गिरफ्तारियां हुईं और लकड़ी, खनिज तथा हजारों पशुधन जब्त किए गए। बोलीविया, ब्राजील, कोलंबिया, इक्वाडोर और पेरू ने 15 से 31 जुलाई तक 'ऑपरेशन ग्रीन शील्ड 2026' चलाया। इसमें 3,600 से अधिक अधिकारी तैनात थे। इसका लक्ष्य अवैध खनन, कटाई, वन्यजीव तस्करी और भूमि हथियाना था। ऑपरेशन में 839 गिरफ्तारियां और 1,045 फील्ड कार्रवाई हुई। 280,000 क्यूबिक मीटर से अधिक अवैध लकड़ी, 195 मीट्रिक टन खनिज जब्त हुए। 3,000 से अधिक जीवित जानवर बचाए गए, 430 मृत जानवर भी बरामद हुए। जब्त सामान का मूल्य 280 मिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक था। यह 2025 के समान ऑपरेशन के बाद हुई थी। इस वर्ष बोलीविया को भी शामिल किया गया।

अमेरिका ने ब्राजील की राजदूत का वीजा रद्द किया, चुनाव से पहले तनाव बढ़ा

वाशिंगटन, एजेंसी। ट्रंप प्रशासन ने ब्राजील की राजदूत मारिया लुइजा रिबेरो वियोटी का वीजा रद्द कर दिया है। यह ब्राजील के अमेरिकी राजनयिकों को वीजा न देने और राजदूत नामांकन में देरी का जवाबी कदम है। विदेश विभाग ने कहा कि ब्राजील की कार्रवाइयों का यह निर्णय उचित कार्रवाई पर तुरंत बदला जा सकता है। ट्रंप और ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा के प्रशासन के बीच तनावपूर्ण संबंध हैं। ट्रंप, लूला के पूर्ववर्ती जैर बोल्सोनारो और उनके बेटे फ्लेवियो बोल्सोनारो के समर्थक हैं। फ्लेवियो अक्तूबर चुनाव में लूला के मुख्य प्रतिद्वंद्वी हैं। ब्राजील ने जुलाई में अमेरिकी राजनयिक रिले बार्न्स और उनके एक सहयोगी को वीजा नहीं दिया था। ट्रंप प्रशासन ने ब्राजील के बड़े मादक पदार्थ तस्करी समूहों को विदेशी आतंकवादी संगठन घोषित किया। शुक्रवार, 1 अगस्त, 2026 को ब्राजील के निर्यातों पर 37.5 फीसदी तक शुल्क वृद्धि भी लागू हुई। लूला प्रशासन इसे सीनेटर बोल्सोनारो के पक्ष में चुनाव को प्रभावित करने का प्रयास मानता है।

खैबर पख्तूनख्वा में बारिश से संबंधित घटनाओं में छह की मौत, 65 घर क्षतिग्रस्त

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान में अधिकारियों ने बताया कि खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में एक सप्ताह के भीतर बारिश से संबंधित घटनाओं में कम से कम छह लोगों की मौत हो गई। प्रांतीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (पीडीएमए) के अनुसार मंगलवार को, भारी बारिश और अचानक आई बाढ़ से प्रांत के कई जिलों में व्यापक क्षति हुई है। 29 जुलाई से अब तक इन घटनाओं में छह अन्य लोग घायल भी हुए हैं। पीडीएमए के एक प्रवक्ता ने बताया कि मृतकों में दो महिलाएं और चार बच्चे शामिल हैं। प्राधिकरण ने जानकारी दी कि प्रांत में कुल 65 घर क्षतिग्रस्त हुए हैं। इनमें से 41 घरों को आंशिक नुकसान पहुंचा है, जबकि 24 घर पूरी तरह से नष्ट हो गए हैं। प्रभावित जिलों में एबटाबाद, स्वात, बुनेर, खैबर, लोअर चित्राल, लोअर दीर, मानसेहरा, मरदान, पेशावर, शांगला, स्वाबी, अपर दीर और अपर कोहिस्तान शामिल हैं। प्रवक्ता ने बताया कि पीडीएमए, रेस्क्यू 1122, जिला प्रशासन और अन्य संबंधित विभाग प्रभावित क्षेत्रों में संयुक्त रूप से राहत अभियान चला रहे हैं। पीडीएमए के महानिदेशक ने जिला प्रशासनों को राहत कार्य में तेजी लाने का निर्देश दिया है। उन्होंने प्रभावित परिवारों को तत्काल सहायता सुनिश्चित करने को भी कहा है।

अफ्रीका में भीषण हादसा : यात्री वैन और ट्रक की टक्कर 14 लोगों की मौत, चालक की लापरवाही पड़ी भारी

कम्पाला, एजेंसी। युगांडा में एक यात्री वैन और रेत ले जा रहे ट्रक के बीच टक्कर हो गई। इसमें कम से कम 14 लोगों की मौत हो गई। यह जानकारी पुलिस ने दी। यह हादसा सोमवार रात कालुंगु जिले के कमुंगा ट्रेडिंग सेंटर इलाके में एक राजमार्ग पर हुआ। पुलिस ने एक बयान में कहा कि मरने वाले सभी लोग वैन में सवार यात्री थे। वहीं, चार अन्य घायल हो गए। अफ्रीका भर में सड़क दुर्घटनाएं एक समस्या हैं और युगांडा में ये आम हैं। इन दुर्घटनाओं के लिए अक्सर खराब रखरखाव वाले वाहन, अत्यधिक गति और खराब सड़क स्थितियों को जिम्मेदार ठहराया जाता है। जुलाई में पूर्वी युगांडा में एक सुरम्य झरने की शैक्षिक यात्रा से लौट रही एक प्राथमिक विद्यालय की बस सड़क से उतरकर पलट गई, जिससे कम से कम 20 बच्चों और एक वयस्क की मौत हो गई।

ट्रंप नेशनल गोल्फ क्लब के पास से संदिग्ध गिरफ्तार, अमेरिकी राष्ट्रपति को मारने का था प्लान? हथियार भी बरामद

लॉस एंजिल्स, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के कैलिफोर्निया दौरे से पहले एक संदिग्ध व्यक्ति को हथियार समेत गिरफ्तार किया गया है. जानकारी के मुताबिक लॉस एंजिल्स के पास ट्रंप नेशनल गोल्फ क्लब के बाहर इस शख्स को गिरफ्तार किया गया है.

लॉस एंजिल्स काउंटी शेरिफ डिपार्टमेंट ने कहा कि फेडरल एजेंट्स ने गोल्फ कोर्स के आसपास एक संदिग्ध व्यक्ति के घूमने की खबर दी थी, जिसके बाद संदिग्ध को गिरफ्तार कर लिया गया. विभाग ने आगे बताया कि गिरफ्तार संदिग्ध की पहचान हो गई है. वह 38 साल का जीनिन जॉन टेले (Jeanine John Taele) है और वह कैलिफोर्निया के डाउनी का रहने वाला है. अधिकारियों ने कहा कि जब संदिग्ध को कस्टडी में लिया, तो उसके पास एक हथियार और बैन गोला-बारूद भी मिला. उसे हथियार रखने और बैन गोला-बारूद रखने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है.

शेरिफ डिपार्टमेंट के मुताबिक, टेले को गोल्फ क्लब ग्राउंड पर फोटो लेते और वीडियो रिकॉर्ड करते देखा गया था. जांचकर्ताओं ने कहा कि ऐसा लग रहा था कि वह अमेरिकी राष्ट्रपति के दौरे से पहले प्रॉपर्टी पर 'सिक्योरिटी-प्लानिंग एक्टिविटीज' पर नजर रख रहा था.

अमेरिकी सीक्रेट सर्विस यह पता लगाने के लिए जांच कर रही है कि क्या संदिग्ध से राष्ट्रपति ट्रंप को कोई खतरा था. मीडिया रिपोर्टस के मुताबिक, जांच करने वाले यह जांच कर रहे हैं कि क्या यह घटना राष्ट्रपति के खिलाफ किसी संभावित खतरे से जुड़ी थी. हालांकि, सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिकइस बात का अभी कोई संकेत नहीं है कि संदिग्ध हमले की साजिश रच रहा था, साथ ही इस बात पर जोर दिया कि जांच अभी भी जारी है. अधिकारियों ने यह भी बताया कि टेले की एल सेगुंडो पुलिस डिपार्टमेंट एक अलग रॉबरी केस के सिलसिले में जांच कर रहा है.

उस जांच के बारे में कोई और जानकारी नहीं दी गई है. जब शेरिफ डिपार्टमेंट ने गिरफ्तारी की घोषणा की, तब राष्ट्रुति ट्रंप कैलिफोर्निया जा रहे एयर फोर्स वन में थे. इस घटना के बावजूद, मंगलवार शाम को उनके रैंचो पालोस वर्डेस गोल्फ कोर्स में रिपब्लिकन नेशनल कमेटी के डिनर में शामिल होने का उनका शेड्यूल था. यह सिक्योरिटी डर तब आया जब लॉ एनफोर्समेंट एजेंसियां ??प्रेसिडेंशियल इवेंट्स के आसपास कड़ी सिक्योरिटी बनाए हुए हैं. फेडरल, स्टेट और लोकल अथॉरिटीज अमेरिकी राष्ट्रपति के दौरे से पहले रेगुलर तौर पर बड़े सिक्योरिटी उपायों को कोऑर्डिनेट करती हैं, और ऐसे इवेंट्स होस्ट करने वाली जगहों के पास किसी भी संदिग्ध एक्टिविटी को एक गंभीर मामला माना जाता है.

सीक्रेट सर्विस और लोकल लॉ एनफोर्समेंट एजेंसियों की जांच टीम संदिग्ध की गतिविधियों, इरादों और किसी भी संभावित सिक्योरिटी असर की जांच कर रहे हैं. अधिकारियों ने लोगों से अपील की है कि जब तक जांच चल रही है, वे अंदाजा लगाने से बचें.

इस साल अप्रैल में हुआ हमला : इसी साल 26 अप्रैल 2026 को ट्रंप पर जानलेवा हमला हुआ था,. जब वे वॉशिंगटन के एक होटल में मीडिया के लोगों के लाथ डिनर कर रहे थे. तभी अचानक से लोगों को गोलियां चलने की आवाजें सुनाई दीं. हालात को देखते हुए सुरक्षाकर्मियों ने ट्रंप को वहां से निकाला और सुरक्षित जगह ले गए. सुरक्षा कर्मियों ने बताया कि करीब 7-8 राउंड फायरिंग हुई थी. इस घटना के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि हमलावर पकड़ा गया है और कार्यक्रम चालू रहना चाहिए. उसके बाद उन्होंने हमलावर को बीमार बताया और कि हमले के पीछे का मकसद कुछ साफ नजर नहीं आया है.

चुनावी रैली में भी हुई फायरिंग : करीब दो साल पहले 13 जुलाई 2024 को भी ट्रंप पर हमले की कोशिश की गई थी. पेंसेल्वेनिया में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए उन पर फायरिंग हुई थी. उस समय वे अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में रिपब्लिकन उम्मीदवार के तौर पर प्रचार कर रहे थे. जानकारी के मुताबिक बटलर में हो रही रैली के दौरान एक 20 साल के लडके थॉमस मैथ्यू क्रूक्स ने॒क्र15 राइफल से उनपर फायरिंग की थी. अच्छी बात यह रही कि गोली ट्रंप के कान को छूती हुई निकल गई और थोड़ी चोटें आईं. पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए हमलावर को तुरंत मार गिराया.

सितंबर 2024 में भी हुआ हमले का प्रयास : जुलाई के दो महीने बाद 15 सितंबर 2024 को फ्लोरिडा गोल्फ कोर्स में भी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर गोल्फ खेलते समय फायरिंग हुई. करूब 59 साल के शख्स रयान वेस्ले राउथ को गिरफ्तार किया गया. वह झाड़ियों में छिपकर फायरिंग कर रहा था. अमेरिकी सर्विस एजेंट्स ने फौरन उसे पकड़ लिया और फिर उसे सजा सुनाई गई.

दस साल पहले भी हुई थी फायरिंग : दस साल पहले भी ट्रंप पर 18 जून 2016 को फायरिंग हुई थी. उस समय वे अमेरिका के राष्ट्रपति नहीं, बल्कि रिपब्लिकन उम्मीदवार थे. एक 20 साल के ब्रिटिश युवक ने ऑटोग्राफ लेने के बहाने उन पर हमले करने की सोची, लेकिन सुरक्षाबलों ने समय रहते उसे पकड़ लिया।

रूस ने यूक्रेन पर रात में किया हमला, एक की मौत, पांच घायल हो गए

कीव, एजेंसी। यूक्रेन की राजधानी कीव पर रूस के मंगलवार देर रात (लोकल टाइम) किए गए हमले में कम से कम एक व्यक्ति की मौत हो गई और पांच अन्य घायल हो गए. शहर के मिलिट्री एडमिनिस्ट्रेशन के मुताबिक, दोनों देशों के बीच युद्ध बढ़ता जा रहा है. अल जजीरा के मुताबिक यूक्रेनी एयर फोर्स के कई बैलिस्टिक मिसाइलों के आने की खबर देने के बाद यूक्रेनी राजधानी में धमाकों की आवाज सुनी गई. यह नया हमला रूस और यूक्रेन दोनों की तरफ से बॉर्डर पार से किए जा रहे हमलों के बीच हुआ है. लोकल अधिकारियों के मुताबिक सोमवार को दक्षिणी रूस के रिसॉर्ट शहर गेलेंदजिक के एक भीड़भाड़ वाले बीच पर यूक्रेन के ड्रोन का मलबा गिरने से कम से कम सात लोगों की मौत हो गई. रूस की सरकारी न्यूज एजेंसी टैस (ञ्जस्स्) ने रूस के बच्चों के अधिकार कमिश्नर के हवाले से बताया कि मरने वालों में चार बच्चे थे. इस घटना में 58 लोग घायल भी हुए, जिनमें से कई अभी भी हॉस्पिटल में भर्ती हैं.

इलाके के गवर्नर वेनियामिन कोंड्राटिव ने कहा कि मौतें तब हुई जब एक अनमैन्ड एरियल व्हीकल (ॅ्रङ्क) का मलबा बीच पर गिरा. यह अभी साफ नहीं है कि ड्रोन अपने आप क्रैश हुआ या रूसी एयर डिफेंस सिस्टम ने उसे गिराया. सीएनएन के वीडियो फुटेज के एनालिसिस के मुताबिक ड्रोन के तेजी से रास्ता बदलने और बीच पर क्रैश होने से कुछ देर पहले कम से कम तीन हथियारों से ऑटोमैटिक गोलियों की आवाज सुनी गई. सीएनएन ने बताया कि नीचे गिरने से पहले ड्रोन पास के रूसी रडार इंस्टॉलेशन को पार करता हुआ दिखा. सीएनएन को दिए एक बयान में यूक्रेन के सेंटर फॉर काउंटरिंग डिसइन्फॉर्मेशन के हेड एंड्री कोवलेंको ने आरोप लगाया कि यह हादसा रूसी एयर डिफेंस एक्टिविटी की वजह से हुआ. कोवलेंको ने सीएनएन को बताया, 'यह रूसी एयर डिफेंस फोर्स का काम था, जिन्होंने छुट्टियां मनाने वालों से भरे बीच पर ड्रोन को मार गिराया.' उन्होंने यह भी कहा कि यूक्रेन सिर्फ रूस के मिलिट्री-इंडस्ट्रियल और इकोनॉमिक इंफ्रास्ट्रक्चर को टारगेट करता है जो युद्ध की कोशिशों से जुड़ा है. रूसी अधिकारियों ने भी यूक्रेनी ड्रोन हमलों के जारी रहने की रिपोर्ट दी है. टैस के मुताबिक, मॉस्को इलाके में रात भर में एक ड्रोन हमले में पांच लोग मारे गए और छह अन्य घायल हो गए. इससे एक इंडस्ट्रियल एरिया में कई जगह आग लग गई, जिससे एक इलेक्ट्रिकल सबस्टेशन और एक एडमिनिस्ट्रेटिव बिल्डिंग को नुकसान पहुंचा. नए हमले लड़ाई में लगातार बढ़ोतरी को दिखाते हैं. इसमें दोनों पक्षों ने लगातार हवाई हमलों के बीच आम लोगों के मारे जाने और इंफ्रास्ट्रक्चर को नुकसान पहुंचने की रिपोर्ट दी है।

ईरान परमाणु हथियार नहीं बना पाएगा, बातचीत से घटेंगी तेल की कीमतें : जेडी वेंस

वाशिंगटन। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने कहा है कि अमेरिका किसी भी स्थिति में ईरान को परमाणु हथियार हासिल नहीं करने देगा। उनका कहना है कि तेहरान के साथ बातचीत आसान नहीं होगी, क्योंकि ईरान का नेतृत्व कई गुटों में बंटा हुआ है, लेकिन अंततः कूटनीति, आर्थिक दबाव और अन्य उपायों के जरिए अमेरिका अपने रणनीतिक लक्ष्य हासिल करेगा। एक साक्षात्कार के दौरान वेंस ने कहा कि ईरान के सत्ता तंत्र में कुछ गुट तनाव समाप्त कर समझौता चाहते हैं, जबकि कुछ कट्टरपंथी टकराव जारी रखने के पक्ष में हैं। यही कारण है कि वार्ता की प्रक्रिया जटिल और समय लेने वाली हो सकती है। उन्होंने कहा कि हाल में एक समझौता ज्ञापन विफल होने के बावजूद कूटनीतिक संपर्क फिर से शुरू हुए हैं। अमेरिका इस प्रक्रिया मेंज ल्दबाजी नहीं करेगा, बल्कि ऐसा समाधान चाहता है जिससे क्षेत्रीय स्थिरता बनी रहे और वैश्विक ऊर्जा बाजार पर सकारात्मक असर पड़े। वेंस ने विश्वास जताया कि भविष्य में तेल की कीमतों में कमी आएगी और वे नियंत्रित स्तर पर बनी रहेंगी। साथ ही उन्होंने दोहराया कि अमेरिका ईरान को परमाणु हथियार विकसित करने की अनुमति नहीं देगा। उपराष्ट्रपति ने यह भी कहा कि वार्ता के बीच किसी निष्कर्ष पर पहुंचना जल्दबाजी होगी। उनका मानना है कि बातचीत का अंतिम परिणाम अमेरिका और उसके सहयोगियों की सुरक्षा को मजबूत करेगा।

मिसरी के श्रीलंका दौरे के साथ ही भारत ने दिया रणनीतिक संदेश

-विदेश सचिव ने शीर्ष नेतृत्व से की मुलाकात, ऊर्जा, व्यापार, बंदरगाह और तमिल मुद्दे पर हुई अहम चर्चा

कोलंबो (एजेंसी)। हिंद महासागर क्षेत्र में बदलते भू-राजनीतिक परिदृश्य के बीच भारत ने श्रीलंका के साथ अपने रणनीतिक संबंधों को और मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की है। विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने चीन और भूटान की यात्राओं के तुरंत बाद श्रीलंका पहुंचकर वहां के शीर्ष नेतृत्व के साथ व्यापक वार्ता की। इसे भारत की 'नेबरहुड फर्स्ट' नीति और हिंद महासागर क्षेत्र में दीर्घकालिक रणनीतिक उपस्थिति को सुदृढ़ करने की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है।

कोलंबो प्रवास के दौरान मिसरी ने राष्ट्रपति अनुरा कुमार दिसानायके, प्रधानमंत्री हरिणी अमरासूर्या, विदेश मंत्री विजिता हेराथ, विपक्ष के नेता साजिथ प्रेमदासा सहित तमिल समुदाय के प्रतिनिधियों से अलग-अलग मुलाकात की। दोनों देशों ने दिसंबर 2024 के संयुक्त बयान तथा अप्रैल 2025 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की श्रीलंका यात्रा के दौरान हुए समझौतों को तेजी से लागू करने पर सहमति जताई। बैठकों में भारत-श्रीलंका मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के पुनरीक्षण, सामाजिक सुरक्षा समझौते को अंतिम रूप देने तथा निवेश और सेवा क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर विशेष जोर दिया गया। भारत ने श्रीलंका के पुनर्निर्माण के लिए घोषित 450 मिलियन डॉलर के पैकेज के तहत रेलवे, पशुपालन और अन्य विकास परियोजनाओं के लिए नई ऋण सहायता तथा अनुदान आधारित योजनाओं को आगे बढ़ाने की प्रतिबद्धता दोहराई। ऊर्जा और संपर्क परियोजनाओं पर भी उल्लेखनीय प्रगति हुई।

दोनों देशों ने बिजली ग्रिड इंटरकनेक्शन, सम्पूर सौर ऊर्जा परियोजना, त्रिंकोमाली को क्षेत्रीय ऊर्जा केंद्र के रूप में विकसित करने तथा कंकेसनतुरई बंदरगाह के आधुनिकीकरण की समीक्षा की। डिजिटल पहचान परियोजना और रेलवे नेटवर्क के विस्तार पर भी सहमति बनी। वार्ता के दौरान भारत ने तमिल समुदाय के राजनीतिक अधिकारों, प्रांतीय परिषद चुनाव कराने तथा भारतीय मछुआरों की गिरफ्तारी के मामलों को मानवीय आधार पर सुलझाने की आवश्यकता भी उठाई। वहीं श्रीलंका ने भरोसा दिलाया कि उसकी भूमि का उपयोग भारत की सुरक्षा के प्रतिकूल नहीं होने दिया जाएगा।

पीओके में बवाल से डरा पाकिस्तान : विदेशी पत्रकारों के लिए सख्त किए नियम, अब हर कदम पर सरकार से लेनी होगी मंजूरी ?

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान ने देश में खबरों की कवरेज करने वाले विदेशी पत्रकारों और मीडिया कर्मियों के लिए नए दिशा-निर्देश जारी किए हैं। सूचना और प्रसारण मंत्रालय की ओर से जारी नए नियमों के अनुसार, अब सभी विदेशी मीडिया कर्मियों को इस्लामाबाद, लाहौर और कराची के अलावा किसी दूसरे शहर में खबरों की कवरेज के लिए जाने से पहले अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) लेना होगा। ये नए नियम ऐसे समय में आए हैं, जब पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। इन प्रदर्शनों ने दुनियाभर का ध्यान खींचा है। पाकिस्तानी अखबार डॉन के अनुसार, सूचना मंत्रालय के एक्सटर्नल पब्लिसिटी (ईपी) विंग में पंजीकृत सभी विदेशी पत्रकारों और मीडिया से जुड़े लोगों को अब किसी भी दूसरे शहर में जाने से पहले अनिवार्य रूप से एनओसी लेना होगा। यह नियम खबर, डॉक्यूमेंट्री, फिल्म, वीडियो या आधिकारिक काम के लिए सोशल मीडिया सामग्री तैयार करने पर लागू होगा। इन नए दिशा-निर्देशों में विदेशी मीडिया से जुड़े पत्रकारों को ईपी विंग के साथ ऑनलाइन पंजीकरण कराने के लिए भी कहा गया है। इसके बाद पाकिस्तानी सरकार की ओर से क्यूआर कोड वाले पीवीसी मान्यता कार्ड जारी किए जाएंगे। डॉन ने आगे बताया कि मान्यता कार्ड जारी होने में चार से छह हफ्ते तक का समय लग सकता है, जबकि पंजीकरण की प्रक्रिया सात कामकाजी दिनों के अंदर पूरी कर दी जाएगी। ये नए नियम अंतरराष्ट्रीय प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और डिजिटल मीडिया संस्थानों पर लागू होंगे। इसमें वेब आधारित प्लेटफॉर्म और सोशल मीडिया माध्यम भी शामिल हैं। इसके अलावा, विदेश में रहने वाले और विदेशी मीडिया के लिए काम करने वाले पाकिस्तानी पत्रकारों पर भी ये नियम लागू होंगे। नोटिस में लिखा, ईपी विंग को किसी भी मान्यता आवेदन को मंजूर करने या खारिज करने का अधिकार सुरक्षित है। ऐसे मामलों में पत्रकार सूचना और प्रसारण मंत्रालय के सचिव के पास अपील कर सकते हैं। नोटिस में आगे कहा गया, ईपी विंग से पहले से मान्यता प्राप्त या पंजीकृत सभी विदेशी/अंतरराष्ट्रीय मीडिया कर्मियों को किसी भी दूसरे शहर (इस्लामाबाद, लाहौर और कराची को छोड़कर) जाने के लिए ईपी विंग से अनिवार्य एनओसी लेना होगा। अगर वे अपने आधिकारिक काम के लिए खबर, स्टोरी, वीडियो, फिल्म, डॉक्यूमेंट्री या सोशल मीडिया सामग्री तैयार करने जा रहे हैं।

अमेरिका में भारतीय समुदाय का सम्मान: मैसाचुसेट्स ने 15 अगस्त को घोषित किया 'भारत दिवस', गवर्नर ने क्या कहा?

वाशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिका के मैसाचुसेट्स की गवर्नर मौरा हीली ने 15 अगस्त को 'भारत दिवस' (इंडिया डे) घोषित किया है। यह फैसला राज्य में रहने वाले भारतीय समुदाय के लोगों के योगदान को देखते हुए लिया गया है। गवर्नर ने राज्य के लोगों से इस दिन को उचित तरीके से मनाने में शामिल होने की अपील भी की है।

गवर्नर ने एक अगस्त को जारी एक आधिकारिक घोषणा में भारतीय समुदाय के संगठनों और सामाजिक कार्यकर्ताओं की अहम भूमिका को भी मान्यता दी। उन्होंने कहा कि ये संगठन हर साल स्वतंत्रता दिवस समारोह और सामुदायिक सेवा के कामों के जरिये लोगों को जोड़ने, अलग-अलग संस्कृतियों के बीच आदान-प्रदान बढ़ाने और एक-दूसरे को बेहतर समझने में मदद करते हैं।

दुनिया में भारतीय समुदाय की भूमिका क्या कहा : मैसाचुसेट्स की गवर्नर की ओर से जारी घोषणा में कहा गया है कि 15 अगस्त 2026 को भारत की ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन से आजादी की 79वीं वर्षगांठ होगी। साल 1947 में मिली यह आजादी एक ऐतिहासिक घटना थी, जिसने दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र की नींव रखी।

घोषणा में कहा गया है कि भारत दुनिया में सबसे बड़ा प्रवासी समुदाय रखने वाला देश है। दुनिया के दूसरे देशों में भारतीय मूल के 3.6 करोड़ से ज्यादा लोग रहते हैं। इसमें कहा गया कि अमेरिका में 50 लाख से ज्यादा भारतीय मूल के लोग रहते हैं, जो देश और समुदाय के सामाजिक, आर्थिक और नागरिक जीवन को मजबूत बनाने में बड़ा योगदान देते हैं।

भारत की विविधता का जिक्र : इसमें कहा गया है कि भारत एक मिली-जुली सभ्यता वाला देश है। यह एक प्राचीन देश है, जो अलग-अलग जातीय समूहों, धर्मों, भाषाओं, रीति-रिवाजों, परंपराओं, पहनावे, खान-पान, जलवायु और प्राकृतिक संसाधनों की बहुत बड़ी विविधता के लिए जाना जाता है। इसके बावजूद भारत में एकता की भावना बनी हुई है।

भारतीय-अमेरिकी समुदाय को लेकर क्या कहा : घोषणा में यह भी कहा गया है कि मैसाचुसेट्स में रहने वाले भारतीय-अमेरिकी समुदाय ने चिकित्सा, विज्ञान, तकनीक, शिक्षा, कारोबार और सार्वजनिक सेवा जैसे क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इससे राज्य की सांस्कृतिक और आर्थिक पहचान और मजबूत हुई है।

भारत दिवस कैसे मनाया जाता है : घोषणा में यह भी कहा गया है कि पूरे मैसाचुसेट्स राज्य में भारतीय-अमेरिकी समुदाय इस अहम अवसर को लगातार मनाता है। इसके लिए ऐसे कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं, जिनमें भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, लोकतांत्रिक मूल्यों और शांति व प्रगति के प्रति भारत की लंबे समय से चली आ रही प्रतिबद्धता को सम्मान दिया जाता है।

बोस्टन में भी क्या हुआ एलान : इसी तरह की एक घोषणा बोस्टन की मेयर मिशेल वू ने भी की। उन्होंने भी 15 अगस्त को भारत दिवस घोषित किया। उन्होंने बोस्टन में नए भारतीय वाणिज्य दूतावास के खुलने का स्वागत किया और सेलबोस्टन-250 कार्यक्रम में आई भारतीय नौसेना के जहाज आईएनएस सुदर्शिनी की यात्रा का भी जश्न मनाया।

डेमोक्रेटिक पार्टी से शैनन टेलर, रिपब्लिकन से जॉन मैकगायर उम्मीदवार; आम चुनाव में किससे होगी टक्कर?

वाशिंगटन , एजेंसी। सरकारी वकील शैनन टेलर ने मंगलवार को डेमोक्रेटिक पार्टी के भीतर हुए चुनाव में जीत दर्ज की। अब वह अमेरिका के वर्जीनिया राज्य के पहले संसदीय क्षेत्र से डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर से आम चुनाव लड़ेंगी। अब आम चुनाव में शैनन टेलर का मुकाबला रिपब्लिकन पार्टी के मौजूदा सांसद रॉब विटमैन से होगा। वर्जीनिया का यह पहला संसदीय क्षेत्र आम तौर पर रिपब्लिकन पार्टी का मजबूत गढ़ माना जाता है, जिसका बड़ा हिस्सा रिचमंड शहर के आसपास के इलाकों में है। लेकिन साल 2025 में डेमोक्रेटिक पार्टी की गवर्नर एबिगेल स्पैनबर्गर ने यहां जीत दर्ज की थी।

क्या डेमोक्रेटिक पार्टी जीत दोहरा पाएगी : डेमोक्रेटिक पार्टी इस साल के चुनाव में इस सीट को अपने पक्ष में लाने की कोशिश कर रही है। पार्टी का लक्ष्य आम चुनाव में अमेरिकी प्रतिनिधि सभा (हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स) पर फिर से नियंत्रण हासिल करना है।

सात उम्मीदवारों वाले इस प्राथमिक चुनाव में शैनन टेलर को पार्टी के बड़े नेताओं का समर्थन मिला था। उन्हें डेमोक्रेटिक पार्टी के चुनाव अभियान चलाने वाले संगठन और वर्जीनिया के कई डेमोक्रेटिक नेताओं का समर्थन मिला, जिनमें गवर्नर एबिगेल स्पैनबर्गर भी शामिल हैं। टेलर ने कानून-व्यवस्था और सार्वजनिक सुरक्षा के क्षेत्र में अपने काम को प्रमुखता से रखा।

टेलर के एजेंडे में क्या है : उन्होंने कहा कि अगर वह चुनी जाती हैं, तो वॉशिंगटन में भ्रष्टाचार रोकने के लिए कदम उठाएंगी। इसके तहत सांसदों के शेयर खरीदने-बेचने पर रोक लगाने और पूर्व सांसदों के जीवनभर केंद्र सरकार के सामने किसी कंपनी या संस्था की ओर से पैरवी (लॉबिंग) करने पर प्रतिबंध लगाने की कोशिश करेंगी।

शैनन टेलर पिछले 14 वर्षों से रिचमंड के उपनगरीय इलाके हेनरिको काउंटी में सरकारी वकील (कॉमनवेल्थ्स अटॉर्नी) के रूप में काम कर रही हैं। चुनाव प्रचार के लिए धन जुटाने के मामले में उन्होंने अपने सभी प्रतिद्वंद्वियों से कहीं अधिक पैसा इकट्ठा किया।

ट्रंप समर्थक मैकग्वायर को फिर मिला मौका : रिपब्लिकन पार्टी के सांसद जॉन मैकगायर ने मंगलवार को अपनी पार्टी के अंदर हुए चुनाव में जीत हासिल की। इसके साथ ही वह अमेरिका के वर्जीनिया राज्य के पांचवें संसदीय क्षेत्र से रिपब्लिकन पार्टी के आधिकारिक उम्मीदवार बन गए हैं।

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के समर्थन वाले जॉन मैकगायर ने अपनी पार्टी के अंदर हुए चुनाव में मेलानी लुसेरो को हराया। अब वह आम चुनाव लड़ेंगे। डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर से भी उम्मीदवार चुनने के लिए मंगलवार को चुनाव हुआ। इस चुनाव में पूर्व सांसद टॉम पेरीएलो को सबसे मजबूत दावेदार माना जा रहा है।

क्या टॉम पेरीएलो दे पाएंगे कड़ी टक्कर : मध्य वर्जीनिया के इस संसदीय क्षेत्र में आम चुनाव में जॉन मैकगायर को मजबूत दावेदार माना जा रहा है। दो साल पहले हुए आम चुनाव में उन्होंने 57 फीसदी से अधिक वोट हासिल कर जीत दर्ज की थी। हालांकि, रिपब्लिकन पार्टी का मानना है कि अगर डेमोक्रेटिक पार्टी टॉम पेरीएलो को उम्मीदवार बनाती है, तो वह कड़ी टक्कर दे सकते हैं।

अमेरिकी सांसद ने एफसीआरए संशोधनों पर चिंता जताई, कहा- इससे द्विपक्षीय संबंधों पर असर पड़ सकता है : वॉशिंगटन, एजेंसी। एक अमेरिकी सांसद ने मंगलवार को एनजीओ, ट्रस्ट, एजुकेशनल इंस्टीट्यूशन और धार्मिक संगठनों को मिलने वाले विदेशी डोनेशन को कंट्रोल करने वाले अपने कानूनों में भारत के प्रपोज़्ड अमेंडमेंट पर चिंता जताई. साथ ही कहा कि इस कदम से द्विपक्षीय संबंधों पर असर पड़ सकता है. अमेरिकी कांग्रेस के सदस्य राइली मूर ने कहा कि फॉरेन कंट्रीब्यूशन रेगुलेशन एक्ट (एफसीआरए) में बदलाव से भारत सरकार को चर्चों और धार्मिक चैरिटी पर कब्जा करने की इजाजत मिल जाएगी और यह 'ईसाइयों पर साफ हमला' होगा. वेस्ट वर्जीनिया के रिपब्लिकन मूर ने सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में कहा, 'ईसाई तब से भारत में हैं जब सेंट थॉमस द अपॉसल हमारे प्रभु यीशु मसीह के दोबारा जी उठने के कुछ दशक बाद मालाबार कोस्ट गए थे।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साई प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
(PRGI No. - UPHIN/25/A0086)